शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 193 | गुवाहाटी | गुरुवार, 13 फरवरी, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

सभी लड़कों को नंगा किया गुप्तांगों पर डंबल लटकाए — पेज 2
सिलचर में चोरी और डकैती पर विशेष अभियान, 21 अपराधी गिरफ्तार — पेज 3
किसी भी प्राइवेसी का हनन कोई सरकार नहीं कर सकती : पायलट — पेज 5
पटना के मोइनुल हक स्टेडियम क विश्व स्तरीय मुकाबले के लिए अत्याधुनिक... — पेज 7

शिक्षा मंत्री ने एआई-संचालित *निपुण मित्र* ऐप लॉन्च किया

गुवाहाटी। असम के शिक्षा मंत्री डॉ. रनोज पेगु ने बुधवार को शिक्षकों और शोधकर्ताओं की सहायता के लिए बनाया गया एआई-संचालित ऐप *निपुण मित्र* लॉन्च किया। इस ऐप का अनावरण शिक्षा मंत्री ने गुवाहाटी के दिसपुर कॉलेज में एक राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन के दौरान किया। निपुण मित्र ऐप को शिक्षा पेशेवरों के लिए एक व्यापक संसाधन के रूप में डिजाइन किया गया है, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020, राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (एनसीएफ), निपुण भारत मिशन और निपुण एक्सोम मिशन पर बहुमूल्य जानकारी प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि ऐप शिक्षकों को विशेष रूप से मूलभूत साक्षरता और -शेष पृष्ठ दो पर

असम एक ऐसी जगह है जहां आपको रहना चाहिए : मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा

सिंगापुर / गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को सिंगापुर रोड शो में 200 से अधिक व्यापारिक नेताओं को संबोधित किया, जिसका आयोजन दक्षिण-पूर्व एशियाई शहर राज्य में निवेशकों के बीच *एडवांटेज असम 2.0* शिखर सम्मेलन को बढ़ावा देने के लिए किया गया था। मुख्यमंत्री 25-26 फरवरी को गुवाहाटी में होने वाले एडवांटेज असम 2.0 - निवेश और बुनियादी ढांचा शिखर सम्मेलन 2025 को बढ़ावा देने के लिए सिंगापुर में हैं। हिमंत विश्व शर्मा ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से प्रत्येक संभावित निवेशक को एडवांटेज असम 2 में शामिल होने और हमारे राज्य द्वारा पेश किए जाने वाले विविध अवसरों का पता लगाने के लिए आमंत्रित किया है। असम एक ऐसी जगह है जहां आपको जाना चाहिए! यह

वह शानदार संदेश था जो हमने सिंगापुर रोड शो में 200 से अधिक व्यापारिक नेताओं को दिया। मैंने व्यक्तिगत रूप से प्रत्येक संभावित निवेशक को एडवांटेज असम 2 में शामिल होने और हमारे राज्य द्वारा पेश किए जाने वाले विविध अवसरों का पता लगाने के लिए आमंत्रित किया। सिंगापुर के निवेशक समुदाय ने भारत की आर्थिक क्षमता का दोहन करने में असम के अनूठे लाभों के लिए बहुत उत्साह दिखाया। हिमंत विश्व शर्मा ने एक्स पर लिखा। उन्होंने कहा कि हमारा स्थानीय लाभ, सिंगल वीनडॉ क्लियरेंस, विशेष प्रोत्साहन, मजबूत कानून और व्यवस्था, तथा अनुशासित कार्यबल हमारी मुख्य यूएसपी हैं। शर्मा ने कहा कि सिंगापुर के निवेशक समुदाय ने भारत की आर्थिक क्षमता का दोहन करने में असम के अनूठे लाभों के लिए बहुत उत्साह दिखाया है। हमारा स्थानीय लाभ, सिंगल वीनडॉ क्लियरेंस, -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम ने सिंगापुर के उप प्रधानमंत्री से मुलाकात की

भारत-आसियान संबंधों में राज्य की भूमिका पर प्रकाश डाला

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को सिंगापुर के उप प्रधानमंत्री गान किम योंग से मुलाकात की और भारत-आसियान के बीच बढ़ती साझेदारी में राज्य की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। आगामी एडवांटेज असम 2.0 निवेश और बुनियादी ढांचा शिखर सम्मेलन में निवेशकों को लुभाने के लिए सिंगापुर के तीन दिवसीय दौरे पर आए शर्मा ने सेमीकंडक्टर, कौशल और हरित ऊर्जा के क्षेत्रों में असम और सिंगापुर गणराज्य के बीच सहयोग बढ़ाने पर भी जोर दिया। उन्होंने असम सरकार द्वारा राज्य को सेमीकंडक्टर, कौशल, हरित ऊर्जा और नवाचार-संचालित उद्योगों का केंद्र बनाने पर जोर दिए -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

सच्चाई के लिए कुछ भी छोड़ देना चाहिए.., पर किसी के लिए भी सच्चाई नहीं छोड़ना चाहिए।
– **स्वामी विवेकानंद**

गौरव गोगोई की ब्रिटिश पत्नी के आईएसआई से संबंध?

सीएम के रहस्यमयी पोस्ट से छिड़ी बहस

गुवाहाटी (एजे / हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई पर उनका नाम लिए बिना हमला किया। उन्होंने इस मुद्दे पर हमला किया कि गोगोई की पत्नी ने 2013 में उनकी शादी के बाद 12 साल तक ब्रिटिश नागरिकता बरकरार रखी। उन्होंने एलिजाबेथ कोलबर्न के खिलाफ आईएसआई संबंधों के आरोपों का भी उल्लेख किया और कहा कि सवालों के जवाब दिए जाने चाहिए। एक्स पर एक पोस्ट में असम के सीएम ने लिखा कि आईएसआई से संबंध, युवाओं को ब्रेनवॉश करने और कट्टरपंथी बनाने के लिए पाकिस्तान दूतावास में ले जाने और पिछले 12 वर्षों से भारतीय नागरिकता लेने से इनकार करने के आरोपों के बारे में गंभीर सवालों के जवाब दिए जाने की जरूरत है। इसके अलावा, धर्मांतरण कार्टेल में भागीदारी और राष्ट्रीय सुरक्षा को अस्थिर करने के लिए जॉर्ज सोरोस सहित बाहरी स्रोतों से धन प्राप्त करना गंभीर चिंता का विषय है जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि किसी समय जवाबदेही जरूरी होगी। केवल जिम्मेदारी से बचना या दूसरों पर ध्यान केंद्रित करने का प्रयास करना आसान नहीं होगा। देश पारदर्शिता और सच्चाई का हकदार है। हालांकि हिमंत विश्व शर्मा ने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन यह स्पष्ट है कि वह गौरव गोगोई और उनकी पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न के बारे में बात कर रहे थे, जिन्होंने 2013 में गोगोई के साथ विवाह के बाद भी अपना ब्रिटिश पासपोर्ट बरकरार रखा है। असम के सीएम ने ट्वीट में उन पर युवाओं को पाकिस्तान दूतावास में ले जाकर *ब्रेनवॉश करने और कट्टरपंथी बनाने* का आरोप लगाया। उन्होंने धर्मांतरण गिरोह में शामिल होने और राष्ट्रीय सुरक्षा को अस्थिर करने के लिए जॉर्ज सोरोस सहित बाहरी स्रोतों से धन प्राप्त करने का भी आरोप लगाया, जिसे गंभीर चिंता का विषय बताया। हिमंत विश्व शर्मा ने यह भी सवाल उठाया कि एक विधायक की पत्नी को -शेष पृष्ठ दो पर

तनाव : नगा अधिकारियों ने गोलाघाट में ओएनजीसी स्टेशन बंद करने की धमकी दी

जोरहाट। असम-नगालैंड सीमा पर बुधवार को तनाव बढ़ गया, जब ऐसी खबरें आईं कि नगालैंड प्रशासन ने गोलाघाट जिले के उरियमघाट में तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) के ड्रिलिंग स्टेशन को बंद करने की धमकी दी है। कथित तौर पर, नगालैंड पुलिस और एक सीमा मजिस्ट्रेट की टीम असम की सीमा में घुस आई और उस स्थान पर तेल निष्कर्षण गतिविधियों को तत्काल रोकने की मांग की। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवानों की मौजूदगी के बावजूद, उन्होंने कथित तौर पर ओएनजीसी के अधिकारियों पर परिचालन बंद करने का दबाव डाला। नगालैंड पुलिस टीम ने कथित तौर पर एक सीमा मजिस्ट्रेट के साथ उरियमघाट क्षेत्र में ओएनजीसी -शेष पृष्ठ दो पर

पोल डेटा सिस्टम मजबूत है, कुछ भी गलत नहीं हो सकता : ईसी

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने बुधवार को कहा कि मतदान डेटा की प्रणाली मजबूत है और इसमें मौजूद सुरक्षा बिंदु सुनिश्चित करते हैं कि कुछ भी गलत नहीं हो सकता। लोकसभा और विधानसभा चुनावों में डेटा में हेराफेरी के आरोपों के बीच उनकी यह टिप्पणी आई है। *लोकसभा 2024 एटलस* को लॉन्च करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजीव कुमार ने कहा कि बूथ स्तर के अधिकारियों -शेष पृष्ठ दो पर

विवाह, लिव-इन हो या तलाक

यूसीसी में कोई नहीं ले पाएगा दूसरे की जानकारी

नई दिल्ली। उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू हो चुकी है और इसके विभिन्न प्रावधानों के अंतर्गत लोग सरकारी कार्यालयों में लिव-इन या तलाक के मामले रजिस्टर भी कराने लगे हैं। लेकिन लोगों को इस बात की आशंका है कि उनकी निजी सूचनाओं के लीक हो जाने से इसका गलत असर पड़ सकता है। लोग इसका दुरुपयोग भी कर सकते हैं। विशेषकर लिवइन जैसे मामलों में जहां जोड़े अपने बारे में कोई जानकारी सार्वजनिक नहीं करना चाहते, वहां लोगों की आशंका बहुत -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

बंगाल बजट : सरकारी कर्मचारियों के डीए में चार फीसदी बढ़ोतरी

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल सरकार ने 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले अपना आखिरी पूर्ण बजट पेश किया। वित्त राज्यमंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने बुधवार को विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 3.89 लाख करोड़ का बजट पेश किया। बजट में ग्रामीण विकास और पंचायत के लिए 44 हजार करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। साथ ही, घाटाल मास्टर प्लान के लिए भी बड़ा आवंटन किया गया। स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास और *पथश्री* योजना के तहत भी बजट में बढ़ोतरी की गई है। हालांकि कि लक्ष्मी भंडार योजना के लिए इस बार बजट में अतिरिक्त राशि आवंटित नहीं की गई। राज्य सरकार के कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (डीए) में 4 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है, जो एक अप्रैल से लागू होगी। बजट में प्रमुख घोषणाएं:-पथश्री योजना: सड़कों के विकास के लिए 1,500 करोड़ रुपए का आवंटन।-बंगालर बाड़ी योजना: 16 लाख नए घरों के निर्माण के लिए 9,600 -शेष पृष्ठ दो पर

अब हेल्थ इंश्योरेंस और रोजमर्रा की चीजों पर टैक्स घटाने की तैयारी में सरकार

नई दिल्ली। जीएसटी काउंसिल जल्द ही आम उपभोक्ताओं को राहत देने वाला फैसला ले सकती है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को राज्यसभा में कहा कि सरकार जीएसटी दरों को सरल और सुव्यवस्थित करने पर काम कर रही है, जिससे रोजमर्रा के सामान पर टैक्स दरों में कटौती की उम्मीद की जा सकती है। तृणमूल कांग्रेस के सांसद नदीमुल हक के सवाल का जवाब देते हुए वित्त मंत्री ने बताया कि जीएसटी लागू होने के बाद औसत अप्रत्यक्ष कर दर 15.8 प्रतिशत से घटकर 11.3 प्रतिशत रह गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जीएसटी के तहत किसी भी वस्तु पर कर बढ़ाने का कोई उदाहरण नहीं है। बल्कि, अब कुछ कर दरों को एक साथ मिलाने पर विचार किया जा रहा है, जिससे हेल्थ इंश्योरेंस पर जीएसटी घटने की संभावना भी बढ़ गई है। वित्त मंत्री ने स्पष्ट -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में कोई संवैधानिक संकट नहीं : भाजपा विधायक

इंफाल। मणिपुर के भाजपा विधायक करम श्याम ने बुधवार को बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि हिंसा प्रभावित राज्य के मुख्यमंत्री पद से एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद कोई संवैधानिक संकट नहीं है। बीरेन सिंह ने 9 फरवरी को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। श्याम ने कहा कि विधायकों की मदद से केंद्र सरकार मौजूदा मुद्दों का समाधान कर लेगी। भाजपा विधायक ने कहा कि मुझे राष्ट्रपति शासन के बारे में नहीं पता। मुझे लगता -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम मोदी को हराना चाहता था अमेरिका, रची थी बड़ी साजिश

यूएस के पूर्व विदेश विभाग अधिकारी के दावे से मची खलबली

नई दिल्ली। अमेरिका के पूर्व विदेश विभाग के अधिकारी माइक बेंज ने आरोप लगाया है कि अमेरिका ने भारत के आंतरिक राजनीति में दखल दिया है। इतना ही नहीं अमेरिका ने बांग्लादेश की राजनीति में भी दखल देने की कोशिश की है। उन्होंने दावा किया है कि अमेरिका ने मीडिया प्रभाव, सोशल मीडिया सेंसरशिप और विपक्षी आंदोलनों को वित्तीय सहायता के माध्यम से भारत की राजनीति को प्रभाव डालने की कोशिश की है। बेंज का आरोप है कि अमेरिकी सरकार से जुड़ी संस्थाओं ने *लोकतंत्र को बढ़ावा देने* की आड़ में चुनावों को प्रभावित करने, सरकारों को अस्थिर करने और उसके अनुरूप सरकार बनाने की कोशिश की है। यूएसएड जैसी संस्थाओं ने भारत के 2019 के लोकसभा चुनावों को -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वी कांगो में सशस्त्र हमले में 55 नागरिकों की मौत

गोमा (हि.स.)। पूर्वी कांगो के इटुरी प्रांत में एक सशस्त्र समूह द्वारा किए गए हमले में कम से कम 55 नागरिकों की जान चली गई। यह हमला विशेष रूप से विस्थापितों के एक गांव पर हुआ, जहां कई घर जलकर नष्ट हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने आशंका जताई है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि राहत एवं बचाव कार्य अभी जारी है। जानकारी के अनुसार, यह हमला सोमवार रात को जाइबा गांव में हुआ, जहां कोडेको नामक सशस्त्र संगठन के लड़ाकों ने हमला बोल दिया। इस संगठन का संबंध लेंदू समुदाय से बताया जाता है। अफ्रीकी आतंकवाद अनुसंधान केंद्र के अनुसार, इस समूह के हमलों में 2022 तक हजारों लोग मारे जा चुके हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

महाकुंभ : माघ पूर्णिमा पर दो करोड़ ने संगम में लगाई आस्था की डुबकी

महाकुंभ नगर (हि.स.)। महाकुंभ में माघ पूर्णिमा का स्नान जारी है। बुधवार को गंगा, यमुना और अंत:सलिला सरस्वती के संगम तट पर देश-दुनिया के हर कोने से आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। प्रयागराज की सड़कें चहुंदिश श्रद्धा पथ में तब्दील हो गईं। देश-दुनिया भर से संतों, श्रद्धालुओं, पर्यटकों का सागर उमड़ा तो लगभग 6 किमी लंबे संगम तट पर कहीं तिल रखने भर की जगह नहीं बची। हर हर महादेव, जय गंगा मैया के गगनभेदी जयघोष के बीच कोई हाथों में ध्वज लिए संगम की ओर दौड़ता रहा तो कोई दंड-कमंडल, मनका लिए हुए लपकते पांवों से बढ़ता रहा। श्रद्धालुओं पर हेलिकॉप्टर से 25 क्विंटल फूल भी बरसाए गए। संगम तट पर माघ पूर्णिमा स्नान के लिए गंगा-यमुना के घाटों पर श्रद्धालुओं का खचाखच जमावड़ा मंगलवार रात से ही शुरू हो गया था। भीड़ प्रबंधन के चलते मेला क्षेत्र में वाहनों की आवाजा रोक दिए जाने की वजह से सड़कें हर तरफ पैदल पथ में तब्दील हो गईं। सिर पर गठरी, कंधे पर झोला हाथों में बच्चों और महिलाएं अपनों -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश में छात्रों के प्रदर्शनों पर कार्रवाई

संरा ने जताई 1,400 लोगों के मारे जाने की आशंका

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने कहा कि बांग्लादेश में पिछले साल गर्मियों में छह सप्ताह के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ छात्रों के नेतृत्व में हुए प्रदर्शनों पर की गई कार्रवाई में 1,400 से अधिक लोगों की मौत होने की आशंका है। जिनेवा स्थित कार्यालय ने एक नई रिपोर्ट में कहा है कि सुरक्षा और खुफिया सेवाएं *व्यवस्थित रूप से* अधिकारों के उल्लंघन में संलिप्त हैं, जो मानवता के खिलाफ अपराध हो सकते हैं और इनकी जांच की आवश्यकता है। मानवाधिकार कार्यालय ने *विभिन्न विश्वसनीय स्रोतों* का हवाला देते हुए कहा -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

AFFIDAVIT

मैं अजय पातर एफिडेविट क्रमांक IN-AS-3028867762019OW दिनांक 19 दिसंबर 2024 के जरिए सूचित करता हूं कि मैं अजय पातर मुनि पिता कोणापाई पातर मुनि निवासी मिथिफांग दिलाजी डाकघर रोंगखेलन थाना डीफू, अजय पातर के स्थान पर असम के लालुंग जनजाति के अपने गोत्र नाम सहित अजय पातर मुनि के नाम से सामाजिक रूप और सरकारी दस्तावेज में मेरा परिचय होगा।

केरल के नर्सिंग कॉलेज में खौफनाक रैगिंग

सभी लड़कों को नंगा किया गुप्तांगों पर डंबल लटकाए

थिरुवनंतपुरम। केरल के कोट्टायम जिले में एक नर्सिंग कॉलेज के पांच छात्रों को अपने जूनियर्स की बेरहमी से रैगिंग करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि संस्थान में करीब तीन महीने से जारी रैगिंग से तंग आकर प्रथम वर्ष के तीन छात्रों ने शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया। शिकायत के अनुसार, रैगिंग पिछले साल नवंबर में शुरू हुई थी। शिकायत में छात्रों ने आरोप लगाया कि उन्हें नग्न अवस्था में खड़े रहने के लिए मजबूर किया गया और भारोत्तोलन के लिए बने डंबल का इस्तेमाल कर उनके साथ क्रूर व्यवहार किया गया। छात्रों द्वारा पुलिस में शिकायत दर्ज कराने के बाद रैगिंग का मामला प्रकाश में आया और कोट्टायम के सरकारी नर्सिंग कॉलेज के तीसरे वर्ष के पांच छात्रों को गिरफ्तार किया गया, जिनकी पहचान सैमुअल जॉनसन, एनएस जीवा, केपी राहुल राज, सी रिजिल जीत और विवेक एनपी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, समूह नवंबर 2024 से रैगिंग के नाम पर प्रथम वर्ष के नर्सिंग छात्रों को परेशान कर रहा था। प्रताड़ना को और अधिक सहन न कर पाने पर, प्रथम वर्ष के तीन छात्रों ने पास के गांधीनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने कहा कि शिकायत में उत्पीड़न की हिंसक वारदातों का विवरण दिया गया है। पुलिस ने कहा कि आरोपी जूनियर्स के शरीर पर कट लगाते थे और फिर इन कटों पर लोशन लगाते थे। जब पीड़ित दर्द से चिल्लाते थे, तो आरोपी उनके मुंह और शरीर के अंगों पर क्रीम लगाते थे। शिकायत में यह भी कहा गया है कि छात्रों को नंगा कर दिया गया और उनके गुप्तांगों पर डंबल लटका दिए गए। आरोपियों ने कंपास समेत अन्य स्टेशनरी उपकरणों से उन्हें घायल भी किया। रैगिंग से जुड़े सभी पांच छात्रों को उनके कॉलेज ने भी निलंबित कर दिया है। कॉलेज प्रिंसिपल ने एंटी-रैगिंग एक्ट के तहत जांच करने के बाद कार्रवाई की। प्रभारी प्रिंसिपल डॉ. लिनी जोसेफ ने कहा कि छात्रों ने कॉलेज को रैगिंग के बारे में नहीं बताया था। उन्होंने कहा कि अभिभावकों ने क्लास टीचर को फोन करके इसकी जानकारी दी। शिकायत मिलने के बाद प्रारंभिक जांच की गई और कार्रवाई की गई। विस्तृत जांच के लिए आज (12 फरवरी) एक कमेटी गठित की जाएगी। उसके बाद छात्रों के खिलाफ आगे की कार्रवाई पर फैसला लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमने जांच के तहत छात्रों को निलंबित कर दिया है। हमने शिकायत गांधीनगर एसएचओ (स्टेशन हाउस ऑफिसर) और कोट्टायम पुलिस अधीक्षक को भेज दी है। कल पुलिस ने पीड़ित छात्रों और आरोपियों से मुलाकात की। दो पीड़ितों को पुलिस स्टेशन आने को कहा गया।

हमारे रक्षा उपकरण पूरी दुनिया के लिए आकर्षण का केंद्र बने : राजनाथ

बेंगलूरू। एयरो इंडिया 2025 में बोलते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को कहा कि भारत परिवर्तन के क्रांतिकारी दौर से गुजर रहा है और देश के लड़ाकू विमान, मिसाइल प्रणाली, नौसैनिक जहाज न केवल हमारी सीमाओं की रक्षा कर रहे हैं बल्कि पूरी दुनिया के लिए आकर्षण का केंद्र भी बन रहे हैं। एयरो इंडिया 2025 के समापन समारोह पर बोलते हुए रक्षा मंत्री ने कहा, एयरो इंडिया ने ऐसी ऊंचाइयों को छुआ है जो न केवल अद्वितीय हैं बल्कि ऐतिहासिक भी हैं। उन्होंने कहा कि मैं पिछले तीन दिनों से इस कार्यक्रम में व्यक्तिगत रूप से मौजूद था और अगर मुझे अपने अनुभव को तीन शब्दों में व्यक्त करना है तो वह है ऊर्जा, ऊर्जा और ऊर्जा। उन्होंने कहा कि यहां हम जो कुछ भी देख पाए, वह ऊर्जा का प्रकटीकरण है और यह ऊर्जा और उत्साह न केवल भारत के प्रतिभागियों में, बल्कि दुनिया भर से आए लोगों में देखी जा सकती है। हमारे उद्यमियों, हमारे स्टार्टअप और इनोवेटर्स में जो उत्साह देखा गया, वह सराहनीय है। रक्षा मंत्री ने कहा कि देश बदलाव के क्रांतिकारी दौर से गुजर रहा है। उन्होंने कहा कि हम सभी जानते हैं कि भारत ऐतिहासिक रूप से अपनी रक्षा जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर रहा है। अगर मैं एक दशक पहले की बात करूं तो हमारे देश में 65 से 70 प्रतिशत रक्षा उपकरण आयात किए जाते थे। उन्होंने कहा कि यदि हम आज की स्थिति को देखें तो आप इसे समाधान या चमत्कार कह सकते हैं, लेकिन आज देश में लगभग उतने ही प्रतिशत रक्षा उपकरणों का निर्माण हो रहा है। रक्षा मंत्री ने कहा, आज हम ऐसे मोड़ पर खड़े हैं जहां लड़ाकू विमान, मिसाइल प्रणाली, नौसैन्य पोत या ऐसे अनेक उपकरण और प्लेटफॉर्म न सिर्फ हमारी सीमाओं की रक्षा कर रहे हैं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए आकर्षण का केंद्र भी बन रहे हैं। उन्होंने कहा, आज हम छोटे तोपखानों से लेकर ब्रह्मोस और आकाश मिसाइल प्रणाली जैसे बड़े प्लेटफॉर्म तक, सब कुछ कई देशों को निर्यात कर रहे हैं। इससे न केवल हमारा रक्षा निर्यात बढ़ रहा है बल्कि वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों के साथ हमारी नई साझेदारियां भी विकसित और मजबूत हो रही हैं।

सिलचर में लापता ट्रक चालक की हत्या, छह आरोपी गिरफ्तार

कछार (हिंस)। कछार पुलिस ने एक लापता ट्रक की गुत्थी को सुलझाते हुए आज बताया है कि उसकी हत्या की गई है। पुलिस ने ट्रक एवं हत्या में शामिल सभी आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना के अनुसार गुवाहाटी के रहने वाले राम बहादुर गुप्ता ने 08 जनवरी को एफआईआर दर्ज कराई कि ट्रक चालक बिधान दत्ता (निवासी कैलिचेरा, हैलाकांदी) 03 जनवरी को गुवाहाटी से चुराचांदपुर (मणिपुर) माल लेकर जाते समय ट्रक (एएस 01एससी-1590, अशोक लीलैंड, सफेद रंग) सहित लापता हो गया था। आखिरी बार ट्रक को कछार जिला मुख्यालय शहर सिलचर में देखा गया था। परिजनों और पुलिस के प्रयासों के बावजूद उसका कोई सुराग नहीं मिला। सिलचर थाना केस संख्या 28/25 के तहत जांच में एसआईटी गठित की गई, जिसमें एएसपी (अपराध), सिलचर थाना प्रभारी और अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। जांच के दौरान मोहनखाल (कचुदराम) के बख्तियार हुसैन लश्कर (32), संजीब अहमद लश्कर (42) और दिलवार हुसैन लश्कर (29) को गिरफ्तार किया गया, जिन्होंने ट्रक को असम-मिजोरम सीमा पर छिपाने की बात कबूल की। इनकी निशानदेही पर लाला (हैलाकांदी) के सहारुल इस्लाम लश्कर (27) और काटलीचेड़ा (हैलाकांदी) के अमोल पॉल (35) को पकड़ा गया। पूछताछ में इन दोनों ने बिधान दत्ता की मेघालय के लुमश्नोंग में हत्या कर टोल गेट के पास शव फेंकने की बात स्वीकार की।

नई दिल्ली के असम हाउस में मनाया गया वीर चिलाराय दिवस

नई दिल्ली/गुवाहाटी (हिंस)। आज नई दिल्ली के असम हाउस में असम भवन प्राधिकरण द्वारा वीर चिलाराय दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय विदेश राज्यमंत्री पवित्र मार्घेरिटा, सांसद रंजीत दत्ता, प्रदान बरुवा, बिजुली कलिता मेधी, कामाख्या प्रसाद तासा, अमर सिंह टिसो और असम भवन के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर अपने संबोधन में केंद्रीय मंत्री पवित्र मार्घेरिटा ने कहा है कि महावीर चिलाराय का असम के साथ-साथ पूरे देश के इतिहास में एक गौरवपूर्ण स्थान रहा है। न सिर्फ उनका शौर्य और पराक्रम चर्चित रहा है, बल्कि वह ज्ञान-विज्ञान के भी पारंगत थे।

सिलापथार के चिली भगवान मिसिंग गांव में प: राग उत्सव की तैयारी

धेमाजी (हिंस)। असम के दूसरे सबसे बड़े समुदाय मिसिंग का कृषि आधारित पारंपरिक पर्व *प:राग उत्सव* इस वर्ष भी पूरे उत्साह और धूमधाम से मनाया जा रहा है। सिलापथार के चिली भगवान मिसिंग गांव में 26, 27 और 28 फागुन यानी 11, 12 और 13 फरवरी को यह उत्सव पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ आयोजित किया जा रहा है। मंगलवार को मिसिंग समुदाय के लोगों ने अपने अराध्य देवता सूर्य और चंद्रमा सहित पूर्वजों की पूजा-अर्चना की। धार्मिक विधियों के साथ मुरंगघर उद्घाटन और लाइखुटा स्थापना समारोह संपन्न हुआ। पांच वर्षों के बाद फिर से आयोजित इस उत्सव में ढोल-ताल की गूंज और ओइनितोम लोकगीतों के साथ माहौल उल्लासपूर्ण बन गया। भगवान मिसिंग गांव विकास समिति और भगवान नवज्योति युवक संघ के तत्वावधान में तथा प:राग उत्सव आयोजन समिति के सहयोग से इस पर्व को व्यापक पैमाने पर मनाया जा रहा है। मुरंगघर परिसर की सफाई और आवश्यक सामग्रियों की व्यवस्था की जा रही है। लाइखुटा स्थापना समारोह में सैकड़ों लोगों ने भाग लिया।

मुख्यमंत्री ने रानोज पेगू को दीं जन्मदिन की शुभकामनाएं

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने अपने कैबिनेट सहयोगी रानोज पेगू को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे परिश्रमी और व्यवस्थित हैं, जो हमारे शिक्षा क्षेत्र को छात्रों के हित में कुशलतापूर्वक आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने मां कामाख्या और श्रीमंत शंकरदेव से उनके दीर्घ और स्वस्थ जीवन की प्रार्थना की।

पृष्ठ एक का शेष

शिक्षा मंत्री ने ...

संख्यात्मकता (एफएलएन) पर केंद्रित पाठ योजनाएं बनाने में सक्षम बनाता है, जिससे प्राथमिक विद्यालय के छात्रों के लिए सीखने के परिणामों में सुधार होता है। यह असमिया और 100 से अधिक वैश्विक भाषाओं सहित कई भाषाओं का भी समर्थन करता है, जिससे यह उपयोगकर्ताओं के लिए अधिक सुलभ हो जाता है। बारपेटा स्थित शिक्षक प्रसनजीत शर्मा द्वारा विकसित निपुण मित्र को नीति और व्यवहार के बीच सेतु बनाने वाले एक परिवर्तनकारी उपकरण के रूप में सराहा गया है। शिक्षण में एआई को एकीकृत करने में शर्मा के योगदान की सराहना करते हुए, मंत्री ने ऐप को *शैक्षणिक उत्कृष्टता की ओर असम की यात्रा में एक मील का पत्थर* कहा। निपुण मित्र को लॉन्च करने के अलावा, शिक्षा मंत्री ने ऑल असम बीआरपी फोरम की एक ई-पत्रिका का भी अनावरण किया। इस शुभारंभ समारोह में शिक्षा के आधुनिकीकरण और बेहतर शिक्षण परिणामों के लिए प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने के प्रति असम की बढ़ती प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया गया।

असम एक ऐसी ..

विशेष प्रोत्साहन, मजबूत कानून और व्यवस्था, तथा अनुशासित कार्यबल हमारी मुख्य यूएसपी हैं। शर्मा ने लिखा। मंगलवार को, हिमंत विश्व शर्मा ने भारत- सिंगापुर व्यापक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने में असम की महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा करने के लिए सिंगापुर के राष्ट्रपति, महामहिम थर्मन शानमुगरत्नम से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने भारत की एक्ट ईस्ट नीति को आगे बढ़ाने के लिए असम और सिंगापुर के बीच संबंधों को गहरा करने के लिए आपसी सहयोग के क्षेत्रों का पता लगाने के लिए सिंगापुर के विदेश मंत्री, महामहिम विवियन बालाकृष्णन से भी मुलाकात की।

भारत-आसियान संबंधों ...

जाने का उल्लेख किया। बाद में, दक्षिण-पूर्व एशियाई देश में निवेशकों के रोड-शो में भाग लेते हुए, मुख्यमंत्री ने विभिन्न व्यवसाय क्षेत्रों के 200 से अधिक व्यापारिक नेताओं को संबोधित किया और उन्हें राज्य में विविध अवसरों का पता लगाने के लिए एडवांटेज असम 2.0 शिखर सम्मेलन में आमंत्रित किया। शर्मा ने *नए असम* के बारे में अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत किया, जिसमें स्थानगत लाभ, एकल खिड़की मंजूरी, विशेष प्रोत्साहन, सुदृढ़ कानून-व्यवस्था और अनुशासित एवं मेहनती कार्यबल शामिल है, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि यह राज्य की अद्वितीय विक्रय पेशकश है। उन्होंने भारत और सिंगापुर के बीच मजबूत संबंधों पर प्रकाश डाला, जिसमें 2023-24 में 35.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर के बढ़े हुए द्विपक्षीय व्यापार से बल मिला, जिससे सिंगापुर भारत का छठा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन गया और बताया कि कैसे असम इस रिश्ते को और आगे ले जाने में महत्वपूर्ण है। शर्मा ने एईएम सिंगापुर का दौरा किया और वहां विश्व स्तरीय परीक्षण सुविधाओं का अवलोकन किया। जगीरोड में टाटा की सेमीकंडक्टर सुविधा का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि असम आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट (ओएसएटी) में एक प्रमुख खिलाड़ी बनने की कगार पर है, जो सेमीकंडक्टर विनिर्माण के अंतिम चरण से संबंधित एक महत्वपूर्ण सेवा है। उन्होंने सिंगापुर सेमीकंडक्टर इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के नेताओं और सेमीकॉन इकोसिस्टम के अन्य हितधारकों से भी मुलाकात की। उद्योग जगत का ध्यान आकर्षित करते हुए मुख्यमंत्री ने असम को वैश्विक सेमीकंडक्टर केंद्र में बदलने के सरकार के दृष्टिकोण को साझा किया।

गौरव गोगोई की ...

इतने लंबे समय तक विदेशी नागरिकता बनाए रखने की अनुमति क्यों दी गई, जबकि अधिकारियों के लिए एक अलग नियम है। उन्होंने कहा कि उन्हें पता चला है कि आईएफएस अधिकारियों को विदेशी नागरिक से शादी करने से पहले पूर्व अनुमति लेनी चाहिए और विदेशी जीवनसाथी को छह महीने के भीतर भारतीय नागरिकता हासिल करनी चाहिए। उन्होंने ट्वीट किया कि सिंगापुर में एक आईएफएस अधिकारी के साथ बातचीत के दौरान, मुझे पता चला कि भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी भारत सरकार की पूर्व अनुमति के बिना किसी विदेशी नागरिक से शादी नहीं कर सकते। इसके अलावा, जब अनुमति दी भी जाती है, तो यह शर्त होती है कि पति या पत्नी को छह महीने के भीतर भारतीय नागरिकता हासिल करनी होगी। दिलचस्प बात यह है कि यह नियम हमारे सांसदों पर लागू नहीं होता है। हालांकि, एक सांसद के विदेशी जीवनसाथी को 12 साल तक विदेशी नागरिकता बनाए रखने की अनुमति देना बहुत लंबा समय है। राष्ट्र के प्रति वफादारी को हमेशा अन्य सभी विचारों से ऊपर रखना चाहिए। एलिजाबेथ वर्तमान में ऑक्सफोर्ड पॉलिसी मैनेजमेंट के लिए काम कर रही हैं, जो जलवायु पर काम करता है। वह दिल्ली में क्लाइमेट एंड डेवलपमेंट नॉलेज नेटवर्क (सीडीकेएन) में प्रोजेक्ट मैनेजर के तौर पर भी काम करती हैं। असम के सीएम सोशल मीडिया पर लगाए गए आरोपों का जिक्र कर रहे थे कि एलिजाबेथ अली तौकीर शेख के जरिए आईएसआई से जुड़ी हैं, जो सीडीकेएन के एशिया के क्षेत्रीय निदेशक हैं, जिन्होंने पाकिस्तान योजना आयोग में भी काम किया है। एलिजाबेथ ने पाकिस्तान में तौकीर शेख के साथ मिलकर काम किया। यह भी आरोप है कि वह उनके पीएचडी गाइड भी थे। उधर वहीं भाजपा प्रवक्ता किशोर उपाध्याय ने कहा है कि कांग्रेस के लोकसभा में उपनेता गौरव गोगोई की पत्नी एलिजाबेथ गोगोई के खिलाफ लगाए गए आरोप सामान्य आरोप नहीं हैं। इन आरोपों का उचित जवाब दिए जाने की आवश्यकता है, क्योंकि उन पर पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) और पाकिस्तान के योजना आयोग के प्रमुख सलाहकार तौकीर शेख के अधीन इस्लामाबाद में काम करने का आरोप है। बुधवार को एक बयान जारी कर भाजपा प्रवक्ता किशोर उपाध्याय ने उल्लेख किया कि लोकसभा में विपक्ष के उपनेता के रूप में गौरव गोगोई राष्ट्रीय नीतियों को आकार देने और जन आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करने में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक जिम्मेदारी रखते हैं। उनकी पत्नी और आईएसआई के बीच कथित संबंधों को देखते हुए, उनके व्यक्तिगत और राजनीतिक संबंधों की जांच करना आवश्यक है। यह स्थिति संसद में विपक्ष के उपनेता के रूप में अपने कर्तव्यों को प्रभावी ढंग से निभाने की उनकी क्षमता पर गंभीर संदेह पैदा करती है। ये गंभीर चिंताएं हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इसके अलावा, कुछ कांग्रेस नेताओं और पाकिस्तानी राजनीतिक हस्तियों के साथ-साथ आईएसआई के गुर्गों के बीच गोपनीय संबंधों के बारे में भी जानते हैं। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी कई कांग्रेस नेताओं, उनके परिवार के सदस्यों पर जॉर्ज सोरोस और उनके एनजीओ जैसे ओपन सोसाइटी फाउंडेशन से भारत के मामलों में हस्तक्षेप करने के लिए धन प्राप्त करने का आरोप लगाया गया। सैम पित्रोदा से लेकर पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की बेटी तक, ऐसे कई उदाहरण हैं, जहां कांग्रेस नेताओं और उनके परिवारों को कथित तौर पर देश विरोधी गतिविधियों के लिए जॉर्ज सोरोस से समर्थन मिला है। उपाध्याय ने कहा कि गौरव गोगोई की पत्नी के खिलाफ आरोप बेहद गंभीर हैं और पूरी तरह से कानूनी जांच और आवश्यक कार्रवाई की आवश्यकता है। असम भाजपा संसद में विपक्ष के उपनेता से इस मामले पर स्पष्ट और विस्तृत स्पष्टीकरण देने की मांग करती है।

तनाव : नगा अधिकारियों ...

द्वारा संचालित कई तेल क्षेत्रों का भी दौरा किया, जिनमें खुराघाट और हल्दीबाड़ी भी शामिल हैं। नगा प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद अब साइट पर काम करने वाले श्रमिकों और अधिकारियों को सुरक्षा संबंधी बढ़ी हुई चिंताओं का सामना करना पड़ रहा है। अखिल असम छात्र संघ (आसू) ने इस धमकी की निंदा की है तथा इसे एक *आक्रामक कृत्य* बताया है जो असम की संप्रभुता को कमजोर करता है। छात्र संगठन के प्रवक्ता ने कहा कि जिस तरह से नगा अधिकारियों ने असम की भूमि में प्रवेश किया और क्षेत्र के लोगों को धमकाया, वह पूरी तरह से अस्वीकार्य है। दो पड़ोसी राज्यों के बीच ऐसी घटनाएं बहुत लंबे समय से होती आ रही हैं। हम इस कार्रवाई की कड़ी निंदा करते हैं। आसू ने मांग की है कि असम सरकार ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए तत्काल और निर्णायक कार्रवाई करे। आसू प्रतिनिधि ने चेतावनी देते हुए कहा कि हम दूसरे राज्य के अधिकारियों को अपनी जमीन पर आने और हमें धमकाने की अनुमति कैसे दे सकते हैं? असम सरकार को हमारे हितों की रक्षा के लिए कड़े कदम उठाने चाहिए। अगर ऐसा नहीं हुआ तो हमें विरोध में सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। हाल के महीनों में, नगा बदमाशों द्वारा ओएनजीसी के परिचालनों को निशाना बनाकर जबरन वसूली की खबरों से जिले में तनाव बढ़ गया है। उल्लेखनीय है कि 25 जनवरी को ओएनजीसी को राज्य की सीमा पार से बदमाशों की धमकियों के कारण अपने ड्रिलिंग कार्यों को सरूपथार से उरियमघाट स्थानांतरित करने के लिए बाध्य होना पड़ा था। हालांकि, ओएनजीसी के इस कदम से स्थानीय लोगों में निराशा फैल गई है। चूंकि इस मामले पर तनाव बढ़ता जा रहा है, इसलिए यह देखना बाकी है कि असम और नगालैंड सरकारें इस विवादास्पद मुद्दे को कैसे सुलझाएंगी और सीमा पर शांति कैसे सुनिश्चित करेंगी।

पोल डेटा सिस्टम ...

सहित लाखों अधिकारी डेटा फीड करते हैं। उन्होंने कहा कि एक डिजाइन के रूप में कुछ भी गलत नहीं हो सकता है, क्योंकि सिस्टम लाल झंडे दिखाता है। कुमार ने कहा कि इससे चुनाव आयोग को *अत्यधिक विश्वास* होता है कि कुछ भी गलत नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि अगर कोई गलती करता है, तो सिस्टम उसे स्वीकार नहीं करेगा।

यूसीसी में कोई ...

ज्यादा सामने आ रही है। लेकिन उत्तराखंड सरकार के द्वारा लोगों की आशंका को दूर करने के लिए यह स्पष्ट किया गया है कि यूसीसी के अंतर्गत सरकारी कार्यालयों में किये गए रजिस्ट्रेशन की पूरी जानकारी गोपनीय रहेगी। इस तरह किए गए किसी भी रजिस्ट्रेशन की जानकारी केवल संबंधित पक्षों को ही दी जा सकेगी। यूसीसी की किसी भी सेवा के लिए दी जाने वाली निजी जानकारी (नाम, पता, मोबाइल, आधार नंबर, धर्म, जाति आदि) का विवरण किसी भी स्तर पर सार्वजनिक नहीं होगा। यहां तक कि किसी मामले की जानकारी किसी थाने में पुलिस के अधिकारियों तक को नहीं होगी। जानकारी के अनुसार, इन विभागों में किए जा रहे रजिस्ट्रेशन की कुल संख्या ही सार्वजनिक की जा सकती है, इससे अधिक जानकारी इन विभागों के द्वारा भी सार्वजनिक नहीं की जा सकेगी। विशेष परिस्थिति में किसी न्यायिक कार्य के लिए किसी की विशेष जानकारी चाहिए तो यह जानकारी लेने के पूर्व जिले के स्तर पर सर्वोच्च पुलिस अधिकारी की लिखित अनुमति के बाद ही ऐसा किया जा सकेगा। सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि इस तरह की कोई जानकारी सार्वजनिक न होने पाए। यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी की गलती या गलत मंशा से किसी व्यक्ति की निजी जानकारी सार्वजनिक होती है तो ऐसे कर्मचारियों-अधिकारियों के विरुद्ध विभागात्मक और कानूनी कार्रवाई किए जाने का प्रावधान है यानी सरकार ने हर स्तर पर यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि किसी व्यक्ति की जानकारी किसी अन्य व्यक्ति के पास न पहुंचे।

अब हेल्थ इंश्योरेंस और ...

किया कि केंद्र सरकार अकेले जीएसटी दरों को तय नहीं करती, बल्कि यह निर्णय जीएसटी काउंसिल द्वारा लिया जाता है, जिसमें सभी राज्य शामिल होते हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में परिषद कर ढांचे को सरल बनाने पर काम कर रही है, जिससे उपभोक्ताओं को राहत मिल सकती है। वित्त मंत्री ने यह भी बताया कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की अनिश्चितताओं के कारण भारत के बजट निर्माण की प्रक्रिया जटिल हो गई है। मध्य पूर्व में जारी संघर्ष, रूस-यूक्रेन युद्ध और वैश्विक महंगाई जैसे कारकों का असर अर्थव्यवस्था पर पड़ा है। वित्त मंत्री ने लोकसभा में बजट 2025-26 पर चर्चा के दौरान कहा कि सरकार का ध्यान गरीबों, युवाओं, किसानों और महिलाओं पर केंद्रित है। सरकार कृषि, एमएसएमई, निर्यात और ग्रामीण विकास को आर्थिक वृद्धि का इंजन बनाने के लिए नई योजनाएं और सुधार लागू कर रही है। साथ ही, महंगाई को नियंत्रित करने और निवेश को बढ़ावा देने के प्रयास किए जा रहे हैं। आने वाले दिनों में जीएसटी परिषद की बैठक में संभावित टैक्स कटौती को लेकर बड़ा फैसला लिया जा सकता है, जिससे आम जनता को राहत मिलने की उम्मीद है।

मणिपुर में कोई ...

है कि नेतृत्व संकट का मसला विधायकों की मदद से केंद्र द्वारा सुलझाया जाएगा। मुझे लगता है कि मणिपुर में कोई संवैधानिक संकट नहीं है। वह भाजपा के पूर्वोत्तर प्रभारी संबित पात्रा से मिलने के लिए इंफाल के एक होटल में आए थे। इससे पहले संबित पात्रा के नेतृत्व में भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को राजभवन में राज्यपाल अजय कुमार भल्ला से मुलाकात की थी। 9 फरवरी को हिंसा से प्रभावित राज्य के मुख्यमंत्री पद से एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद नेतृत्व संकट पैदा हो गया है। राज्य विधानसभा के दो लगातार सत्रों के बीच अधिकतम छह महीने के अंतराल की समाप्ति पर एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि देखते हैं क्या होता है। यह पूछे जाने पर कि क्या बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद अब नए मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा जल्द ही की जाएगी? श्याम ने हंसते हुए कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। इस बीच विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि अभी तक किसी ने भी सरकार बनाने का दावा नहीं किया है, जिससे भाजपा शासित मणिपुर संवैधानिक संकट की ओर बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि अगर स्थिति ऐसी ही रही तो राज्य में राष्ट्रपति शासन लग सकता है।

पीएम मोदी को...

प्रभावित करने का प्रयास किया है। इस संस्था ने फंडिंग के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के खिलाफ चुनावी नैरेटिव तैयार किया है। उन्होंने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट करते हुए यह जानकारी दी है। बेंज का दावा है कि अमेरिकी विदेश विभाग ने फेसबुक, वॉट्सऐप, यूट्यूब और ट्विटर जैसी बड़ी टेक कंपनियों पर प्रभाव डालते हुए मोदी समर्थक कंटेंट पर रोक लगाने की कोशिश की। बता दें कि साल 2019 के जनवरी महीने में वॉट्सऐप ने मैसेज फॉरवर्डिंग की सीमा कर दी थी। इतना ही नहीं, बेंज का आरोप है कि यूएसएड से जुड़े संगठनों सहित कई अन्य संगठनों ने प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय मीडिया और डिजिटल फोरेंसिक ग्रुप के साथ मिलकर ऐसी रिपोर्ट तैयार की, जिसमें भारत को गलत सूचना के गंभीर संकट जूझते हुए दिखाया गया। बेंज के इन दावों से पहले 10 फरवरी को भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने अमेरिकी संस्था यूएसएड द्वारा भारत को विभाजित करने के लिए विभिन्न संस्थाओं को फंडिंग करने का दावा किया है। सोमवार को लोकसभा में उन्होंने मांग की है कि इस मामले की जांच की जाए और दोषियों को सजा दी जाए। उम्मीद जताई जा रही है कि बेंज के इन दावों से निशिकांत दुबे के आरोपों को अब और गंभीरता से ली जाएगी। यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फार इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएड) कार्यक्रम के तहत करीब 120 देशों में विभिन्न योजनाएं चल रही हैं। 2023 में इस एजेंसी के कार्यक्रम के तहत विभिन्न देशों और संस्थाओं को 72 अरब डॉलर की मदद दी गई थी। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएड) को बंद करने का आदेश दिया था। ट्रंप प्रशासन ने एजेंसी पर अमेरिकी करदाताओं के पैसे का गलत इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। कुछ दिनों पहले ट्रंप ने अरबपति एलन मस्क ने हजारों यूएसएआईडी कर्मचारियों को नौकरी से निकालने का भी आदेश दिया था। ट्रंप प्रशासन ने आदेश दिया कि दुनियाभर में इसके कार्यक्रम बंद कर दिए जाएं। एलन मस्क ने एजेंसी को आपराधिक संगठन बताया है। आरोप है कि यह संस्था आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के मुखौटा संगठन फलाह-ए-इंसानियत फाउंडेशन (एफआईएफ) को वित्तीय मदद करता है।

पूर्वी कांगो में ...

संयुक्त राष्ट्र ने इस प्रकार की हिंसा को *युद्ध अपराध* और *मानवता के खिलाफ अपराध* करार दिया है। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों और कांगो की सरकारी सेना ने स्थिति को नियंत्रण में लाने का प्रयास किया, लेकिन हमलावरों की संख्या अधिक होने के कारण वे प्रभावी रूप से रोक नहीं पाए। हमले के प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हमलावरों ने कुल्हाड़ी और बंदूकों से लोगों पर हमला किया। यह क्षेत्र पहले भी हिंसा की चपेट में रहा है, और हाल के महीनों में इस तरह के हमलों में वृद्धि देखी गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि कांगो में सक्रिय 120 से अधिक सशस्त्र समूहों के बीच संघर्ष का मुख्य कारण भूमि और कीमती खनिजों पर नियंत्रण की होड़ है। इस हमले ने एक बार फिर कांगो के पूर्वी हिस्से में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति को उजागर कर दिया है।

महाकुंभ : माघ पूर्णिमा ...

का हाथ थामे लोग संगम तट की ओर लंबे डग भरते रहे। फाफामऊ से अरैल के बीच संगम के लंबे दोनों तटों पर बने स्नान घाटों पर दो बजे रात से ही डुबकी लगनी शुरू हो गई। संगम तट की रेती पर बिछे पुआलों पर दूर-दराज से आए लाखों की तादाद में श्रद्धालु पहले से स्नान की प्रतीक्षा करते-करते सो गए थे। पौष पूर्णिमा के स्नान पर्व के साथ त्रिवेणी की रेत पर शुरू हुआ कल्पवास का माघ पूर्णिमा स्नान पर्व के साथ समापन हो गया। ब्रह्म मुहूर्त में त्रिवेणी में माघ पूर्णिमा की डुबकी लगाकर कल्पवासी अपने शिविर पहुंचे। कल्पवासियों ने तीर्थ पुरोहितों के सानिध्य में विधि विधान से दान और हवन का अनुष्ठान पूरा किया। तीर्थ पुरोहित अमित आलोक पाण्डेय बताते हैं कि वैसे तो शास्त्र में 84 तरह के दान का उल्लेख है, लेकिन जिसकी जो श्रद्धा होती है उसका दान तीर्थ पुरोहित स्वीकार कर लेते हैं।

संरा ने जताई 1,400 ...

कि एक जुलाई से 15 अगस्त के बीच हुए प्रदर्शनों में 1,400 से अधिक लोगों के मारे जाने और हजारों लोगों के घायल होने की आशंका है। बांग्लादेश में छात्रों के नेतृत्व में हुए बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के बीच प्रधानमंत्री शेख हसीना देश छोड़कर भारत आ गईं थी और पिछले साल पांच अगस्त से वह यहां हैं। इन व्यापक प्रदर्शन के बाद उनकी अवामी लीग की 16 साल पुरानी सरकार गिर गयी थी। इसके बाद मोहम्मद यूनुस ने आठ अगस्त, 2024 को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का कार्यभार संभाला था। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर तुर्क ने संकेत दिया कि विरोध- प्रदर्शनों को दबाने के लिए राजनीतिक नेतृत्व और शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों की जानकारी और समन्वय से न्यायिक हत्याएं, व्यापक रूप से मनमाने ढंग से गिरफ्तारियां की गईं।

बंगाल बजट : सरकारी ...

करोड़ रुपए का प्रावधान।-घाटाल मास्टर प्लान: इस योजना के लिए 500 करोड़ रुपए का आवंटन कुल बजट 1,500 करोड़ रुपए।-गंगा सागर परियोजना: पुल निर्माण के लिए 500 करोड़ रुपए की राशि निर्धारित।-नदी बंधन परियोजना: नदी क्षेत्रों में बाढ़ से बचाव के लिए 200 करोड़ रुपए का प्रावधान।-शिक्षा क्षेत्र: उच्च शिक्षा के लिए 6,593.58 करोड़ रुपए और स्कूल शिक्षा के लिए 41,153.79 करोड़ रुपए का आवंटन।-आशा कार्यकर्ताओं के लिए स्मार्टफोन: 70,000 आशा कर्मियों को स्मार्टफोन देने की घोषणा।-महिला एवं बाल कल्याण: इस क्षेत्र में बजट आवंटन बढ़ाया गया। विधानसभा में हंगामा, भाजपा का वॉकआउटबजट पेश होने के दौरान विधानसभा में भाजपा विधायकों ने जमकर हंगामा किया। उन्होंने राज्य और केंद्र के डीए में अंतर को लेकर नारेबाजी की और सरकारी नौकरियों की मांग उठाई।

अनुशासनहीनता में भाजपा नेता आकाश फुकन पार्टी से निलंबित

गुवाहाटी (हिंस)। प्रदेश भाजपा ने बोकाखात के विवादास्पद नेता आकाश फुकन को अनुशासनहीनता के आरोप में पार्टी के सभी पदों से निलंबित कर दिया है। आकाश फुकन प्रदेश भाजपा कमेटी के सदस्य थे। दरअसल, बोकाखात के विवादास्पद भाजपा युवा नेता आकाश फुकन कई बार पार्टी अनुशासन का उल्लंघन कर रहे थे। पार्टी की ओर से बुधवार को को बताया गया कि पार्टी विरोधी गतिविधियों को देखते हुए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं सांसद दिलीप सैकिया के निर्देश पर आकाश फुकनको सभी पदों से निलंबित कर दिया गया। पार्टी के आरोपों के अनुसार आकाश फुकन अपनी पार्टी के मंत्रियों और सांसदों की कोई परवाह नहीं करते थे। इतना ही नहीं पार्टी के सामान्य कार्यकर्ताओं को भी वे कुछ नहीं समझते थे। आरोप यह भी है कि आकाश फुकन कुछ शीर्ष नेताओं की नजदीकी का फायदा उठाकर अपने आपको सर्वे-सर्वा मान मान रहे थे। आकाश फुकन पर बार-बार पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं को अपमानित करने का भी आरोप है। उल्लेखनीय है कि आकाश फुकन ने पिछले दिनों काजीरंगा लोकसभा क्षेत्र के सांसद कामख्या प्रसाद तासा और शिक्षा मंत्री डॉ. रोनोज पेगु के खिलाफ अश्लील टिप्पणियां की थी। आकाश फुकन ने एक अनुबंध को लेकर शिक्षा मंत्री डॉ. रोनोज पेगु के लिए अश्लील गालियां दी थीं।

सिलचर में चोरी और डकैती पर विशेष अभियान, 21 अपराधी गिरफ्तार

सिलचर (हिंस)। शहर और आसपास के इलाकों में बढ़ती चोरी और डकैती की घटनाओं को रोकने के लिए बुधवार तड़के एक विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत रंगीरखारी, रंगपुर, मालुग्राम, घुंगूर और राष्ट्रीय राजमार्ग सहित कई इलाकों में छापेमारी कर 21 आदतन अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (अपराध) की कड़ी निगरानी और पुलिस अधीक्षक कछार, नुमल महत्ता के मार्गदर्शन में तीन विशेष टीमों का गठन किया गया। इन टीमों का नेतृत्व डीएसपी (मुख्यालय), डीएसपी (एसएंडआई) और डीएसपी (बी) ने किया। टीमों में तीन निरीक्षक, टीएसआई और अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। अभियान से पहले पूरी रणनीति तय की गई और सफलतापूर्वक छापेमारी कर 21 अपराधियों को विभिन्न स्थानों से गिरफ्तार किया गया। पहली टीम सिलचर थाना और टाउन ब्रांच की टीम ने जिन अपराधियों को गिरफ्तार किया, उनमें विपोन उद्दीन मजूमदार उर्फ लाल (बरेंगा, थाना-सिलचर), रफीक उद्दीन लस्कर (मधुरबंद, सिलचर), अजीम उद्दीन लस्कर उर्फ काला

(बेथुकांडी, सिलचर), राणा मियां उर्फ कालोन (मधुरबंद, सिलचर), बिनोद दास (कालीबाड़ी चर गाटा कॉलोनी, सिलचर), रिपोद दास (कालीबाड़ी चर गाटा कॉलोनी, सिलचर), दुलाल उद्दीन खान (मधुरबंद, सिलचर), विशाल साहा (बिलपर पद्मा नगर, सिलचर), रोनी रॉय (शरतपाली, सिलचर) तथा कृष्णा मौंडी दास (कुमारघाट, त्रिपुरा) के नाम शामिल हैं। इनके पास से चोरी का सामान बरामद हुआ, जिसमें एक ई-रिक्शा (एएस- 11ईआर-1258), एक एलईडी टीवी, सात एंड्रॉइड मोबाइल, तीन कीपैड मोबाइल, दो टूटे हुए सीलिंग फैन, चार तांबे के पाइप, एक किलोग्राम पीतल की तार, तीन पानी के नल और सात सोने के रंग की चूड़ियां शामिल हैं। दूसरी घुंगूर ओपी, रंगीरखारी ओपी और एनएच पीपी की टीम ने जिन अपराधियों को गिरफ्तार किया, उनमें बप्पन लस्कर (अंबिकापुर, सिलचर), विष्णु नूनिया (फकीरटिल्ला, सिलचर), विजय दास (मेहरपुर, सिलचर) तथा तपस दास (शिशुमंदिर रोड, सिलचर) के नाम शामिल हैं। इनके पास से चोरी के लोहे की चादरें और वजन करने की मशीन बरामद हुई। टीम श्रीकोना ओपी, तारापुर ओपी, मालुग्राम, सालछपरा ओपी और अरुणाचल की टीम ने जिन अपराधियों को गिरफ्तार किया, उनमें अमीन उद्दीन बरलस्कर (हटीरहार, सिलचर), इशाद अली (श्रीकोना, सिलचर), साले अहमद बरभुईया (सालछपरा ग्रांट, सिलचर), इस्लाम उद्दीन बरभुईया (रामनगर, सिलचर), मनु लस्कर (रामकृष्ण पाली, मालुग्राम) तथा जाकिर हुसैन लस्कर उर्फ लेखा (काशीपुर, सिलचर) के नाम नाम शामिल हैं। पुलिस ने उनके पास से चोरी का सामान जब्त किया, जिसे बीएनएसएस के तहत कानूनी प्रक्रिया में शामिल किया गया। सभी आरोपितों से गहन पूछताछ जारी है और उन्हें जल्द ही अदालत में पेश किया जाएगा। मामले की विस्तृत जांच जारी है।

सरकारी अस्पतालों में 400 नए डॉक्टरों की होगी भर्ती : अशोक सिंघल

गुवाहाटी (हिंस)। स्वास्थ्य मंत्री अशोक सिंघल ने आज जनता भवन में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की व्यापक समीक्षा की और राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए कई अहम घोषणाएं कीं। मंत्री ने बताया कि 10 फरवरी को राष्ट्रीय कृमिनाशक दिवस सफलतापूर्वक आयोजित किया गया, जिसके तहत 17 फरवरी तक 87,74,548 बच्चों को एल्बेंडाजोल टैबलेट देने का लक्ष्य रखा गया है। अब तक 32,32,988 बच्चों को दवा दी जा चुकी है। यह अभियान 41,192 स्कूलों और 61,738 आंगनबाड़ी केंद्रों में चलाया जा रहा है। राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम और 100-दिवसीय टीबी उन्मूलन अभियान की प्रगति साझा करते हुए मंत्री ने बताया कि पिछले महीने 43 लाख लोगों की टीबी जांच की गई, जिसमें 4,000 नए मरीजों की पहचान हुई। जनवरी में शुरू किए गए यू-वीन पोर्टल के माध्यम से अब तक 21,210 बच्चों का टीकाकरण किया गया, जो 42 प्रतिशत की सफलता दर दर्शाता है। इसके अलावा, मैन्युअल पंजीकरण के माध्यम से भी टीकाकरण जारी है। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि व्हाट्सएप शिकायत नंबर के जरिए कई शिकायतें मिली हैं, जिनमें सरकारी अस्पतालों में दवाओं की अनुपलब्धता, डॉक्टरों द्वारा जेनेरिक दवाएं न लिखना और आवश्यक दवाओं की सूची से महत्वपूर्ण दवाओं का बाहर होना शामिल हैं। सरकार ने इन समस्याओं को दूर करने के लिए अगले 10 दिनों के भीतर सभी आवश्यक दवाएं सरकारी अस्पतालों में उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। इसके अलावा, आवश्यक दवाओं की सूची में कई महत्वपूर्ण दवाएं जोड़ी जाएंगी।

राज्यपाल ने किया डिमा हसाव जिले का दौरा, ग्रामीणों से मिले

गुवाहाटी। डिमा हसाव जिले की अपनी पहली यात्रा के तहत असम के राज्यपाल श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य आज संपरिदिसा गांव गए और स्थानीय ग्रामीणों के साथ समय बिताया। अपने दौरे के दौरान राज्यपाल ने ग्रामीणों से बातचीत की और उनसे ग्रामीणों के कल्याण के लिए गांव में क्रियान्वित की जा रही विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के कार्यान्वयन पर गौर किया तथा ग्रामीणों के जीवन का मूल्यवान बनाने के लिए उनके जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव को समझने का प्रयास किया। उन्होंने ग्रामीण आजीविका से संबंधित मुद्दों पर स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों और अन्य ग्रामीणों के साथ भी चर्चा की। ग्रामीणों से बातचीत करते हुए राज्यपाल ने इस बात पर जोर दिया कि विशेष रूप से सम्परिदिसा गांव और सामान्य रूप से दीमा हासो की प्रगति और विकास, केंद्र, राज्य और परिषद की सरकारों की मेहनत का परिणाम है। उन्होंने जिले के बड़े पैमाने पर हुए विकास का श्रेय पूर्वज समाज नेताओं की कर्तव्यनिष्ठा और बलिदान को दिया। उन्होंने ग्रामीणों से अनुरोध किया कि वे मिलकर काम करते हुए इस विरासत को कायम रखें ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि विकास यात्रा में कोई भी पीछे न छूटे।

उन्होंने जिले की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, भाषा और परंपराओं को संरक्षित रखने के महत्व पर भी बल दिया। श्री आचार्य ने यह भी कहा कि पेयजल उपलब्धता, शैक्षिक बुनियादी ढांचे और स्वास्थ्य सेवाओं जैसे प्रमुख क्षेत्रों में निरंतर प्रयास लोगों को सम्मानपूर्वक जीवन जीने में सक्षम बनाने की कुंजी हैं। इसलिए, उन्होंने ग्रामीणों से जल जीवन मिशन (जेजेएम), ओरुनोदोई, पीएम-किसान आदि कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने को कहा। राज्यपाल ने ग्रामीणों द्वारा पूर्ण स्वच्छता बनाए रखने की भी सराहना की तथा कहा कि अपने गांव को स्वच्छ रखने की उनकी आदत तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता निश्चित रूप से जिले तथा अन्य स्थानों पर अन्य लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। राज्यपाल ने उनसे अपने आस-पास के वातावरण को हरा-भरा और टिकाऊ बनाए रखने के लिए प्रयास जारी रखने का आह्वान किया। उन्होंने जेजेएम के तहत क्रियान्वित हाफलोंग डिवीजन के अंतर्गत संपरिदिसा पाइप जलापूर्ति योजना की प्रगति का भी जायजा लिया और परियोजना के संधारण के लिए रखरखाव के महत्व पर बल दिया। राज्यपाल ने सम्परिदिसा एलपी स्कूल का भी दौरा किया तथा विद्यार्थियों और शिक्षकों से बातचीत की। उन्होंने स्कूल के प्रधानाध्यापक से बच्चों के लिए मध्याह्न भोजन तैयार करने में उच्चतम गुणवत्ता मानकों को सुनिश्चित करने को कहा। राज्यपाल श्री आचार्य ने प्रधानमंत्री आवास योजना के एक लाभार्थी के घर भी जाकर उनसे मुलाकात की तथा परिवार के साथ बातचीत कर उनके अनुभव तथा आवास योजना से लाभार्थियों के जीवन में आए सकारात्मक बदलावों के बारे में जानकारी ली। हाफलोंग शहर में आगमन पर राज्यपाल ने स्वतंत्रता सेनानी शहीद संभुधन फोंगलो की 143वीं पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। नंदिता गरलोसा और देबोलाल गरलोसा भी गांव के दौरे पर राज्यपाल के साथ थे। बाद में, राज्यपाल ने डीसी, एसपी और अन्य सुरक्षा अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की, जिसमें सरकार की कई कल्याणकारी पहलों के कार्यान्वयन सहित विकास की गति का जायजा लिया गया।

विवाद में घिरे मुख्यमंत्री की सुरक्षा से हटाए गए डीएसपी कुश चंद्र देउरी

गुवाहाटी (हिंस)। एक युवती के गंभीर आरोप से घिर पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) कुश चंद्र देउरी को मुख्यमंत्री की सुरक्षा से हटा दिया गया है। सरकार ने उन्हें 26 नंबर एपी बीएन में स्थानांतरित किया है। दरअसल, महानगर में तैनात पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) कुश चंद्र देउरी पर एक युवती ने शादी का झांसा देकर उससे शारीरिक संबंध बनाने का आरोप लगाया था। युवती का कहना है कि कैंसर से पत्नी की मौत के बाद पुलिस अधिकारी ने उससे शादी करने का वादा किया था। युवती का कहना है कि शादी के लिए कहने पर डीएसपी ने उसे धमकाया भी था। उल्लेखनीय है कि युवती की शिकायत पर 2 फरवरी को दिसपुर थाने में डीएसपी देउरी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज हुई थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

असम के राज्यपाल ने वीर चिलाराय को पुष्पांजलि अर्पित की

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने वीर चिलाराय दिवस के अवसर पर इस महान कोच सेनापति की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और उनके योगदान को स्मरण किया। यह कार्यक्रम बुधवार को राजभवन में आयोजित किया गया। राज्यपाल आचार्य ने गहरी श्रद्धा व्यक्त करते हुए कहा कि मैं इस महान देशभक्त को नमन करता हूं। वीर चिलाराय एक अद्वितीय व्यक्तित्व थे, जिनकी अटूट वीरता ने उनको मातृभूमि को गौरवान्वित किया और हमारे इतिहास में उन्हें अमर बना दिया। उन्होंने कहा कि हम एक महान योद्धा की विरासत को नमन करने के लिए एकत्र हुए हैं, जो साहस और रणनीतिक कुशलता का प्रतीक हैं। वीर चिलाराय का नाम असम के इतिहास में गूंजता है और उन्होंने हमारी भूमि को आक्रमणकारियों से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राज्यपाल ने युवाओं से वीर चिलाराय की देशभक्ति और वीरता से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने जयंती पर चिलाराय को दी श्रद्धांजलि

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने असम के नायकों में से एक वीर चिलाराय की जयंती पर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि दी है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर कहा कि असम के इतिहास के अमर पात्रों में से एक चिलाराया का साहस, वीरता और विशेषज्ञता ने हमारे पूर्वजों को सदियों से प्रेरित किया है। इतिहास के पन्नों में दर्ज है कि कोच वंश के शुक्लध्वज का नाम चिलाराया है। उन्होंने कहा है कि इससे यह समझा जाता है कि हमारे असम की संतान का अदम्य साहस, जो अपार वीरता और बहादुरी से धन्य हैं। आज, चिलाराया जयंती पर मैं महान कोच सेनापति को समृद्ध श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। जब तक सूरज, नदी और पहाड़ है, असमिया विश्व-वीर चिलाराया को श्रद्धा के साथ याद करेगा।

परीक्षा के दौरान माइक व लाउडस्पीकर पर रोक

होजाई (निसं)। दसवीं व बारहवीं की परीक्षा को ध्यान में रखते हुए हम होजाई जिलावासियों से अनुरोध करते हैं कि वे परीक्षा के मद्देनजर जिले में शांति, श्रृंखला बनाए रखते हुए किसी भी तरह का माइक, लाउडस्पीकर, म्यूजिक सिस्टम, डेक का प्रयोग ना करें जिससे विद्यार्थियों को परीक्षा के दौरान कोई असुविधा ना हो। उक्त बातें होजाई जिला पुलिस अधीक्षक सौरभ गुप्ता ने कही। उन्होंने कहा कि होजाई जिला प्रशासन द्वारा गत 21 जनवरी को ही भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत निषेधात्मक आदेश जारी किया था। आदेश के अनुसार 10वीं व 12वीं परीक्षा को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन ने माइक, लाउडस्पीकर, म्यूजिक सिस्टम, डेक स्थाई रूप में या गाड़ियों में बजाने पर पूर्ण रूप से पाबंदी लगाई है। उन्होंने जिला वासियों से अनुरोध किया कि वे कानून को ध्यान में रखते हुए ही काम करें। वहीं जिला पुलिस अधीक्षक ने विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों और शिक्षकों से अनुरोध किया है कि अगर विद्यार्थियों को किसी भी तरह के लाउडस्पीकर, म्यूजिक सिस्टम से उत्पन्न ध्वनि के कारण पढ़ाई करने में सुविधा हो रही है तो वह नजदीकी पुलिस थाने या पुलिस कंट्रोल रूम नंबर 6000924750 पर शिकायत कर सकते हैं। इसके बाद पुलिस तत्काल कार्रवाई करेगी। वहीं, उन्होंने कहा कि अगर कोई भी व्यक्ति विधि का उल्लंघन करते हुए पाया गया तो उस पर कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी।

मुख्य सचिव डॉ. रवि कोटा ने कोकराझाड़ में एएलए सत्र की तैयारियों की समीक्षा की

विकसित भारत समाचार

कोकराझाड़। असम के मुख्य सचिव डॉ. रवि कोटा ने आज असम विधानसभा (एएलए) के आगामी बजट सत्र की तैयारियों की व्यापक समीक्षा की, जो 17 फरवरी को बीटीसीएलए, कोकराझाड़ में आयोजित किया जाना है। समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए डॉ. कोटा ने इस ऐतिहासिक सत्र के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सावधानीपूर्वक योजना और दोषरहित क्रियान्वयन की आवश्यकता पर बल दिया। मुख्य सचिव ने बीटीसी के प्रमुख सचिव आकाश दीप को संबंधित विभागों के साथ समन्वय करके सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने के लिए युद्ध स्तर पर काम करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को विशेष रूप से बैठने की उचित व्यवस्था, खानपान सेवाएं, निर्बाध बिजली और पानी की आपूर्ति, पूरी तरह कार्यात्मक ध्वनि प्रणाली, चिकित्सा सुविधाएं, अग्नि सुरक्षा उपाय, यातायात प्रबंधन और पर्याप्त अधिकारियों और कर्मचारियों की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह असम के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है और हमें इसे सफल बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़नी चाहिए। सत्र में भाग लेने वाले विधायकों और गणमान्य व्यक्तियों को एक त्रुटिहीन अनुभव प्रदान करने के लिए प्रत्येक विभाग को तालमेल के साथ काम करना चाहिए। कोटा ने बैठक के दौरान यह बात कही। समीक्षा बैठक में बीटीसी के प्रधान सचिव आकाश दीप, कोकराझाड़ के उपायुक्त मसंदा एम पर्टिन, पुलिस अधीक्षक पुष्पराज सिंह, बोडोलैंड प्रादेशिक परिषद (बीटीसी) के सचिव और विभागाध्यक्ष शामिल हुए। बाद में मुख्य सचिव डॉ. कोटा ने संबंधित अधिकारियों के साथ बीटीसीएलए, कोकराझाड़ में सत्र हॉल, निर्दिष्ट कार्यालय कक्षों और सत्र के लिए आवश्यक सभी प्रमुख स्थानों का निरीक्षण किया।

तेमम ने वाद विवाद प्रतियोगिता आयोजित की

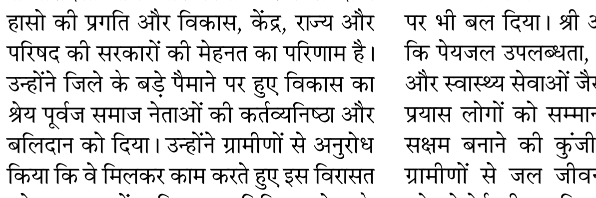

गुवाहाटी (विभास)। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित तेरापंथ महिला मंडल गुवाहाटी द्वारा राष्ट्र स्तरीय वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन स्थानीय स्तर पर अध्यक्ष अमराव देवी बोथरा की अध्यक्षता में किया गया। जिसका विषय आधुनिक जीवन शैली एवं पारिवारिक संस्कार सह अस्तित्व या संघर्ष था। अध्यक्ष अमराव देवी बोथरा ने अपने स्वागत वक्तव्य से सभी का स्वागत किया व इस कार्यशाला पर प्रकाश डाला। राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्या सुचित्रा छाजेड़ ने अपने भावों की अभिव्यक्ति दी। कार्यक्रम का कुशल संचालन संयोजिका मंजू मेहता ने किया। संयोजिका शशि सुराणा ने प्रतियोगिता के नियमों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि स्थानीय चरण के विजेता का नाम द्वितीय चरण में भेजा जाएगा। निर्णायक के रूप में पूर्व अध्यक्ष रंजू खटेड़ एवं नलिनी सेठिया ने अपनी अहम भूमिका निभाई। कार्यक्रम में 8 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें गुवाहाटी स्तर पर प्रथम स्थान डॉक्टर सारिका दुगड़, द्वितीय स्थान आस्था नाहटा व संगीता बैद, उषा सुराणा, पायल कोठारी, बबीता पटवा, पिंकी पटावरी व मीरा कोठारी ने प्राप्त किया।

पूसीरे ने नगालैंड के शोखुवि-मोलवोम सेक्शन में पहला मालगाड़ी का सफलतापूर्वक ट्रायल रन किया

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) ने 11 फरवरी को धनसिरी-जुब्जा नई लाइन परियोजना के शोखुवि-मोलवोम रेलवे सेक्शन में मल्टी यूनिट (एमयू) इंजनों के साथ एक मालगाड़ी का पहला ट्रायल रन सफलतापूर्वक किया। इससे नगालैंड में रेल संपर्क को बढ़ावा देने में एक उल्लेखनीय माइलस्टोन दर्ज हुआ है। यह ट्रेन लगभग 18:00 बजे मोलवोम पहुंची, जो इस 15.419 किमी के महत्वपूर्ण रेलवे सेक्शन के चालू होने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इसे अगले कुछ महीनों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज एक बयान में बताया है कि सफल ट्रायल रन मोलवोम क्षेत्र और उसके रेलवे स्टेशन के लिए काफी महत्व रखता है, जो डिमापुर और शोखुवि स्टेशनों के बाद नगालैंड का तीसरा प्रमुख रेलवे स्टेशन बनेगा। बेहतर रेल संपर्क क्षेत्रीय गतिशीलता को महत्वपूर्ण बढ़ावा प्रदान करेगी, जिससे नगालैंड के लोगों को देश के व्यापक रेलवे नेटवर्क तक निर्बाध पहुंच मिलेगी। एक बार पूरी तरह से चालू हो जाने पर, नया रेल लिंक यात्रियों और माल की बेहतर आवाजाही को सुविधा प्रदान करेगा, लॉजिस्टिक संबंधी अंतर को पाटेगा और आर्थिक विकास को अधिक बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा, इस विकास से मोलवोम क्षेत्र में स्थानीय व्यापारियों, उद्यमियों और व्यावसायिक इकाइयों को उनके माल और सामग्रियों के लिए एक विश्वसनीय और लागत प्रभावी परिवहन विकल्प प्रदान करने से अत्यधिक लाभ होने की उम्मीद है। रेलवे की माल ढुलाई सेवाओं के चालू होने से, स्थानीय उद्योग और लघु श्रेणी के निर्माता राष्ट्रीय बाजारों तक सीधे पहुंच सकेंगे, जिससे वे अपने तैयार उत्पादों को पूरे देश में कुशलता से व्यापार कर सकेंगे। बेहतर कनेक्टिविटी से नए व्यावसायिक अवसरों को भी बढ़ावा मिलेगा, निवेश आकर्षित होगा और नगालैंड के समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान मिलेगा। पूर्वोत्तर क्षेत्र और उसके आस-पास के क्षेत्रों में रेल कनेक्टिविटी का विस्तार और सुदृढ़ीकरण करने के लिए पूसीरे समर्पित है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि रेल परिवहन का लाभ क्षेत्र के हर कोने तक पहुंचे। शोखुवि-मोलवोम सेक्शन पर मालवाहक इंजन का सफल परीक्षण बुनियादी संरचना के आधुनिकीकरण की दिशा में पूसीरे के प्रयासों का प्रमाण है, जिससे अधिक भू-भागों से जुड़े और आर्थिक रूप से जीवंत नगालैंड का मार्ग प्रशस्त होगा।

गोहपुर में अमर शर्मा को मिला *नेताजी स्मृति पुरस्कार 2025*

विश्वनाथ (विभास)। गोहपुर के अमर शर्मा को वर्ष 2025 के लिए नेताजी स्मृति पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार पत्र उन्हें साहित्य और पत्रकारिता में उनकी योगदान के लिए मिला है। फिलहाल उन्हें यह सम्मानपत्र ईमेल के जरिए प्राप्त हुआ है और मूल पत्र संबंधित संस्थान डाक द्वारा भेजना का वचन दिया है। अमर शर्मा अपने क्षेत्र से वर्ष 2013 से ही पत्रकारिता से जुड़े हुए है। वे असमिया अंग्रेजी और हिन्दी भाषाओं में राष्ट्रीय और क्षेत्रीय समाचार पत्रों में खबर भेजते रहे है। वे अपने छात्र जीवन से ही लेख कहानी और कविता लिखते रहे है। लाचित गाथा, वीर चिलाराय, अभी तुम बेहोश हो उनके सर्वश्रेष्ठ कविता रही है। अपने इसी कविताओं में से *लाचित गाथा* को भारत सरकार द्वारा मनोनीत वेईल फाउंडेशन द्वारा प्रस्तावित इंडियन एनजीओ अवार्ड काउंसिल ने चयन कर अमर शर्मा को यह सम्मान पत्र प्रदान किया है। अमर शर्मा ने उन्हें इंडियन एनजीओ अवार्ड काउंसिल द्वारा दिए गए इस सम्मान के लिए काउंसिल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि काउंसिल का यह कदम सराहनीय और उत्साह वर्धक है। इस तरह के कदम से नए लेखक साहित्य प्रेमी समाज में अपने को स्थापित करने के लिए संघर्षरत लोगों को हिम्मत मिलेगा।

संपादकीय

यूएसएआईडी का दुरुपयोग

मानवता की आड़ में वामपंथी पारिस्थितिकी तंत्र, जिसमें डीप स्टेट ताकतें और यूएसएआईडी का हिस्सा शामिल है, स्वार्थी कारणों और दुनिया को अपने हिसाब से चलाने की इच्छा के लिए कई देशों की राजनीतिक प्रणालियों और संस्कृतियों को नष्ट कर रहा है।शाहीनबाग, किसान आंदोलन, बांग्लादेश हिंदू नरसंहार, कश्मीर नरसंहार, मुंबई आतंकवादी हमला, नक्सलवाद और आतंकवाद की गतिविधियाँ, शहरी नक्सलियों के भारत विरोधी आख्यान जैसे कई भारत विरोधी प्रदर्शन, सभी वामपंथी पारिस्थितिकी तंत्र द्वारा वित्तपोषण की ओर इशारा करते हैं, जिनमें से एक यूएसएआईडी है।डोनाल्ड ट्रम्प और एलोन मस्क ने मानवता के लिए जोखिम देखा और यूएसएआईडी को बंद कर दिया।विदेशी सहायता रोकने और इसके वितरण के प्रभारी प्रमुख एजेंसी को बंद करने के ट्रम्प प्रशासन के हालिया कदमों ने संघीय खर्च में विवाद के अपेक्षाकृत मामूली लेकिन लंबे समय से चले आ रहे स्रोत पर ध्यान केंद्रित किया है। इन कदमों ने दुनियाभर के मानवीय संगठनों और सरकारों के बीच असमंजस पैदा कर दी है कि कौन-से कार्यक्रम जारी रह सकते हैं और कौन-से नहीं। स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता और जल जैसी अनेक मानवीय सहायता जारी रखी जानी चाहिए और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प निःस्वदेह मानवता-विरोधी वामपंथी समूहों को हटाने के बाद ये सहायता शुरू करेंगे। भारत तथा अन्य विकासशील और अविकसित देशों में मानवता विरोधी कार्रवाइयों के लिए अमेरिका की विदेशी वित्तपोषण का किस प्रकार दोहन किया जा रहा है? कुछ उदाहरण- यूएसएआईडी, जिसपर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आलोचना हो रही है, उसे अमेरिका के सभी अंतरराष्ट्रीय व्यय का आधे से अधिक फंड प्राप्त होता है। खतरे के संकेतों के बावजूद, यूएसएआईडी ने पाकिस्तान स्थित फलाह-ए-इंसानियत फाउंडेशन (FIF) को वित्तपोषित किया, जो हाफिज सईद के लश्कर-ए-तैयबा (LeT) का मुखौटा है। इस तथ्य के बावजूद कि अमेरिकी सरकार ने एफआईएफ और एलईटी पर प्रतिबंध लगा दिया है, उन्हें यूएसएआईडी से वित्त पोषण प्राप्त हुआ।फलाह-ए-इंसानियत फाउंडेशन (FIF) और एलईटी मुंबई में 26/11 के हमलों के लिए जिम्मेदार थे, जिसमें 166 लोग मारे गए थे।पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा बेरहमी से मारे गए 166 व्यक्तियों में छह अमेरिकी भी थे। एफआईएफ को यूएसएआईडी का पैसा हेल्पिंग हैंड फॉर रिलीफ एंड डवलपमेंट (HHRD) के माध्यम से भेजा गया था, जो मिशिगन में स्थापित एक मुस्लिम गैर-लाभकारी संस्था है, जिसका दक्षिण एशिया में सक्रिय आतंकवादी समूहों से संबंध है। ट्रम्प ने यूएसएआईडी पर नकेल कसते हुए इसे 'डीप्स्टेट' करार दिया है। एलस पर एक पोस्ट में, ट्रम्प से जुड़े एक अकाउंट ने दावा किया कि 'जॉर्ज सोरेस ने यूएसएआईडी से $260,000,000.00 प्राप्त किए और इस पैसे का इस्तेमाल श्रीलंका, बांग्लादेश, यूक्रेन, सीरिया, ईरान, पाकिस्तान, भारत, यूके और अमेरिका में अराजकता फैलाने, सरकार बदलने और व्यक्तिगत लाभ के लिए किया।' उनकी टिप्पणी अमेरिकी विदेशी सहायता की बढ़ती जांच में शामिल है, खासकर तब से जब ट्रम्प प्रशासन ने यूएसएआईडी के बजट को फ्रीज कर दिया है। डॉज (DOGE) के सीईओ एलन मस्क ने ट्रम्प की सरकार का समर्थन किया है, जो वामपंथ यूएसएआईडी की वित्तीय सहायता पर जोर देते हैं, जिसे वे 'विवादास्पद' उपक्रम बताते हैं। मस्क की भागीदारी और समर्थन ने शासन परिवर्तन और राजनीतिक प्रभाव के लिए विदेशी सहायता के उपयोग के बारे में रिपब्लिकन की चिंताओं को बढ़ा दिया है। मस्क ने एक्स स्पेसेस की बातचीत में कहा कि उन्होंने ट्रम्प के साथ 'यूएसएआईडी के बारे में बात की' और '[राष्ट्रपति] सहमत हुए कि हमें इसे बंद कर देना चाहिए', ट्रम्प द्वारा यूएसएआईडी के बारे में संवाददाताओं से कहने के बाद, 'इसे कट्टरपंथी पागलों के एक समूह द्वारा चलाया जा रहा है, और हम उन्हें बाहर निकाल रहे हैं, और फिर हम [इसके भविष्य के बारे में] कोई निर्णय लेंगे।' भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि यूएसएआईडी द्वारा वित्तपोषित एनजीओ ने सरकार की अग्निवीर परियोजना का विरोध किया, जाति जनगणना को बढ़ावा दिया और देश में नक्सलवाद का समर्थन किया। अमेरिकी विदेशी सहायता पारंपरिक रूपसे विकास के बजाय राजनीतिक शक्ति पर केंद्रित रही है। यूएसएआईडी द्वारा वित्तपोषित कार्यक्रमों ने बार-बार प्राप्तकर्ता देशों को अमेरिका के अनुकूल नीतियों को अपनाने, अमेरिकी फर्मों के पक्ष में बाजार सुधारों को लागू करने और सैन्य प्रभुत्व के लिए रणनीतिक आधार के रूप में कार्य करने के लिए प्रेरित किया है। सहायता स्वयं कभी-कभी सच्ची आत्मनिर्भरता बनाने के बजायअल्पकालिक उपायों को प्राथमिकता देती है, जिससे कई विकासशील देश आर्थिक सशक्तिकरण की बजाय निर्भरता के चक्र में फंस जाते हैं। इन कमजोरियों के बावजूद, यूएसएआईडी अमेरिकी सॉफ्ट पावर का एक महत्वपूर्ण उपकरण रहा है। देखिए, यूएसएआईडी किसी कारणयाकार्यके लिए सिर्फ चेक लिखकर नहीं चला जाता है। यह जमीन पर राज्य के कर्मियों, अनुबंध श्रमिकों और गैर-सरकारी संगठनों (NGO) के संयोजन को नियुक्त करता है। उनमें से कुछ पूर्णकालिक कार्यकर्ता के रूप में काम करते हैं, लेकिन संघीय विशेषाधिकारों के बिना। और वे स्थायी सिविल सेवा पेशेवरों और विदेश सेवा अधिकारियों की तुलना में बहुत अधिक संख्या में हैं, जो आमतौर पर एक अमेरिकी सरकारी एजेंसी के लिए काम करते हैं। सीरिया के उदाहरण में, यूएसएआईडी ने शरणार्थियों को खिलाने के लिए धन उपलब्ध कराया। हालांकि, चार वर्षों में, एकएनजीओएजेंट ने इसका लगभग 10% हिस्सा चुरालिया और इसे अल-कायदा से जुड़े संगठन में भेज दिया। संघीय अमेरिकीसरकार विदेशी सहायता पर कितना खर्च करती है? कांग्रेस के बजट कार्यालय के जनवरी 2025 के पूर्वानुमानों के अनुसार, सरकार वित्तीय वर्ष 2025 में अंतरराष्ट्रीय सहायता कार्यक्रमों पर लगभग 58.4 बिलियन डॉलर खर्च करने की राह पर है। लेकिन, वित्तीय वर्ष के शुरू होने में बमुश्किल तीन महीने रह गए हैं, जब ट्रम्प प्रशासन आक्रामक रूप से सहायता को फिर से आकार दे रहा है और उसे कम कर रहा है, तो यह आँकड़ा बदल सकता है। ForeignAssistance.gov के अनुसार, संयुक्त राज्य सरकार ने वित्तीय वर्ष 2023 में अंतरराष्ट्रीय सहायता पर 71.9 बिलियन डॉलर खर्च किए, जो सबसे हालिया वित्तीय वर्ष है, जिसके लिए डेटा काफी हद तक पूरा है। इसकी तुलना में वित्तीय वर्ष 2022 में लगभग 74.0 बिलियन डॉलर खर्च किए गए। ये डेटा (और ForeignAssistance.gov के अन्य) अन्य देशों को हथियारों की बिक्री और सैन्य उपकरणों के हस्तांतरण के विषय से बाहर हैं। बदलती परिस्थितियों (जैसे युद्ध, आपदाएँ या बीमारी का प्रकोप) और बदलते राष्ट्रीय लक्ष्यों के आधार पर विदेशी सहायता की राशि, प्राप्तकर्ता और उद्देश्य साल-दर-साल बदलते रहते हैं।

निराश करती है जनप्रतिनिधि अपराध मामलों में देरी

ललित गर्ग

एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की एक रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान लोकसभा के 543 सदस्यों में से 251 के खिलाफ आपराधिक मामले हैं, जिनमें से 170 गंभीर आपराधिक मामले हैं, जिनमें पांच साल या उससे अधिक की सजा हो सकती है। हाल ही दिल्ली विधानसभा चुनाव परिणामों में भी आपराधिक छवि के विधायकों की बड़ी संख्या चिन्ता में डालते हुए शर्मसार कर रही है।

वर्तमान और पूर्व संसद सदस्यों और विधानसभा सदस्यों के खिलाफ लंबित पांच हजार आपराधिक मामलों के निपटारे की सुनवाई कर रही एमपी-एमएलए अदालतों में कोई उल्लेखनीय प्रगति होते हुए न दिखना न केवल निराशाजनक है बल्कि यह कानून व्यवस्था की बड़ी विसंगति है। इस सन्दर्भ में सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की गई है। याचिका में आग्रह किया गया कि कोर्ट इन मामलों का जल्द से जल्द निपटारा करने एवं त्वरित कार्रवाई के लिए निर्देश जारी करे। अपेक्षा यह की गई थी कि इन मामलों की सुनवाई त्वरित गति से होगी, लेकिन इसका उलटा हो रहा है। एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की एक रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान लोकसभा के 543 सदस्यों में से 251 के खिलाफ आपराधिक मामले हैं, जिनमें से 170 गंभीर आपराधिक मामले हैं, जिनमें पांच साल या उससे अधिक की सजा हो सकती है। हाल ही दिल्ली विधानसभा चुनाव परिणामों में भी आपराधिक छवि के विधायकों की बड़ी संख्या चिन्ता में डालते हुए शर्मसार कर रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक भाजपा के 48 नवनिर्वाचित विधायकों में से 16 यानी 33 प्रतिशत और आम आदमी पार्टी के 22 में से 15 यानी 68 प्रतिशत नवनिर्वाचित विधायकों के खिलाफ आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं, भाजपा के सात और आप के 10 विधायक गंभीर किस्म के आपराधिक आरोपों का सामना कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट की ओर से समय-समय पर दिए गए आदेशों और हाईकोर्ट की निगरानी के बावजूद सांसदों और विधायकों के खिलाफ बड़ी संख्या में मामले लंबित हैं, जो हमारे देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर एक बदनुमा धब्बा हैं।

दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति तो यह है कि साफ-सुथरी एवं अपराधमुक्त राजनीति का दावा करने वाले दल ही सर्वाधिक अपराधी लोगों को उम्मीदवार बना रही है। विडंबना है कि यह प्रवृत्ति कम होने के बजाय हर अगले चुनाव में और बढ़ती ही दिख रही है। आखिर कब तक अपराधी तत्व हमारे भाग्य-विधाता बनते रहेंगे? कब तक आम आदमी इस त्रासदी को जीने के लिये मजबूर होते रहेंगे। भारत के लोकतंत्र के शुद्धिकरण एवं मजबूती के लिये अपराधिक राजनेताओं एवं राजनीति के अपराधीकरण पर नियंत्रण की एक नई सुबह का इंतजार कब तक करना होगा? त्रासद एवं दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि पूर्व एवं वर्तमान विधायकों और सांसदों के आपराधिक मामलों की सुनवाई के लिए गठित की गई अदालतें उनके मामलों का समय पर निपटारा करने में विफल साबित हो रही हैं। बड़ी संख्या में मामलों का लंबित रहना, जिनमें से कुछ तो दशकों से लंबित हैं, यह दर्शाता है कि सांसदों एवं विधायकों का अपने विरुद्ध मामलों की जांच या सुनवाई पर बहुत अधिक प्रभाव है और अपने राजनीतिक वर्चस्व एवं प्रभाव के कारण मुकदमे को पूरा नहीं होने दिया जाता है।

ऐसा लगता है कि उच्च न्यायालय अपने इस दायित्व का निर्वहन सही तरह से नहीं कर पा रहे हैं। समय-समय पर ऐसी खबरें भी आती रही हैं कि एमपी-एमएलए अदालतों को जनप्रतिनिधियों के मामलों के निपटारे में तेजी लाने को कहा है, लेकिन इसके कोई सकारात्मक परिणाम सामने नहीं आ सके। समझना कठिन है कि जिन अदालतों का गठन ही कुछ विशेष मामलों के निस्तारण के लिए हुआ है, वे उनकी सुनवाई में प्राथमिकता का परिचय क्यों नहीं दे रही हैं? उचित यह होगा कि सुप्रीम कोर्ट इन अदालतों को यह स्पष्ट निर्देश दे कि वे जनप्रतिनिधियों के मामलों की सुनवाई एक निश्चित समय सीमा में करें और ऐसा करने के लिए उच्च न्यायालयों को निर्देशित करे। यदि ऐसा कुछ नहीं किया जाता तो राजनीति के अपराधीकरण को रोकना बहुत कठिन होगा और आपराधिक छवि के नेताओं के मामलें न्यायालयों में बढ़ते ही जायेंगे। यह स्थिति लोकतंत्र का उपहास उड़ाने वाली ही है। यह स्थिति अधिक चिन्ताजनक एवं दुखद इसलिये भी है कि अब तो गंभीर आपराधिक मामलों में जेल में बंद लोगों को चुनाव प्रचार के लिए भी जमानत देने का सिलसिला कायम हो गया है। जनप्रतिनिधि भी रक्षक नहीं, भक्षक हो रहे हैं। ये कानून का भक्षण करने में माहिर होते जा रहे हैं। ये कैसे जनप्रतिनिधि हैं जो पहले वोट मांगते हैं, फिर जीत के बाद लोगों को लात मारते हुए उनके साथ तरह-तरह के अपराध करते हैं। लोकतंत्र के मुखपृष्ठ पर बहुत धब्बे हैं, अंधेरे हैं, वहां मुखौटे हैं, गलत तत्त्व हैं, खुला आकाश नहीं है। मानो प्रजातंत्र न होकर अपराध तंत्र हो गया। क्या यही उन शहीदों का स्वप्न था, जो फांसी पर झूल गये थे? राजनीतिक व्यवस्था और सोच में व्यापक परिवर्तन हो ताकि कोई भी अपराधों में लिप्त नेता जन-प्रतिनिधि न बन सके।

दिल्ली नगर निगम चुनावों में जीते पार्षदों के संदर्भ में एडीआर और 'दिल्ली इलेक्शन वाच' ने चौंकाने वाली रिपोर्ट जारी कर यह बताया गया है कि दो सौ अड़तालीस विजेताओं में से बयालीस यानी सत्रह प्रतिशत निर्वाचित पार्षद ऐसे हैं, जिन पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इसके अलावा, उन्नीस पार्षद गंभीर आपराधिक मामलों के आरोपी हैं। इससे पूर्व दिल्ली में फरवरी, 2020 में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद भी एडीआर ने अपने विश्लेषण में चुने गए कम से कम आधे विधायकों पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज पाए थे। इसमें मुख्य रूप से आम आदमी पार्टी के विधायक थे। अब प्रश्न है कि दिल्ली नगर निगम हो या विधानसभा के चुनावों में भी आप पार्टी ने उम्मीदवार बनाने के लिए स्वच्छ छवि के व्यक्ति को तरजीह देने की जरूरत क्यों नहीं समझी? जबकि इस पार्टी का घोष ही रहा अपराध एवं भ्रष्टाचार मुक्त राजनीति।

चुनावी सुधारों पर होने वाली तमाम चर्चाओं में राजनीति का अपराधीकरण एक अहम मुद्दा रहता है। राजनीति का अपराधीकरण-'अपराधियों का चुनाव प्रक्रिया में भाग लेना'-हमारी निर्वाचन व्यवस्था का एक नाजुक अंग बन गया है। मौजूदा लोकसभा सदस्यों में सर्वाधिक 29 प्रतिशत सदस्यों पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि पिछली लोकसभा में यह आँकड़ा तुलनात्मक रूप से कम था। राजनीति का अपराधीकरण भारतीय लोकतंत्र का एक स्याह पक्ष है, जिसके मद्देनजर सर्वोच्च न्यायालय और निर्वाचन आयोग ने कई कदम उठाए हैं, किंतु इस संदर्भ में किये गए सभी नीतिगत प्रयास समस्या को पूर्णतः नियंत्रित करने में असफल रहे हैं। हालांकि एक अच्छी पहल यह हुई है कि अब हाईकोर्ट की इजाजत के बिना सरकार किसी भी सांसद एवं विधायक के खिलाफ दर्ज मामले वापस नहीं ले सकती है। राजनीति के अपराधीकरण के कारण चुनावी प्रक्रिया में काले धन का प्रयोग काफी अधिक बढ़ जाता है। इसका देश की न्यायिक प्रक्रिया पर भी दुष्प्रभाव देखने को मिलता है और अपराधियों के विरुद्ध जाँच प्रक्रिया धीमी हो जाती है। राजनीति में प्रवेश करने वाले अपराधी सार्वजनिक जीवन में भ्रष्टाचार को बढ़ावा देते हैं और नौकरशाही, कार्यपालिका, विधायिका तथा न्यायपालिका सहित अन्य संस्थानों पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं। यह स्थिति समाज में हिंसा, भ्रष्टाचार, उत्पीड़न की संस्कृति को प्रोत्साहित करती है और भावी जनप्रतिनिधियों के लिये एक गलत उदाहरण प्रस्तुत करती है। वैसे तो भारत का लोकतंत्र बड़े-बड़े बाहुबली एवं आपराधिक पृष्ठभूमि के नेताओं के शर्मनाक कृत्यों का गवाह रहा है, बार-बार शर्मसार हुआ है। यही कारण है कि राजनीति का चरित्र गिर गया और साख घटती जा रही है।

इन वर्षों में जितने भी चुनाव हुए हैं वे चुनाव अर्हता, योग्यता एवं गुणवत्ता के आधार पर न होकर, व्यक्ति, दल या पार्टी के धनबल, बाहुबल एवं जनबल के आधार पर होते रहे हैं, जिनको आपराधिक छवि वाले राजनेता बल देते रहे हैं। आप ने भ्रष्टाचार एवं अपराधों पर नियंत्रण की बात करते हुए राजनीति का बिगुल बजाया। लेकिन यह दल तो जल्दी ही अपराधी तत्वों से घिर गया। नेताओं की चादर इतनी मैली है कि लोगों ने उसका रंग ही काला मान लिया है। अगर कहीं कोई एक प्रतिशत ईमानदारी दिखती है तो आश्चर्य होता है कि यह कौन है? पर हल्दी की एक गांठ लेकर थोक व्यापार नहीं किया जा सकता है। यही लोकतांत्रिक व्यवस्था में सबसे बड़ा संकट है। आदर्श लोकतंत्र एवं समाज व्यवस्था का निर्मित करने की जिम्मेदारी इन्हीं नेताओं पर है, जिनका चरित्र एवं साख मजबूत होना जरूरी है। दुःखद स्थिति है कि भारत अपनी आजादी के अमृत काल तक पहुंचते हुए भी स्वयं को ईमानदार नहीं बना पाया, चरित्र सम्पन्न राष्ट्र नहीं बन पाया।

दृश्टि कोण

रिश्तों में अश्लीलता घोलता सोशल मीडिया

इंटरनेट मीडिया इन्फ्लुएंसर एवं यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया ने माता-पिता की गरिमा को आहत करने वाली अश्लील, अपमानजनक एवं विवादास्पद टिप्पणी करते हुए भारतीय संस्कारों एवं संस्कृति को धुंधलाने का घिनौना एवं अक्षम्य अपराध किया है। भले ही इस टिप्पणी के लिए माफी मांगी गयी हो, लेकिन रणवीर ने हास्य कलाकार समय रैना के यूट्यूब रियलिटी शो इंडियाज गाट लैटेंट में एक प्रतियोगी से उसके माता-पिता और यौन संबंधों को लेकर सवाल करते हुए यह आपत्तिजनक टिप्पणी की। इसको लेकर विवाद भड़क गया, लोगों के गहरा आक्रोश है। सामाजिककर्मियों के साथ-साथ विभिन्न दलों के राजनेता ने इसकी तीव्र आलोचना करते हुए पॉडकास्ट पर प्रतिबंध लगाने की मांग की। इस मामले पर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने यूट्यूब को नोटिस जारी किया है। साथ ही राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग भी सक्रिय हुआ है। इस शो में माता-पिता, महिलाओं और उनके शरीर के बारे में अभद्र एवं अश्लील टिप्पणियां की गई थीं। इसलिये रियलिटी कामेडी शो के निर्माताओं, जजों और प्रतिभागियों के खिलाफ अपमानजनक भाषा और अश्लील सामग्री के इस्तेमाल को लेकर मुंबई पुलिस के साथ-साथ देश में अन्य स्थानों पर शिकायत दर्ज कराई गयी है। सोशल मीडिया से लेकर हर जगह रणवीर की थू थू हो रही है। हर कोई उनके खिलाफ आवाज उठा रहा है और जेल भेजने की मांग कर रहा है।

तथाकथित रणवीर इलाहाबादिया के एक्स पर छह लाख से अधिक फालोअर, इंस्टाग्राम पर 45 लाख से अधिक फालोअर और यूट्यूब चैनल पर 1.05 करोड़ सब्सक्राइबर हैं। इलाहाबादिया उन ऑनलाइन कंटेंट क्रिएटर्स में से एक हैं, जो ऐसे अश्लील एवं संस्कृति-विरोधी प्रदर्शन से करोड़ों रुपये भी कमाते है, जिन्हें पिछले साल नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से राष्ट्रीय क्रिएटर्स पुरस्कार मिला था। पिछले दिनों उन्होंने डिजिटल इंडिया कॉरपोरेशन के साथ मिलकर कई कैबिनेट मंत्रियों का साक्षात्कार लिया था। इसके अलावा साल 2022 में उनका नाम फोर्ब्स अंडर 30 एशिया लिस्ट में भी आया था। 22 साल की उम्र में रणवीर ने अपना पहला यूट्यूब चैनल शुरू किया था, आज वह सात चैनलों को चला रहे हैं। पाकिस्तान से भारत आये रणवीर इलाहाबादिया का पूरा नाम रणवीर सिंह अरोड़ा है। लेकिन लोग उन्हें रणवीर इलाहाबादिया के नाम से जानते हैं। माता-पिता पर विवादित कमेंट करने से पहले रणवीर इलाहाबादिया कई बार सोशल मीडिया पर बवाल मचा चुके हैं। उनका विवादों से पुराना नाता रहा है। उनके विवादास्पद बयानों की वजह से उन्हें एक बार जिम से भी बैन किया गया था। इतना ही नहीं, वो लड़कियों के कपड़ों पर भी विवादित कमेंट करने की वजह से हेडलाइन्स बटोर चुके हैं। लेकिन ऐसे विकृत सोच रखने वाले लोगों को ऐसे बड़े सम्मान मिलना भी अनेक प्रश्नों को खड़ा करता है। क्योंकि यह अभिव्यक्ति की आजादी का बेहूदा, आपत्तिजनक एवं अमर्यादित उपयोग है, यह रचनात्मकता नहीं है, यह विकृति है और ऐसे विकृत व्यवहार को सामान्य नहीं माना जा सकता। विडम्बना एवं दुर्भाग्यपूर्ण तो यह स्थिति भी है जिसमें इस खराब टिप्पणी को जिस तरह आम लोगों की जोरदार तालियां मिलीं। प्रश्न है कि आखिर हम कैसा समाज बना रहे हैं? क्यों हम अपनी संस्कृति एवं संस्कारों को घूमिल कर रहे हैं।

स्मार्टफोन आने के बाद से सोशल मीडिया का प्रयोग लगातार बढ़ता ही जा रहा है। और जैसे-जैसे इसका प्रयोग बढ़ रहा है, वैसे-वैसे सकारात्मक के साथ-साथ इसके नकारात्मक प्रभाव भी सामने आते जा रहे हैं। जो कि भारतीय समाज, संस्कृति और परिवार परम्परा पर सीधे आघात कर रहे हैं। भारत विरोधी तत्वों के द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से समाज में भौतिक वासना, नग्नता, अश्लीलता की विकृति फैलाने का काम भी हो रहा है। इससे समाज के भीतर कुंठित वासना एवं बीमार मानसिकता को जन्म दिया जा रहा है, जिसे रोकने के लिए सरकार से लेकर प्रशासन और समाज को साथ आकर कड़े कदम उठाने होंगे। एक ओर जहां सोशल मीडिया पर अनचाहे अश्लील दृश्यों की भरमार हो रही है। वहीं दूसरी ओर सोशल मीडिया प्लेटफार्म से होने वाली कमाई एक बड़ी वजह निकल कर सामने आ रही है। सोशल मीडिया पर किसी भी सामान्य व्यक्ति के द्वारा अपना अकाउंट बनाकर ऐसा भी कंटेट अपलोड किया जा सकता है जिसे लेकर सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर किसी प्रकार की कोई रोट टोक एवं पाबंदी नहीं है। इस प्रकार के सोशल मीडिया अकाउंट बड़ी तेजी से बढ़ रहे हैं। समाज में पैसे का लोभ दिखाकर अश्लील शार्ट फिल्म और वेब सीरीज का गौरखधंधा धडल्ले से चल रहा है। मोबाइल एप्स और ओटीटी वेब पोर्टल पर अश्लील एवं संस्कृति विरोधी कंटेंट निर्बाध रूप से होना सरकार की बड़ी नाकामी है। यही कारण है कि ऐसे सभी प्रकार के मोबाइल एप्स और वेब पोर्टल पर भी सरकारी नियंत्रण की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही है।

तकनीक के माध्यम से भारतीय युवा एवं किशोर पीढ़ी को अपने जीवन के प्रारंभ के समय से ही कामवासना के जाल में फंसाकर उनके जीवन को गौण बनाने एवं धुंधलाने के प्रयास किये जा रहे हैं। युवा शक्ति राष्ट्र की प्रेरक शक्ति है। नैतिक मूल्यों के बिना ज्ञान न केवल बेकार हैं, बल्कि समाज के लिए भी खतरनाक हैं। यही कारण है कि हमारी युवापीढ़ी बड़ी दुविधा में है; उन्हें भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। उन्हें दिग्भ्रमित किया जाता है, जिससे वर्तमान भारतीय समाज न केवल प्रभावित होता है, बल्कि यह भावी पीढ़ी के भविष्य पर भी प्रश्नचिन्ह लगाता है। ऐसे अनेक प्रकार के अश्लील कंटेंट देखे जा सकते हैं जिसमें अश्लीलता के माध्यम से भारतीय परिवार व्यवस्था को नष्ट करने का काम भी षडयंत्रपूर्वक किया जा रहा है। जिसकी चर्चा समाज के भीतर प्रबुद्ध लोगों को करने की आवश्यकता है ताकि समय पर जागरूकता के साथ समाज और परिवार को गर्त में जाने से रोका जा सकता है।

विचार मंथन

ट्रंप ने सारी दुनिया में गिराई अमेरिका की साख

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने विदेशी भ्रष्ट आचरण कानून पर रोक लगाने के आदेश दिए हैं। ट्रंप के इस आदेश के बाद विदेश में व्यापार या ठेका हासिल करने के लिए अब अमेरिकी कंपनी द्वारा रिश्वत देना अपराध नहीं होगा। अभी तक अमेरिकी कानून के अनुसार यह एक बड़ा अपराध था, जिसके कारण अमेरिकी सरकार अथवा अमेरिका की कंपनियां जो सारी दुनिया के देशों में जो व्यापार करती थी, इस कानून से यह संदेश जाता था, अमेरिका की कंपनियां अन्य देशों में रिश्वत नहीं देती हैं। जिसके कारण अमेरिका की सरकार और अमेरिकी कंपनियों की साख पूरी दुनिया के देशों में बनी हुई थी। लुके-छुपे तौर पर यदि कोई कंपनी या व्यक्ति इस तरीके की कोशिश करता था, ऐसी स्थिति में अमेरिकी कानून के अनुसार उसे आर्थिक तथा आपराधिक मामलों में सजा से दंडित किया जाता था। ट्रंप ने जो निर्णय अभी लिया है, उससे सारी दुनिया के देशों में यह संदेश गया है। अमेरिका की कंपनियां अपने लाभ के लिए दुनिया के किसी भी देश के राजनेता, अधिकारियों या कारोबारियों को रिश्वत देकर ठेका हासिल कर सकती हैं। रिश्वत देकर सामान खरीदने-बेचने के कांटेक्ट हासिल कर सकती हैं। अमेरिका के साथ-साथ दुनिया के अन्य देशों को इस निर्णय से सबसे बड़ा नुकसान होने जा रहा है। किसी भी देश में अमेरिका की कंपनियों से व्यापार या कारोबार किया जाएगा, वह सभी शक के दायरे में होंगी। जिन देशों के कारोबारी या सरकारें अमेरिकी कंपनियों से खरीददारी करेंगी, उन्हें भी शक की निगाह से देखा जाएगा। ट्रंप का यह निर्णय ऐसे समय पर आया है, जबकि अमेरिकी कानून के अनुसार भारतीय उद्योगपति गौतम अडानी, उनके भतीजे सागर अडानी सहित आठ लोगों के ऊपर अमेरिका में अपराधिक मामला दर्ज है। 21 नवंबर 2024 को अमेरिका की कोर्ट में 2200 करोड़ रुपए की घूस के मामले में गौतम अडानी और अन्य के खिलाफ वारंट जारी हो चुके हैं। वारंट जारी होने के बाद से गौतम अडानी अमेरिका नहीं जा पा रहे हैं। उनका व्यवसाय पूरी दुनिया में प्रभावित हुआ है। गौतम अडानी ने अमेरिकी कानून से बचने के लिए वहां के सांसदों को अपनी पैरवी में उतारा था। डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अडानी को राहत पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे थे। भारत के विदेश मंत्री जयशंकर भी राजनायिक और कूटनीतिक संबंधों का इस्तेमाल कर रहे थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के पहले भारत सरकार ने जिस तरह से आयात-निर्यात व्यापार में अमेरिका के पक्ष में शुल्क को घटाया है, वह सब अडानी समूह की राहत से जोड़कर देखा जा रहा है। ट्रंप और एलन मस्क की जोड़ी की राजनेता के स्थान पर एक कारोबारी के रुप में पहचान है। दोनों ही अपने निजी कारोबार एवं फायदे को ध्यान में रखते हुए अमेरिकी सरकार के निर्णय कर रहे हैं। गौतम अडानी और भारतीय कारोबार पर एलन मस्क की भी नजर है। डोनाल्ड ट्रंप भी भारत में अपना कारोबार बढ़ाने के प्रयास में लगे हुए हैं। गौतम अडानी की गर्दन पूरी तरह से अमेरिका के शिकंजे में फंस गई है। भारत सरकार किसी भी कीमत पर गौतम अडानी को अमेरिकी कानून के चक्कर से बचाना चाहती है। अडाणी को बचाने के चक्कर में भारत को काफी आर्थिक नुकसान उठाने पड़ेंगे। दीर्घकालीन कई ऐसे समझौते हो सकते हैं, जिसके कारण भारत के हित बुरी तरह से प्रभावित होंगे। अमेरिका को भी अभी तक का सबसे बड़ा नुकसान होने की आशंका बन गई है। डोनाल्ड ट्रंप के इस निर्णय से अमेरिका की नैतिकता और पारदर्शिता पूरी तरह से दुनिया के देशों में खत्म होगी। ट्रंप के वर्तमान निर्णयों से अमेरिका की छवि एक गैंगस्टर की तरह बनने लगी है। जो लाभ के लिए किसी भी स्तर पर जाकर नैतिक और अनैतिक काम करने से पीछे नहीं हटता है। अमेरिका से कारोबार करने वाले अन्य देशों के राजनेताओं और कारोबारियों के ऊपर रिश्वतखोरी के आरोप बड़े पैमाने पर लगेंगे, जिसके कारण दुनिया के देशों में राजनीतिक अस्थिरता, रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार का वातावरण बढ़ेगा। अमेरिका को इतना बड़ा नुकसान इसके पहले कभी नहीं हुआ, जो अब हो सकता है। एक बार अमेरिका की छवि रिश्वत देकर कारोबार करने की बन गई, तो दुनिया के सभी देश अमेरिका के साथ दूरियां बनाना शुरू कर देंगे। अमेरिका अभी दुनिया का बादशाह बना हुआ है। ट्रंप के इस निर्णय से अमेरिका की बादशाहत खतरे में पड़ जाएगी। इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। जल्द ही इसके परिणाम अमेरिका को भोगना पड़ सकता है। जिस तरह से ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की शुरुआत हुई है। उसके बाद कहा जाने लगा है, जिस तरह से सोवियत रूस, रेत के महल की तरह भरभरा कर गिरा था। उसी स्थिति में अब अमेरिका ने सफर शुरु कर दिया है।

आधा सच आधा झूठ

क्या कांग्रेस वाकई एक डूबता जहाज है

भारत को 2014 में मिली असली आजादी के बाद भाजपा से लगातार जूझ रही कांग्रेस को दिल्ली विधानसभा चुनाव में जनता द्वारा नकारे जाने के बाद क्या ये लगने लगा है कि -कांग्रेस अब एक डूबता जहाज है और अब कोई दूसरा दल इस पर सवारी नहीं करना चाहेगा ? सवाल जायज भी है और इस पर विमर्श भी होना चाहिए। बल्कि यूं कहें कि इस मुद्दे पर विमर्श शुरू भी हो चुका है। 2026 में होने वाले बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए तृणमूल कांग्रेस ने इंडिया गठबंधन में रहने या कांग्रेस के साथ मिलकर चुनाव लड़ने से इंकार कर इस विमर्श का श्रीगणेश कर दिया है।

इस बात में कोई दो राय नहीं हो सकती कि देश में सत्तारूढ़ भाजपा के खिलाफ मोर्चा लेने में कांग्रेस शुरू से अग्रणीय रही है। 2014 के लोकसभा चुनाव में मात्र 44 सीटों पर सिमटी कांग्रेस ने मैदान नहीं छोड़ा। भाजपा ने तब 286 सीटें अकेले दम पर जीती थीं। पांच साल लगातार विपक्ष में बैठने के बावजूद कांग्रेस अपने ढंग से काम करती रही और 2019 के चुनाव में कांग्रेस 44 सीटों से बढ़कर 52 सीटों पर आ गयी। कांग्रेस के लिए हालाँकि ये कोई बड़ी उपलब्धि नहीं थी ,लेकिन कुल 8 सीटें ज्यादा हासिल कर कांग्रेस को थोड़ी -बहुत ऊर्जा जरूर मिली। डूबते को तिनके का सहारा होता है।

लगातार दूसरी जीत के बाद भाजपा की चाल,चरित्र और चेहरे में अप्रत्याशित रूप से बदलाव आया । भाजपा ने अपने दूसरे कार्यकाल में पूरी ताकत से अपने एजेंडे पर काम करना शुरू किया। जम्मो-कश्मीर से धारा 370 हटाई, अयोध्या में राममंदिर बनाने का रास्ता साफ़ कर मंदिर का निर्माण कार्य शुरू कर उसे पूरा भी किया और लगातार एक के बाद एक राज्यों में अपनी बढ़त बनाई ,लेकिन कांग्रेस पीछे नहीं हटी । कांग्रेस ने अपने सहयोगी दलों के साथ भाजपा के दांत खट्टे करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। भाजपा की नफरत के मुकाबले मुहब्बत की दूकान खोली । पूरे देश में दो बार पदयात्रा कर जन-जागरण की कोशिश की ,परिणाम स्वरूप 2024 के आम चुनाव में कांग्रेस जहाँ 52 से आगे बढ़कर 99 पर पहुंची ,वहीं भाजपा का 400 पार का सपना चकनाचूर हो गया और भाजपा 240 पर सिमिट गयी।

भारत की राजनीति में कांग्रेस का उत्थान और पतन होता ही रहा है। एक लम्बी दास्तान है कांग्रेस के उत्थान और पतन की। 4 जून 2024 के बाद पिछले 9 महीने में देश में जितने भी विधानसभाओं के चुनाव हुए हैं उनमें से कर्नाटक,केरल,हिमाचल प्रदेश और झारखण्ड को छोड़ कांग्रेस कहीं भी भाजपा का विजय रथ नहीं रोक सकी। दिल्ली विधानसभा चुनाव में तो कांग्रेस का सूपड़ा ही साफ़ हो गया ,और इसी के साथ कांग्रेस की अगुवाई में बने आईएनडीआईए यानि इंडिया गठबंधन में विखराव शुरू हो गया। दिल्ली विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस का साथ और हाथ दोनों छोड़े और सत्ता से बाहर हो गयी। महाराष्ट्र में भी भाजपा ने कांग्रेस की उम्मीदों पर पानी फेर दिया । हरियाणा में भी कांग्रेस के जीत के सपने को तोड़ा और अब उसका निशाना कांग्रेस के साथ इंडिया गठबंधन भी है।

भाजपा बिहार में विधानसभा के चुनाव से पहले कांग्रेस और इंडिया गठबंधन की कमर तोड़ देना चाहती है। बिहार में चुनाव इसी साल अक्टूबर में होना है । अगले साल बंगाल का नंबर है। बिहार विधानसभा चुनावों से पहले बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने कांग्रेस के साथ गठबंधन करने से इंकार कर दिया है। बिहार में कांग्रेस का राजद से गठबंधन है। यहां क्या होगा कहना कठिन है। लेकिन कांग्रेस के लगातार अकेले पड़ने की वजह से जहाँ देश में क्षेत्रीय दल एक-एककर भाजपा के शिकार बन रहे हैं वहीं कांग्रेस के वजूद पर भी प्रश्नचिन्ह भी लगते जा रहे हैं। ये तय है कि कांग्रेस जिस मुखरता से हार-जीत की परवाह किये बिना भाजपा का मुकाबला कर रही है उतनी दम देश के किसी और राजनीतिक दल में नहीं है । कांग्रेस का साथ न देकर बीजद ने उड़ीसा खोया है तो आम आदमी पार्टी ने दिल्ली गंवा दी है और यदि तृणमूल कांग्रेस भी यही गलती करती है तो तय मानिये की उसका हश्र भी बीजद और आम आदमी पार्टी जैसा ही होगा।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी 2026 का विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी । कांग्रेस के साथ अपनी पार्टी के गठबंधन से उन्होंने इनकार किया है, क्योंकि उसने कांग्रेस को डूबता जहाज मान लिया है। लेकिन सवाल ये है कि क्या सचमुच ममता बनर्जी की पार्टी जैसा सोच रही है वैसा ही दूसरे विपक्षी दल भी सोच रहे हैं ? अभी तक उद्धव ठाकरे की शिव सेना हो या तेजस्वी यादव की राजद या अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी ,इन सभी ने कांग्रेस का न हाथ छोड़ा है और न साथ। जब तक ये सभी कांग्रेस के साथ हैं तब तक कांग्रेस को डूबता जहाज मानना टीएमसी की एक भूल के सिवाय कुछ भी नहीं है। आपको बता दें की ममता बनर्जी ने अपने विधायकों और मंत्रियों से कहा कि टीएमसी 294 सीटों वाली राज्य विधानसभा में दो-तिहाई बहुमत के साथ 2026 का चुनाव अपने दम पर जीतेगी।

मुझे न ममता बनर्जी के आत्म विश्वास पर संदेह है और न कांग्रेस के डूबने को लेकर कोई शक। लेकिन मेरा मानना है कि कांग्रेस विहीन भारत की कल्पना को साकार करने में भाजपा को अभी लम्बी लड़ाई लड़ना पड़ेगी। कांग्रेस का डीएनए अमीबा जैसा है। अमीबा कभी मरता नहीं है। अमीबा जितना विखंडित होता है उतना ही विकसित होता जाता है। कांग्रेस पिछले सवा सौ साल में दर्जनों बार विभाजित,पराजित हुई है लेकिन समाप्त नहीं हुई ,अर्थात उसका जहाज कभी भी टाइटेनिक की तरह समुद्र की सतह में नहीं समाया। कांग्रेस डूबकर भी हर बार सतह पर आयी है। न भी आये तो देश कहीं जाने वाला नहीं है।

किसी भी प्राइवेसी का हनन कोई सरकार नहीं कर सकती : पायलट

जयपुर (हिंस)। पूर्व उपमुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सचिन पायलट ने कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा के फोन टैपिंग के आरोपों को लेकर सरकार को घेरते हुए कहा कि फोन टैपिंग बहुत गंभीर अपराध है। वो चाहे पहले हुआ हो या अब हुआ, उसकी जांच होनी चाहिए। जो भी नेता, अफसर, पुलिस अफसर दोषी हो, उनका सच सामने आना चाहिए। हर गलती सजा मांगती है, गलती करेगा तो सजा मिलनी चाहिए। पायलट बुधवार को अपने आवास पर पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ये किसी के आरोप नहीं है बल्कि सरकार के कैबिनेट मंत्री ने खुद कहा है कि उनका फोन टैप हो रहा है। सरकार का कैबिनेट मंत्री आरोप लगा रहा है, सरकार के कार्रवाई करने की जगह संगठन जवाब मांग रहा है। किसी भी व्यक्ति की प्राइवेसी का हनन कोई सरकार नहीं कर सकती। जब वह नागरिक सरकार का एक मंत्री है और सार्वजनिक मंच से बोल रहा है लेकिन सरकार कोई जवाब नहीं दे रही है। सरकार का मंत्री सरकार का नुमाइंदा होता है और उसका मतलब है कि सरकार खुद बोल रही है। उन्होंने कहा कि विधानसभा का सत्र जारी है और हमारी पार्टी ने सदन में जिस तरह से मांगों को उठाया, सरकार के पास उसका कोई जवाब नहीं है। पायलट ने कहा कि यह गंभीर बात है कि सत्ताधारी दल के विधायक ने पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय शिवचरण माथुर के सरकार के समय के आरोप लगाए हैं, यह दुर्भाग्यपूर्ण है क्योंकि व्यक्ति इस दुनिया में नहीं है, दशकों पुरानी बात को लेकर अब कोई आरोप प्रत्यारोप करें यह ठीक नहीं है। सरकारों के इतिहास में जाकर सरकार फोन टैपिंग के आरोपों से ध्यान भटकाने के लिए इस तरह के आरोप लगा रहे हैं। हाइकोर्ट की आरपीएससी को लेकर की गई टिप्पणियों पर सचिन पायलट ने कहा कि आरपीएससी वह संस्था है जहां से नौजवानों का भविष्य तय होता है। लंबे समय से मैं खुद भी कहता आया हूं और लोग भी कहते हैं कि आरपीएससी का गठन और चयन प्रक्रिया जवाबदेही हो। लगता है कि सरकार के पास अब कोई कारण बचा नहीं है। कोई बहाना नहीं बचा है। वह परिवर्तन करें नौजवानों का भरोसा अगर आरपीएससी के काम करने के तरीके से उठ जाएगा। तो विश्वास खत्म हो जाएगा। चाहे वह चयन प्रक्रिया है या इंटरव्यू है या परीक्षा की कार्य प्रणाली है। उन सब पर अगर नौजवानों का विश्वास खत्म हो जाएगा तो यह दुर्भाग्यपूर्ण है। आरपीएससी में जो हुआ वह पूरा एक्सपोज हो चुका है। बिना समय जाया करें उसमें मूलभूत परिवर्तन करना होगा। दिल्ली चुनाव में पार्टी की हार को लेकर पायलट ने स्वीकार किया कि दिल्ली चुनाव में हमारी पार्टी का प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा। हम लोग वहां चुनाव लड़े थे। दिल्ली में हमारी लंबे समय तक सरकार रही और लंबा जन आधार रहा। अब हमारा प्रयास है कि दिल्ली में अपनी जगह मजबूत करें। आम आदमी पार्टी अब चुनाव हारी है लेकिन हम अपनी जीत के लिए और अपनी जड़ों को मजबूत करने के लिए चुनाव लड़े थे।

जयपुर मिलिट्री स्टेशन में *सप्त शक्ति वेलनेस सेंटर* का उद्घाटन

जयपुर (हिंस)। समग्र स्वास्थ्य सेवा की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए *सप्त शक्ति वेलनेस सेंटर* का उद्घाटन जयपुर मिलिट्री स्टेशन में किया गया। सप्त शक्ति कमान द्वारा शुरू की गई इस अनूठी पहल का उद्देश्य सेवारत सैनिकों, भूतपूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को एक ही छत के नीचे विस्तृत स्वास्थ्य और कल्याण सुविधाएं प्रदान करना है। पीआरओ डिफेंस कर्नल अमिताभ शर्मा के अनुसार *सप्त शक्ति वेलनेस सेंटर* शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक कल्याण सुनिश्चित करने के लिए पारंपरिक और आधुनिक चिकित्सा दृष्टिकोणों का संयोजन करता है। नि:शुल्क विशेष सेवाएं प्रदान करने वाले इस केंद्र में आयुर्वेद क्लिनिक, होम्योपैथी क्लिनिक, आहार विशेषज्ञ सेवाएं, फिजियोथेरेपी विभाग और वेलनेस (मनोवैज्ञानिक) परामर्शकर्ता शामिल हैं। फिजियोथेरेपी यूनिट में पीठ दर्द, ऑस्टियोआर्थराइटिस, फ्रोजन शोल्डर और खेलों से जुड़ी चोटों जैसी समस्याओं का इलाज करने के लिए आधुनिक उपकरण उपलब्ध हैं। यह दर्द को कम करने, गतिशीलता बढ़ाने और व्यायाम में मदद करेगा।

देश के वंचित वर्गों को बैंकिंग सेक्टर से जोड़कर योजनाओं का लाभ पहुंचाने की दिशा में मोदी सरकार ने किया ऐतिहासिक कार्य : मदन राठौड़

जयपुर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रत्येक बैंक रहित परिवार को बैंकिंग सेवाओं से जोड़ने के लिए 2014 में राष्ट्रीय वित्तीय समावेशन मिशन की शुरुआत की और इसका परिणाम यह हुआ कि जनवरी 2025 तक देशभर में 54.58 करोड़ से अधिक जन धन खाते खोले गए। इनमें 55 प्रतिशत खाता धारक महिलाएं है। मोदी सरकार की ओर से विभिन्न वंचित वर्गों के लिए प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, पीएम सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, मुद्रा योजना, स्टैंड अप इंडिया और प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना जैसी कई योजनाओं को शुरू किया। इन योजनाओं से आमजन को सीधे लाभान्वित करने के लिए प्रत्येक परिवार को बैंकिंग सेक्टर से भी जोड़ने का ऐतिहासिक कार्य किया गया है। इसके लिए वित्तीय समावेशन मिशन के तहत 2014 में ही प्रधानमंत्री जन धन योजना को शुरू किया। राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ के सवाल के जवाब में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने यह जानकारी दी। राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने बताया कि मोदी सरकार की वित्तीय समावेशन योजना के तहत पहले प्रत्येक परिवार को बैंकिंग सुविधाओं से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन 2018 से इस योजना में संषोधन करते हुए *बैंकिंग सुविधा से रहित प्रत्येक वयस्क* को इस योजना में शामिल करने का लक्ष्य रखा गया। इसी का परिणाम है कि आज डिजीटल ट्रांजेक्शन का चलन तेजी से ब ?ता जा रहा है। सरकार ने वित्तीय समावेशन योजना के तहत प्रधानमंत्री जन धन योजना में जनवरी 2025 तक कुल 54.58 करोड़ खाते खोले है। इनमें से 30 करोड़ से अधिक खाता धारक महिलाएं है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा वित्तीय समावेशन योजना से वंचित वर्गों को जोड़ने के लिए निरंतर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जा रहा है। इसके तहत ग्राम पंचायत स्तर पर विषेश जन सुरक्षा अभियान चलाए गए, राज्य स्तरीय बैंकर समिति द्वारा विभिन्न बैंकिंग संस्थानों तथा हितधारकों के मध्य समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। वहीं भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से वित्तीय साक्षरता केंद्र शुरू कर वित्तीय साक्षरता बढ़ाने के प्रयास भी शुरू किए। इसके साथ ही बैंकिंग सेवा प्रदाता प्रणाली में अंतिम छोर की कड़ी के प्रतिनिधित्व के रूप में 13 लाख से अधिक बैंकिंग प्रतिनिधियों (बीसी) को नियुक्त तक करने का काम किया। सरकार की ओर से आमजन तक बैंकिंग सुविधाएं और सरकारी योजनाओं का लाभ सीधा पहुंचाने के लिए इस तरह की पहल की जा रही है।

हरियाणा विधानसभा का बजट सत्र सात मार्च से

सरकार के आग्रह पर राज्यपाल ने जारी की अधिसूचना

चंडीगढ़(हिंस)। हरियाणा विधानसभा का बजट सत्र सात मार्च से शुरू होगा। प्रदेश सरकार की सिफारिश पर राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने बुधवार को इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। हरियाणा में आमतौर पर बजट सत्र फरवरी माह के दूसरे व तीसरे सप्ताह में होता है। इस बार निकाय चुनावों के चलते प्रदेश में आचार संहिता लगी होने के कारण बजट सत्र के कार्यक्रम को आगे बढ़ाया गया है। प्रदेश में दो व नौ मार्च को निकाय चुनावों के लिए वोटिंग होनी है और 12 मार्च को चुनाव परिणाम घोषित किए जाएंगे। ऐसे में सरकार ने बीच का रास्ता निकालते हुए सात मार्च से बजट सत्र शुरू करने का फैसला किया है। सात मार्च को शुक्रवार है। बजट सत्र की शुरुआत राज्यपाल के अभिभाषण के साथ होगी। आठ व नौ मार्च को शनिवार व रविवार का अवकाश रहेगा। इसके बाद 10 मार्च से विधानसभा की कार्रवाई सुचारू रूप से चलेगी। प्रदेश का बजट किस दिन पेश किया जाएगा। इसका फैसला बिजनेस सलाहकार समिति की बैठक में लिया जाएगा। राज्यपाल की स्वीकृति के बाद विधानसभा सचिवालय द्वारा सत्र की कार्रवाई को लेकर विस्तृत कार्यक्रम जारी किया जाएगा। इस बीच विधानसभा सदस्यों के लिए 14 व 15 फरवरी को हरियाणा विधानसभा चंडीगढ़ में संसदीय लोकतंत्र शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) के सहयोग से प्रबोधन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। विधानसभा के प्रवक्ता ने बुधवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगे। उन्होंने बताया कि 14 फरवरी को हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष के सलाहकार राम नारायण यादव प्रारम्भिक टिप्पणियां देंगे। इसके बाद हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष हरविंदर कल्याण स्वागत भाषण देंगे और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व विधानसभा सदस्य भूपेंद्र सिंह हुड्डा भी संबोधित करेंगे। इस कार्यक्रम के दौरान प्राइड के कार्यकरण के बारे में वीडियो फिल्म का प्रदर्शन भी किया जाएगा। इस दौरान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का उद्घाटन भाषण और उनके नेतृत्व में भारत के संविधान की उद्देशिका का वाचन किया जाएगा। हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा धन्यवाद करेंगे। दो दिन तक चलने वाले इस कार्यक्रम में पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवा, उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना, गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष शंकर भाई चौधरी, हिमाचल प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया,केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्री तथा विद्युत मंत्री मनोहर लाल विधायी प्रक्रियाओं में मंत्री की भूमिका पर वक्तव्य देंगे।

आम आदमी पार्टी से अब जनता का उठ चुका है भरोसा : गहलोत

जयपुर (हिंस)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने दिल्ली में आम आदमी पार्टी द्वारा कांग्रेस पर उन्हें हरवाने के आरोपों को पूर्णत: निराधार बताया है। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि असलियत में तो आम आदमी पार्टी ने कई राज्यों में कांग्रेस को हरवाने का काम किया है, जहां उनका कोई आधार ही नहीं था। परंतु केवल कांग्रेस के वोट काटने के उद्देश्य से आप वहां जाकर चुनाव लड़ी। गहलोत ने बुधवार को सोशल मीडिया पर आप के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा कि गुजरात, गोवा, उत्तराखंड में जहां कांग्रेस अच्छी स्थिति में थी एवं भाजपा की हालत खराब थी। वहां आम आदमी पार्टी चुनाव लड़ने पहुंच गई और कांग्रेस के वोटों को बांटा, जिससे कांग्रेस को नुकसान हुआ। इन जगहों पर आप के अधिकतर जीते या हारे उम्मीदवार बाद में भाजपा समेत दूसरी पार्टियों में चले गए। यानी ये केवल चुनाव में कांग्रेस का नुकसान करने के लिए ही लड़े थे। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरा मानना है कि दिल्ली में कांग्रेस ने अकेले चुनाव लड़कर आगे के लिए अपनी भूमिका तैयार की है। मुझे विश्वास है कि आने वाले दिनों में दिल्ली में कांग्रेस प्रमुख विपक्ष की भूमिका निभाएगी एवं अभी से आने वाले चुनाव की पृष्ठभूमि तैयार करेगी। आम आदमी पार्टी से अब जनता का भरोसा उठ चुका है।

सात जिलों और इक्कीस विधानसभा क्षेत्रों में 28 से निकलेगी *हिंदू नववर्ष हमारा स्वाभिमान* शक्ति दर्शन यात्रा

बीकानेर (हिंस)। बीते वर्षों में बीकानेर हो या भारत का कोई भी गांव और शहर सब जगह *हिंदू नववर्ष* मनाने को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। इसी उत्साह को और आगे बढ़ाने के उद्देश्य को लेकर बीकानेर का कर्मवान फाउंडेशन इस बार *हिंदू नववर्ष हमारा स्वाभिमान* शक्ति दर्शन यात्रा निकालेगा। यह यात्रा बीकानेर सहित 7 जिलों और 21 विधानसभा क्षेत्रों तक पहुंचेगी। यात्रा से जुड़े वेद व्यास ने बताया किआगामी 28 फरवरी को बीकानेर शहर के दम्माणी चौक में छोटा गोपालजी मंदिर से शुरू होकर 5 मार्च तक राज्य के सात जिलों में घूमेगी। इस यात्रा का समापन बीकानेर के नगर सेठ लक्ष्मीनाथ मंदिर प्रांगण में होगा। कर्मवान फाउंडेशन के तत्वावधान में निकलने वाली इस यात्रा में 10 चौपहिया वाहनों से 40 युवा प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में जाकर हिंदू नववर्ष को धूमधाम से मनाने के लिए लोगों को जागृत करेंगे। यह यात्रा जहां-जहां से गुजरेगी वहां-वहां रात को नुक्कड़ सभाएं होंगी। इन नुक्कड़ सभाओं के माध्यम से लोगों में यह जागृति लाने का प्रयास किया जाएगा कि लोग हिंदू नववर्ष को न्यू ईयर की तरह सेलिब्रेट करें। इसके अलावा हर दिन रात को भक्ति संगीत का कार्यक्रम होगा। यात्रा में शामिल लोग लोगों को इस बात के लिए भी जागृत करेंगे कि हिंदू नववर्ष के पहले दिन लोग अपने घरों में दीप प्रज्वलन करें और रंगोली सजाए। इसके लिए यात्रा में शामिल युवा पत्रक वितरण भी करेंगे। इसके लिए 10 हजार से ज्यादा पत्रक छपवाए गए हैं। यात्रा से जुड़े वेद व्यास ने बताया कि यह यात्रा बीकानेर से शुरू होगी। बीकानेर के बाद यह यात्रा फलौदी, जैसलमेर, बाड़मेर, नागौर, बालोतरा, जोधपुर जिले की 21 विधानसभा में लगभग 250 ग्राम पंचायतों में जन जागृति का कार्यक्रम रहेगा। यह यात्रा 1350 से 1400 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। यात्रा के पोस्टर का विमोचन केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने किया, पोस्टर विमोचन में संतोष पुरोहित, भगवान सिंह मेड़तिया, जसराज सिंवर, विक्रम राजपुरोहित, दाउ लहरी, उपस्थित रहे।

भारतीय जनता पार्टी ने धूमधाम से मनाई संत रविदास की जयंती

किशनगंज (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी ने ठाकुरगंज नगर गोथरा दलित बस्ती मे संत शिरोमणि रवि दास जी की जयंती धूमधाम से मनाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष अतुल सिंह नें किया। भाजपा कार्यकर्त्ता नें संत रविदास की चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दिए। नगर अध्यक्ष अतुल सिंह कहा कि संत रविदास का इतिहास भक्ति आंदोलन से जुड़ा है। वें एक कवि, समाज सुधारक और आध्यात्मिक व्यक्ति थे। उन्होंने जातिवाद और लिंगवाद का भेदभाव दूर करने की शिक्षा दी। मौके पर भाजपा नगर अध्यक्ष अतुल सिंह, कार्यक्रम प्रभारी अरुण सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता नरेश जैन, लोजपा नेता किशनबाबू पासवान सहित अन्य लोग मौजूद रहें।

दुनिया के किसी भी देश में ऐसा मानव समागम इतिहास में कभी नहीं हुआ : नार्वे के पूर्व मंत्री

महाकुंभ पहुंचे नार्वे के पूर्व जलवायु एवं पर्यावरण मंत्री एरिक सोलहेम

महाकुंभ नगर (हिंस)। महाकुंभ के दिव्य-भव्य आयोजन के लिए संकल्पबद्ध प्रदेश की योगी सरकार ने इस महाआयोजन को विश्वस्तर पर लोकप्रिय कर दिया है। पूरी दुनिया से लोग प्रयागराज महाकुंभ की अनुभूति करने आ रहे हैं। इसी क्रम में नॉर्वे के पूर्व जलवायु एवं पर्यावरण मंत्री एरिक सोलहेम महाकुंभ पहुंचे। उन्होंने इस महाआयोजन को *अद्वितीय और जीवन में एक बार मिलने वाला अनुभव* बताया। उन्होंने इसे न केवल विश्व का सबसे बड़ा आध्यात्मिक आयोजन बल्कि इतिहास का सबसे विशाल मानव समागम भी करार दिया। एरिक सोलहैम ने इस भव्य आयोजन की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि मानव इतिहास में इससे बड़ा कोई आयोजन कभी नहीं हुआ, न अमेरिका में, न यूरोप में, न चीन में और न ही विश्व के किसी अन्य कोने में। नॉर्वे के पूर्व जलवायु एवं पर्यावरण मंत्री एरिक सोलहेम ने कहा कि महाकुंभ 2025 में अब तक 400 मिलियन (40 करोड़) से अधिक श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। ये श्रद्धालु यहां देवों का आशीर्वाद लेने, आध्यात्मिक और भावनात्मक यात्रा पर निकलने, मित्रता को प्रगाढ़ करने तथा परिवार के साथ पर्व मनाने के लिए जुटे हैं। यह मेरे लिए जीवन में एक बार होने वाला अनुभव था। उन्होंने कहा कि ये मेरे लिए अविस्मरणीय अनुभव है और मुझे यहां आकर बहुत खुशी हुई, क्योंकि अगला महाकुंभ 144 साल बाद होगा। सुरक्षा, स्वच्छता, यातायात प्रबंधन व डिजिटल सुविधाओं के कारण न केवल करोड़ों सनातनी बल्कि पूरी दुनिया से विभिन्न धर्मों के लोग भी महाकुंभ की अनुभूति करने आ रहे हैं। योगी सरकार द्वारा महाकुंभ के जरिए पूरी दुनिय के सामने भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिकता का भव्य प्रदर्शन कर रहा है। पूरी दुनिया से लोग यहां श्रद्धा, भक्ति और अनुशासन का अद्वितीय संगम देखने के लिए लगातार पहुंच रहे हैं।

दुष्कर्म पीड़िता के पति ने कांग्रेस सांसद पर धमकी देने का लगाया आरोप

सीतापुर (हिंस)। दुष्कर्म के आरोप में सीतापुर जेल में बंद कांग्रेस सांसद के मामले में पीड़िता को धमकाने का नया घटनाक्रम सामने आया है। सांसद राकेश राठौर की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। सीतापुर कोर्ट से जमानत खारिज हो जाने के बाद हाईकोर्ट से भी झटका लग सकता है। मंगलवार की देर रात रेप पीड़िता के पति की ओर से सांसद की करीबी एक महिला पर मुकदमे में सुलह-समझौता करने की धमकी व दवाब डालने का पत्र सार्वजनिक होते ही इस मामले में सांसद की मुश्किलें बढ़ने की संभावनाएं जताई जा रही हैं। पीड़िता के पति की ओर से प्रमुख सचिव गृह के नाम दिए प्रार्थना पत्र में यह आरोप लगाया गया है कि पिछले दिनों जिला जेल में बंद सांसद राकेश राठौर से मुलाकात करने वाली एक महिला उनके घर आई। उसके द्वारा इस प्रकरण में सुलह समझौते करने का दवाब बनाया गया। उसने घर आकर पीड़िता से कहा कि इस मामले में अब समझौता कर लो वरना उन्नाव रेप पीड़िता वाले हालात बन जाएंगे। पीड़िता के पति की ओर से लिखे गए इस प्रार्थना पत्र की प्रतिलिपि मुख्यमंत्री, राज्यपाल, पुलिस महानिदेशक लखनऊ, अतिरिक्त महानिदेशक, जिला अधिकारी सीतापुर एवं पुलिस अधीक्षक को भी भेजी गई है। बताया जा रहा है कि पीड़िता के पति की ओर से इस पूरे घटनाक्रम का अपने घर पर लगे सीसीटीवी फुटेज भी सीतापुर पुलिस को सौंप दिया गया है। इस मामले में सीतापुर कोतवाल अनूप शुक्ला ने बताया कि प्रार्थना पत्र की जानकारी हुई है, उसकी गंभीरता से जांच की जा रही है।

दुर्ग के पीछे जंगल में छिपा रखे थे चोरी के वाहन, 15 बाइक बरामद, एक गिरफ्तार

चित्तौड़गढ़ (हिंस)। शहर की कोतवाली थाना पुलिस ने वाहन चोरी की घटना का खुलासा करते हुए राजसमन्द जिले निवासी एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। इसकी निशादेही से चोरी की 15 बाइक बरामद की है। आरोपी ने यह बाइक चित्तौड़गढ़ जिले सहित भीलवाड़ा, पाली, राजसमन्द, ब्यावर जिले से चोरी की थी। आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी वाहन चोरी के सात मामलों में चालान हो चुका है। पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि गत शनिवार को शहर के इंडियन बैंक के बाहर से मान्दलदा निवासी गौरीलाल पुत्र मांगीलाल गुर्जर की बाइक अज्ञात बदमाश चोरी कर ले गए थे। इस पर कोतवाली चित्तौड़गढ़ थाने पर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई। कोतवाली थाने की गठित टीम ने शहर में लगे सीसी टीवी फुटेज का विश्लेषण कर तकनीकी साक्ष्य जुटाए।

सीएम योगी ने बनाया बेहतरीन माहौल, अब मेडल लाना युवाओं की जिम्मेदारी : मैरीकॉम

खेल महाकुंभ के मंच पर विश्वप्रसिद्ध बॉक्सर मैरी कॉम ने युवाओं को दिया जीत का मंत्र

महाकुंभ नगर (हिंस)। क्रीड़ा भारती और टीवाईसी द्वारा आयोजित *खेल महाकुंभ* के 7वें दिन बुधवार को इंटरनेशनल बॉक्सर मैरी कॉम भी सम्मिलित हुईं। खेल संवाद संगम के संवाद सत्र में चर्चा करते हुए पूर्व राज्यसभा सांसद और विश्व विजेता रहीं महिला बॉक्सर मैरी कॉम ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश में खिलाड़ियों को बहुत सपोर्ट किया है, अब मेंडल लाने की जिम्मेदारी युवा खिलाड़ियों की है। मैरीकॉम ने कहा कि मैं बचपन में हर खेल खेलती थी, तब मुझे बॉक्सिंग के बारे में पता ही नहीं था। अभाव में बचपन बीता, लेकिन खेल के प्रति जुनून जारी रहा। बॉक्सिंग का अभ्यास बाद में जब शुरू हुआ तो ठान लिया कि टॉप तक जाना है। युवा खिलाड़ियों से भी कहना चाहती हूं कि जो भी करो, बस एक जगह फोकस करके पूरा मन लगाकर करो। अपने मन को मजबूत रखो, अनुशासन में रहो और जुनून जिंदा रखो तो जीत तुम्हारी होगी। उन्होंने कहा कि क्रिकेट की तरह बाकी खेलों को भी लोकप्रियता मिलनी चाहिए। 30 से ज्यादा देशों के साथ खेल कर मैं वर्ल्ड चैंपियन रही। उसके बाद भी महिला बॉक्सिंग को इतनी बड़ी पहचान नहीं मिल पाई, इसका मलाल है। शादी और बच्चे होने के बाद मैं सिर्फ और बेहतर करने की सोच और मेडल की भूख की वजह से वापस और मजबूती के साथ बॉक्सिंग में आई। खेल महाकुंभ में 70 मीटर रेंज की तीरंदाजी प्रतियोगिता में युवा खिलाड़ियों ने अपने अचूक निशाने का प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मैडल अपने नाम किया। सीनियर ब्वॉयज में मथुरा के ईशु सिंह, सीनियर गर्ल्स में शामली की राखी, जूनियर ब्वॉयज में कानपुर के हरी शुक्ला, जूनियर गर्ल्स में गाजीपुर की खुशी श्रीवास्तव ने गोल्ड मैडल अपने नाम किया। निर्णायक की भूमिका में विशाल और राजाबाबू और इंटरनेशनल कोच विश्वास मौजूद रहे। गुरुवार को प्रदेश के खेल मंत्री कार्यक्रम का समापन करेंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि ओडिशा से बीजेपी सांसद सुकांता कुमार पाणिग्रहि और पतंजलि के संपर्क प्रमुख बजरंग देव मौजूद रहे। इसके साथ ही क्रीड़ा भारती के प्रदेश उपाध्यक्ष अंगद सिंह, क्षेत्रीय संयोजक रजत दीक्षित, काशी प्रांत अध्यक्ष पंकज श्रीवास्तव, काशी प्रांत उपाध्यक्ष दिनेश जायसवाल समेत क्रीड़ा भारती के तमाम पदाधिकारी और खिलाड़ी मौजूद रहे।

माघी पूर्णिमा को लेकर गंगा तटों पर उमड़ा आस्था का सैलाब

भागलपुर (हिंस)। माघी पूर्णिमा को लेकर बुधवार को जिले के विभिन्न गंगा घाटों पर स्नान करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। बरारी सीढ़ी घाट, पुल घाट, मुसहरी घाट आदि स्थानों पर स्नान करने के लिए मध्यरात्रि के बाद से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। लोगों ने मां गंगा, भगवान सूर्य आदि देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना की। सुबह 10 बजे तक गंगा घाट जाने वालों मार्गों पर भीड़ लगी रही। हालांकि, व्यवस्था बरकरार रखने के लिए पुलिस की ओर से पुख्ता इंतजाम किए गए थे। माघी पूर्णिमा पर कहीं भगवान सत्यनारायण की पूजा, तो कहीं माता त्रिपुर सुंदरी की पूजा विधि-विधान से की गई। सुलतानगंज स्थित पवित्र उत्तरवाहिनी गंगा तट पर माघी पूर्णिमा को लेकर गंगा स्नान के लिए नेपाल, यूपी, झारखंड, बिहार के कई जिला सहित मिथिलांचल के श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। अहले सुबह से ही भक्तों की भीड़ गंगा तट पर पहुंचने लगी। लोगों की भीड़ लगने का सिलसिला दोपहर बाद तक जारी रहा। श्रद्धालुओं ने पवित्र उत्तरवाहिनी गंगा में डुबकी लगा पूजा-अर्चना किया। उत्तरवाहिनी गंगा घाट पर श्रद्धालुओं की भीड़ और सुरक्षित स्नान को लेकर नगर परिषद की ओर से बांस की बैरिकेडिंग कराई गई थी। घाट पर साफ-सफाई को लेकर विशेष इंतजाम था। कई जिले से पहुंचे श्रद्धालुओं ने मनोवांछित फल की प्राप्ति पर सैकड़ों मुंडन संस्कार कराया। गंगा में पाठी प्रवाहित किया। जगह-जगह पुलिस बल के अलावा महिला पुलिस बल की भी तैनाती की गई थी। पूर्णिमा पर दूर दराज से आये भक्तों ने बाबा अजगैबीनाथ की पूजा की। भक्तों ने बाबा का जलाभिषेक किया।

सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में तेजी जारी, 80000 के पार पहुंचा 22 कैरेट सोना

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में सोना नई ऊंचाई पर पहुंचा हुआ है। बाजार में आई तेजी के कारण 22 कैरेट सोना पहली बार 80 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर को पार कर गया है। की तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 87,390 रुपये से लेकर 87,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 80,110 रुपये से लेकर 80,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है। चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत भी 99,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 87,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 80,260 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 87,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 87,440 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 80,160 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 87,390 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 80,110 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 87,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 87,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 80,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 87,440 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 80,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 87,540 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज़ ब्रीफ

ऐपल इंक ने 1 लाख करोड़ के आईफोन किए निर्यात, बनाया रिकॉर्ड

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2025 के पहले 10 महीनों (अप्रैल से जनवरी) में टेक दिग्गज ऐपल इंक कंपनी ने 1 लाख करोड़ रुपये के एफओबी मूल्य वाले आईफोन निर्यात का आंकड़ा पार कर लिया है। ऐपल इंक ने भारत से आईफोन निर्यात में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। पिछले साल की समान अवधि की तुलना में यह आंकड़ा करीब 31 प्रतिशत अधिक है। जनवरी 2025 में कंपनी ने 19,000 करोड़ रुपये मूल्य के आईफोन निर्यात किए, जो अब तक का सर्वाधिक मासिक निर्यात है। इससे पहले, दिसंबर 2024 में ऐपल ने 14,000 करोड़ रुपये के आईफोन का निर्यात किया था। अक्टूबर 2024 में आईफोन 16 के लॉन्च के बाद भारत में भी इसका उत्पादन शुरू हुआ, जिससे निर्यात में और तेजी आई। अक्टूबर से ही कंपनी हर महीने 10,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के आईफोन निर्यात कर रही है। भारत में ऐपल के आईफोन का उत्पादन करने वाली कंपनियां फॉक्सकॉन, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और पेगाट्रॉन हैं। टाटा ने हाल ही में पेगाट्रॉन में बहुलांश हिस्सेदारी खरीदी है। 2021 से ये कंपनियां भारत सरकार की प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना के तहत आईफोन निर्माण कर रही हैं, जिससे निर्यात में बड़ा उछाल आया है। सूत्रों के मुताबिक, ऐपल ने न सिर्फ उत्पादन बढ़ाया है बल्कि घरेलू आपूर्ति श्रृंखला को भी सशक्त किया है। इससे आईफोन में स्थानीय मूल्यवर्धन बढ़ा है। 2020 में यह केवल 5-6 प्रतिशत था, लेकिन अब यह 15-18 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। कुछ मॉडल्स में यह और भी अधिक है। सरकार भी स्थानीय मूल्यवर्धन को बढ़ाने पर नजर बनाए हुए है।

अडानी ग्रुप ने की मेयो से साझेदारी, भारत में करेंगे हेल्थ सिटी का निर्माण

अहमदाबाद। अडानी समूह ने अमेरिका की प्रतिष्ठित मेयो क्लिनिक के साथ साझेदारी कर अडानी हेल्थ सिटी (एएचसी) की शुरुआत की है। इसका उद्देश्य विश्वस्तरीय चिकित्सा अनुसंधान, किफायती स्वास्थ्य सेवाएं और मेडिकल शिक्षा को बढ़ावा देना है। अडानी परिवार ने पहले दो हेल्थ सिटी परिसरों के निर्माण के लिए 6 हजार करोड़ रुपए दान किए हैं। मुंबई और अहमदाबाद में एक हजार बिस्तरों वाले मल्टी-सुपर-स्पेशलिटी अस्पताल और मेडिकल कॉलेज बनाए जाएंगे। यह दान हाल ही में जीत अडानी की शादी के अवसर पर घोषित 10 हजार करोड़ रुपए के सामाजिक योगदान का हिस्सा है। गौतम अडानी ने कहा कि यह पहल पूरे भारत में अत्याधुनिक चिकित्सा इनोवेशन लाने की दिशा में एक अहम कदम है। दुनिया के सबसे बड़े गैर-लाभकारी चिकित्सा समूह मेयो क्लिनिक की तकनीकी विशेषज्ञता का इस्तेमाल एएचसी परिसरों में किया जाएगा। इन परिसरों में मेडिकल कॉलेज, अनुसंधान केंद्र और आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं होंगी। हर साल यहां 150 स्नातक, 80 से ज्यादा निवासी और 40 से ज्यादा फेलो को प्रवेश मिलेगा। अडानी हेल्थ सिटी का उद्देश्य सभी वर्गों के लोगों को किफायती और विश्वस्तरीय चिकित्सा सेवाएं प्रदान करना है।

अनिल अंबानी की कंपनी को माह के आखिर तक मिल जाएगा नया मालिक

मुंबई। देश के सबसे अमीर इंसान मुकेश अंबानी के भाई अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस कैपिटल को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। अब इसके बिकने का रास्ता बिल्कुल साफ हो गया है। माह के अंत तक नया मालिक मिल जाएगा। दरअसल, राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने कर्ज में डूबी इस कंपनी का अधिग्रहण करने के आईआईएचएल के अनुरोध को स्वीकार किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग्स लिमिटेड (आईआईएचएल) के 26 फरवरी तक रिलायंस कैपिटल का अधिग्रहण करने का रास्ता अब साफ हो गया है। बता दें कि ये हिंदुजा ग्रुप की कंपनी है। लंबे समय से अनिल की इस कंपनी की बिक्री को लेकर जद्दोजहद जारी थी और अब इस मामले से जुड़े सभी विवाद, खासकर बार्कलेज और 360 वन जैसी उधार देने वाली कंपनियों की चिंता को भी सुलझा लिया गया है। वहीं हिंदुजा ग्रुप की कंपनी आईआईएचएल ने आश्वासन दिया है कि वे रिलायंस कैपिटल के लेंडर्स के लिए समाधान योजना वैल्यू के कुल 9,861 करोड़ के भुगतान को जरूरी शेष 4,300 करोड़ रुपये की राशि तैयार है। बता दें कि अगस्त 2024 में आईआईएचएल ने पहले ही 2,750 करोड़ रुपये जमा कराए थे और बाकी के 3,000 करोड़ रुपये एस्क्रो खाते में रखे थे।

सेल का तीसरी तिमाही में मुनाफा 66 फीसदी घटकर 142 करोड़ रुपये

नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया (सेल) ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त तीसरी तिमाही और नौ माह के दौरान सेल का एकीकृत शुद्ध लाभ 66 फीसदी घटकर 141.89 करोड़ रुपये रह गया। पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की समान तिमाही में कंपनी को 422.92 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था।

कंपनी ने बुधवार को जारी एक बयान में बताया कि शेयर बाजार को मंगलवार को दी गई जानकारी के मुताबिक स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) की कुल इनकम बढ़कर 24,723.43 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 23,492.33 करोड़ रुपये थी। हालांकि, अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में इस्पात उत्पादक कंपनी सेल का खर्च बढ़कर 24,560.47 करोड़ रुपये हो गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 23,140.81 करोड़ रुपये था। इस्पात मंत्रालय ने जारी बयान में कहा कि इनकम की तुलना में खर्च अधिक बढ़ जाने से लाभ में कमी आई है। सेल को चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में परिचालन से प्राप्त राजस्व 24,490 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में प्राप्त 23,349 करोड़ रुपये से 5 फीसदी अधिक है। सेल के शेयर कारोबार के दौरान बीएसई पर 3.5 फीसदी उछलकर 103.65 रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। वित्तीय परिणामों की जानकारी देते हुए सेल के अध्यक्ष अमरेंदु प्रकाश ने कहा कि घटती कीमतों और सस्ते आयातों की वृद्धि से प्रभावित चुनौतीपूर्ण इस्पात बाजार के सामने सेल ने पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि की तुलना में चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही के दौरान बेहतर ईबीआईटीडीए हासिल करने में सफलता प्राप्त की है।

चालू वित्त वर्ष में सरकार का टैक्स से भर रहा खजाना, डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन में आया उछाल

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष में सरकार की टैक्स से आय लगातार बढ़ रही है। देश का नेट डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन 1 अप्रैल से 10 फरवरी की अवधि के बीच पिछले साल की तुलना में 14.69 फीसदी बढ़कर 17.78 लाख करोड़ रुपए हो गया है। डायरेक्ट टैक्सेज में कॉर्पोरेट और पर्सनल टैक्स शामिल हैं। सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्स के डेटा के मुताबिक नेट नॉन-कॉरपोरेट टैक्स कलेक्शन सालाना आधार पर 21 फीसदी बढ़कर करीब 9.48 लाख करोड़ रुपए हो गया है। नॉन-कॉरपोरेट टैक्स में मुख्य रूप से पर्सनल इनकम टैक्स शामिल है। 1 अप्रैल, 2024 से 10 फरवरी, 2025 के बीच नेट कॉरपोरेट टैक्स कलेक्शन 6 फीसदी से ज्यादा बढ़कर 7.78 लाख करोड़ से ज्यादा हो गया है। सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) से नेट कनेक्शन चालू वित्त वर्ष में अब तक 65 फीसदी बढ़कर 49,201 करोड़ रुपए हो गया है। इस अवधि में 4.10 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा के रिफंड जारी किए हैं। मोटे अर्थों में टैक्स 2 कैटेगरी में बांटा जाता है। डायरेक्ट टैक्स और इनडायरेक्ट टैक्स। डायरेक्ट टैक्स वह है, जो सीधे लिया जाता है। इनकम टैक्स, शेयर या दूसरी प्रॉपर्टी की आय पर लगने वाले टैक्स, कॉर्पोरेट टैक्स, विरासत में मिली संपत्ति पर टैक्स इसी कैटेगरी में आते हैं। इनडायरेक्ट टैक्स सीधे-सीधे तो आम आदमी से नहीं लिया जाता है, लेकिन किसी न किसी तरह से ये आम आदमी को ही देना होता है। मिसाल के तौर पर एक्साइज टैक्स, जीएसटी, कस्टम टैक्स। ये टैक्स सीधे तो नहीं जाता है लेकिन किसी तरह की सर्विस या खरीदी पर ये देना होता है।

सेमीकंडक्टर बाजार 2030 तक 13 प्रतिशत की चक्रवृद्धि दर से बढ़ने की उम्मीद

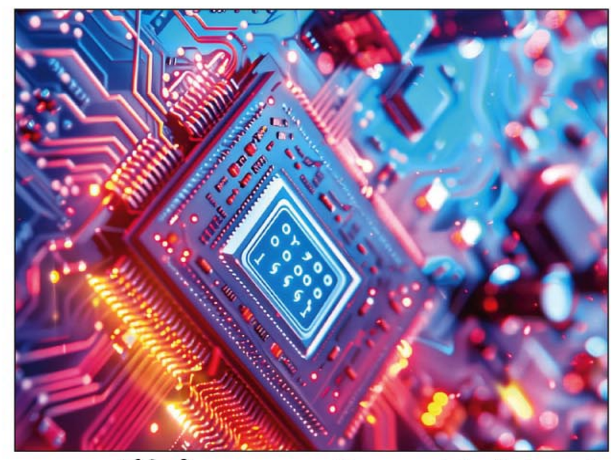

नई दिल्ली

प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम से भारत का सेमीकंडक्टर बाजार 2030 तक 13 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ने की उम्मीद है। वर्तमान में साल 2024-25 में यह बाजार 52 अरब डॉलर का है।

भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर एसोसिएशन (आईईएसए) के अनुसार, ऑटोमोटिव और औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्र मूल्य-संवर्धन के अवसर प्रदान कर रहे हैं।

मोबाइल हैंडसेट, आईटी और औद्योगिक एप्लिकेशन सेमीकंडक्टर सेक्टर की आय में लगभग 70 प्रतिशत का योगदान दे रहे हैं और इसके प्रमुख विकास चालक बने हुए हैं। भारत का सेमीकंडक्टर मार्केट 2030 तक बढ़कर 103.4 अरब डॉलर तक पहुंचने की संभावना है, जिससे 400 अरब डॉलर से अधिक के इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार को भी समर्थन मिलेगा। आईईएसए के अध्यक्ष अशोक चांडक के अनुसार, सरकार द्वारा फैब और ओएसएटी यूनिट्स के लिए लक्षित प्रोत्साहन, आरएंडडी निवेश में वृद्धि और इंडस्ट्री के सहयोगात्मक प्रयास भारत के सेमीकंडक्टर सेक्टर को गति प्रदान कर रहे हैं।

पिछले वर्ष में आईईएसए सदस्य कंपनियों ने इस क्षेत्र में 21 अरब डॉलर की निवेश परियोजनाओं की घोषणा की है। भारत को वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स इकोसिस्टम में अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिए स्थानीय सेमीकंडक्टर डिजाइन और मैन्युफैक्चरिंग पर अधिक ध्यान देना होगा। इससे देश की आयात पर निर्भरता कम होगी और आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। इस सेक्टर की मजबूती के लिए एक कुशल कार्यबल बेहद महत्वपूर्ण है, जिसे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से तैयार किया जा सकता है।

कोयला मंत्रालय ने प्रोत्साहन योजना की श्रेणी के तहत चयनित आवेदकों को जारी किए पुरस्कार पत्र

कोयला मंत्रालय ने देश की महत्वाकांक्षी कोयला गैसीकरण पहल के तहत 8,500 करोड़ रुपये की कोयला गैसीकरण प्रोत्साहन योजना की श्रेणी के तहत चयनित आवेदकों को पुरस्कार पत्र (एलओए) जारी किए हैं। कोयला मंत्रालय ने बुधवार को जारी एक बयान में कहा कि भारत की महत्वाकांक्षी कोयला गैसीकरण पहल के तहत 8,500 करोड़ रुपये की कोयला गैसीकरण प्रोत्साहन योजना की श्रेणी के तहत चयनित आवेदकों को पुरस्कार पत्र जारी किए गए हैं। मंत्रालय ने कहा कि कोयला सचिव विक्रम देव दत्त ने अतिरिक्त सचिव विस्मिता तेज, ओएसडी (तकनीकी) आशीष कुमार और निदेशक (तकनीकी) बीके ठाकुर की गरिमामय उपस्थिति में पुरस्कार पत्र प्रदान किए। निजी क्षेत्र/सरकारी सार्वजनिक उपक्रम (प्रति परियोजना 1,000 करोड़ रुपये या पूंजीगत व्यय का 15 फीसदी, जो भी कम हो) के आवंटन के लिए पुरस्कार। इसके तहत जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड-अंगुल, ओडिशा में 2एमएमटीपीए कोयला गैसीकरण परियोजना को वित्तीय प्रोत्साहन में 569.05 करोड़ रुपये का पुरस्कार दिया गया है।

जुकरबर्ग की मेटा 5 फीसदी कर्मचारियों को कर रही बाहर

कंपनी ने कहा- नई भर्ती की कोई तय समयसीमा नहीं

नई दिल्ली

मेटा एक और कर्मचारियों की छंटनी की तैयारी कर रही है। लीक हुए एक आंतरिक मेमो के मुताबिक कंपनी अपने कुल कर्मचारियों का 5 फीसदी यानी करीब 3 हजार लोगों की छंटनी कर सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक मेटा के एचआर वाइस प्रेसिडेंट द्वारा कंपनी के आंतरिक वर्कप्लेस फोरम पर यह मेमो पोस्ट किया गया था जिसमें लिखा था कि प्रभावित कर्मचारियों को सोमवार को ईमेल के जरिए छंटनी की सूचना दी जाएगी। कुछ अंतरराष्ट्रीय कर्मचारियों की छंटनी रविवार से ही शुरू हो गई है।

कंपनी के एसआर ने स्वीकार किया कि यह स्थिति कठिन है, खासकर उन टीमों के लिए जिनके मैनेजर या सहकर्मी नौकरी खो देंगे। उन्होंने बताया कि मेटा के ऑफिस खुले रहेंगे, लेकिन जिन कर्मचारियों को जरूरत हो, वे रिमोट वर्क कर सकते हैं। मेटा ने पहले भी कमजोर प्रदर्शन करने वालों को हटाने की नीति अपनाई थी, लेकिन इस बार बड़े पैमाने पर प्रदर्शन समीक्षा के आधार पर छंटनी हो रही है। सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने पहले ही संकेत दिया था कि कंपनी प्रदर्शन मानकों को सख्त कर रही है। हाल ही में अमेजन और सेल्सफोर्स जैसी टेक कंपनियों ने भी बड़ी संख्या में कर्मचारियों को बाहर कर दिया है।

फिलहाल यह साफ नहीं हो सका है कि ये भूमिकाएं भविष्य में फिर से भरी जाएंगी या नहीं। हालांकि, कंपनी ने कहा है कि नई भर्ती की कोई तय समयसीमा नहीं है। टेक कंपनियां कुशलता बढ़ाने और लागत घटाने के लिए बड़े पैमाने पर कर्मचारियों की छंटनी कर रही हैं। मेटा की यह छंटनी टेक इंडस्ट्री में जारी इस ट्रेंड को और तेज कर सकती है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार करके बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी मामूली उतार-चढ़ाव के साथ सपाट स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। हालांकि यूरोपीय बाजारों में पिछले सत्र के दौरान आमतौर पर खरीदारी का माहौल बना रहा। वहीं एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। डाउ जॉन्स 123 अंक की मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 0.03 प्रतिशत की सांकेतिक तेजी के साथ 6,068.50 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके विपरीत नैस्डेक 0.36 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 19,642.78 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक गिरावट के साथ 44,589.64 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। यूरोपीय बाजारों में पिछले सत्र के दौरान खरीदारी होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.11 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,777.39 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.28 प्रतिशत की तेजी के साथ 8,028.90 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 126.09 अंक यानी 0.57 प्रतिशत उछल कर 22,037.83 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 4 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 4 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। थाईलैंड के स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से सेट कंपोजिट इंडेक्स में कोई हलचल नहीं है। गिफ्ट निफ्टी फिलहाल 125 अंक यानी 0.54 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,002.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.07 प्रतिशत फिसल कर 3858 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा ताईवान वेटेड इंडेक्स 0.04 प्रतिशत टूट कर 23,374.91 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.01 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 3,317.83 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। दूसरी ओर, निक्केई इंडेक्स 0.19 प्रतिशत की तेजी के साथ 38,874.81 अंक स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.24 प्रतिशत की बढ़त के साथ 2,545.23 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। हैंग सेंग इंडेक्स ने जोरदार मजबूती दर्ज की है। फिलहाल ये सूचकांक 327.15 अंक यानी 1.54 प्रतिशत उछल कर 21,622.01 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.71 प्रतिशत की बढ़त के साथ 6,578.55 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

पटना के मोइनुल हक स्टेडियम को विश्व स्तरीय मुकाबले के लिए अत्याधुनिक रुप देगा बीसीए

पटना

आने वाले समय में बिहार की राजधानी पटना के मोइनुल हक स्टेडियम में विश्व कप सहित कई बड़े मैचों का आयोजन होगा। इसका कारण है कि इस स्टेडियम को अब अत्याधुनिक बनाया जाएगा। इसके लिए हार क्रिकेट संघ (बीसीए) ने एक करार भी किया है। बीसीए का लक्ष्य इस इस क्रिकेट स्टेडियम को आधुनिक सुविधाओं से लैस करना है जिससे यहां राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के मैचों की मेजबानी की जा सके।

बीसीए स्टेडियम के पुनर्निर्माण के लिए सभी जरुरी बदलाव किये जाने के प्रयास कर रहा है। नई परियोजना के तहत विभिन्न दीर्घाओं और स्टैंडों के लिए प्रवेश और निकास आसान बनायी जाएगी। इसके साथ ही 40-50 हजार लोगों के बैठने की भी व्यवस्था होगी। घरेलू और भ्रमणकारी टीमों के लिए आधुनिक ड्रेसिंग रूम, अत्याधुनिक पवेलियन, कॉर्पोरेट बॉक्स, वीआईपी लाउंज, प्रेस बॉक्स, मैच अधिकारियों के लिए विशेष सुविधाएं, आईसीसी और बीसीसीआई के मानकों के अनुरूप स्टेडियम का विकास किया जाएगा। बीसीए प्रबंधन के अनुसार इस स्टेडियम को एक संपूर्ण खेल परिसर के रूप में तैयार किया जाएगा, जहां खिलाड़ियों और दर्शकों के लिए सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसमें खिलाड़ियों के लिए पांच सितारा होटल और हॉस्टल, स्विमिंग पूल, इंडोर क्रिकेट सुविधा, टेनिस, बैडमिंटन और वॉलीबॉल कोर्ट, आधुनिक जिम, स्पा, फिजियो रूम और वीडियो विश्लेषण केंद्र, रेस्टोरेंट, क्लब हाउस, कॉन्फ्रेंस हॉल और सेमिनार रूम के साथ शुद्ध पेयजल और उच्च स्तरीय शौचालय सुविधाएं उपलब्ध होग। इस परियोजना को जल्द से जल्द पूरा किये जाने के प्रयास होंगे। विशेषज्ञों की एक टीम ने भी इसका जायजा लिया है। स्टेडियम के पुनर्निर्माण की सारी प्रक्रिया जल्द पूरी कर तीन साल में स्टेडियम का काम पूरा करने का लक्ष्य है। इसमें निर्माण की अनुमानित लागत 400 करोड़ से 500 करोड़ रुपए है, जबकि परिसर के सालाना रख-रखाव पर प्रति वर्ष 15 करोड़ से 20 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।

न्यूज ब्रीफ

चैम्पियंस ट्रॉफी में तब अंतिम जोड़ी ने वेस्टइंडीज को जिताया था खिताब

लंदन। 19 फरवरी से शुरु होने वाली आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 का प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। पाकिस्तान में खेल जाने वाली इस चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम के मैच दुबई में खेले जाएंगे। चैम्पियंस ट्रॉफी के इतिहास में एक से बढ़कर एक मुकाबले खेले गए हैं। इसमें साल 2004 का फाइनल सबसे यादगार कहा जा सकता है जब वेस्टइंडीज के निचले क्रम के बल्लेबाजों ने अपनी शानदार बल्लेबाजी से मैच पलट दिया। उस मैच में इंग्लैंड के हाथ आई जीत निकल गयी थी। ये मैच चैम्पियंस ट्रॉफी के इतिहास का अब तक का सबसे रोमांचक मैच माना जाता है। को लंदन के द ओवल इस मैच में इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.4 ओवरों में 217 रन बनाए थे। इसके बाद 218 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही। उसकी आधी टीम 80 रनों के स्कोर तक पेवेलियन लौट गयी थी। वेस्टइंडीज का स्कोर 8 विकेट पर 147 रन था और वह हार की कगार पर थी पर इसके बाद नौवे नंबर के बल्लेबाज कर्टनी ब्राउन और दसवें नंबर-के इयान ब्रैडशॉ ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 71 रनों की साझेदारी करके वेस्टइंडीज को जीत दिला दी थी। उस मैच में विकेटकीपर कर्टनी ब्राउन ने 55 गेंदों पर नॉटआउट 35 रन बनाए, जिसमें 2 चौके शामिल रहे. जबकि ब्रैडशॉ 51 गेंदों पर 34 रन बनाकर नॉटआउट लौटे।

रणतुंगा ने कहा, गावस्कर, वेंगसरकर और द्रविड़ से सलाह लें विराट, बोले भारत की इस वर्तमान टीम को तीन दिन में हरा देते

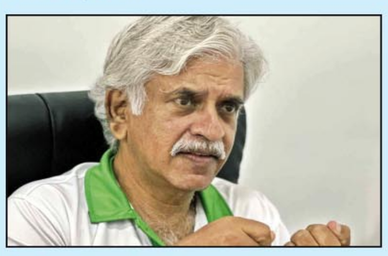

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व कप्तान अर्जुन रणतुंगा ने भारतीय क्रिकेट टी के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की खराब फॉर्म को लेकर कहा है कि उन्हें पूर्व क्रिकेटरों उन्हें सुनील गावस्कर, दिलीप वेंगसरकर और राहुल द्रविड़ जैसे दिग्गजों से सलाह लेनी चाहिये। विराट पिछले कुछ समय से रन बनाने में विफल रहे हैं। भारतीय टेस्ट टीम के लिए विराट के अलावा कप्तान रोहित शर्मा का खराब फार्म भी परेशानी का कारण बना है। इसी को लेकर रणतुंगा ने कहा कोहली अगर सुनील गावस्कर, दिलीप वेंगसरकर या राहुल द्रविड़ जैसे लोगों से बात करें तो अन्हें अवश्य ही लाभ होगा। रणतुंगा ने भारतीय क्रिकेट टीम के हाल के खराब फार्म की जमकर आलोचना की है। रणतुंगा ने कहा कि हमारी 1996 की विश्व कप विजेता टीम वर्तमान भारतीय टीम को तीन दिनों में ही हरा देती। भारतीय टीम को टेस्ट में न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू धरती पर क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा था इसके बाद उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में भी हार झेलनी पड़ी। रणतुंगा ने कहा, वास और मुरली जैसे गेंदबाजों वाली मेरी टीम भारतीय टीम को तीन दिनों में ही हरा देती। राणातुंगा की कप्तानी में हालांकि श्रीलंकाई टीम भारत को एक भी टेस्ट में नहीं हरा पाई। 13 मैचों में उन्हें 5 हार मिली। श्रीलंका की टीम ने 1982 में पहली बार भारत में आकर टेस्ट खेला था।

जब नेहरा ने कोच को घर गिफ्ट किया

नई दिल्ली। भारतीय भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा अपने दौर के बेहतरीन

गेंदबाजों में से एक माने जाते हैं। नेहरा संन्यास के बाद से ही कोच के तौर पर खेल से जुड़े हैं। हाल ही में एक नेहरा को लेकर एक ऐसी बात सामने आई है जिसे जानने के बाद पता चलता है कि वह कितने बड़े दिलवाले हैं। सोशल मीडिया में इसका एक वीडियो भी आया है, इसमें बताया गया है कि नेहरा ने अपने कोच तारक सिन्हा को बेघर होता देख उन्हें नया मकान खरीदकर दिया था। तारक सिन्हा उनके बचपन के कोच थे। . भारतीय क्रिकेट को आशीष नेहरा, शिखर धवन, आकाश चोपड़ा, ऋषभ पंत, मनोज प्रभाकर और अंजुम चोपड़ा जैसे एक से बढ़कर एक स्टार खिलाड़ी देने वाले तारक का 2021 में निधन हो गया था। कमेंटेर पदमजीत सेहरावत ने कहा कि आशीष नेहरा ने अपने कोच का कठिन समय में साथ दिया था। सेहरावत ने कहा कि जब नेहरा को जब पता चला कि कोच तारक सिन्हा को किराए का घर खाली करने का नोटिस मिला है तो उन्होंने 3 दिन में नया घर खरीदकर उनको उपहार में दिया।

राष्ट्रीय खेल

टेबल टेनिस मिश्रित डबल्स में दिखा रोमांच, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल ने किया दमदार प्रदर्शन

देहरादून

38वें राष्ट्रीय खेलों में टेबल टेनिस के मिश्रित डबल्स मुकाबले रोमांच से भरपूर रहे। पारेड ग्राउंड के मल्टी पर्पस हॉल में हुए इन मैचों में खिलाड़ियों ने अपने कौशल और जुझारूपन का शानदार प्रदर्शन किया।

पहले मुकाबले में पश्चिम बंगाल के अनिर्बान घोष और अहीका मुखर्जी ने तमिलनाडु के अमलराज एंथनी और शिवशंकर एंथनी को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। तमिलनाडु की जोड़ी ने पहला सेट 7-11 से जीता, लेकिन इसके बाद पश्चिम बंगाल ने 11-3, 11-6 और 11-4 से लगातार तीन सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

दूसरे मुकाबले में महाराष्ट्र की कश मोदी और तनीषा कोटेचा ने पश्चिम बंगाल के रोनित भंजा और सुत्रीथा मुखर्जी को हराया। पहला सेट पश्चिम बंगाल की जोड़ी ने 13-15 से जीता, लेकिन कश और तनीषा ने दमदार वापसी करते हुए 11-3, 11-8 और 11-4 से तीन सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

तीसरे मुकाबले में महाराष्ट्र के अल्बुकर्क रेगन और स्वस्तिका घोष ने पश्चिम बंगाल के आकाश पाल और पॉयमाम्टी बैसिया को कड़े मुकाबले में 3-2 से हराया। पहले दो सेट महाराष्ट्र ने 11-7 और 11-5 से जीते, लेकिन पश्चिम बंगाल की जोड़ी ने 7-11 और 8-11 से वापसी कर ली। हालांकि, निर्णायक सेट में महाराष्ट्र ने 11-8 से जीत दर्ज की।

चौथे और अंतिम मुकाबले में महाराष्ट्र के चिनमय सोमैया और रीथ ऋष्या ने तमिलनाडु के सथियान ज्ञानसेकरन और सेलेना दीप्ती सेल्वकुमार को हराया। तमिलनाडु ने पहला सेट 5-11 से जीता, लेकिन महाराष्ट्र ने दूसरे सेट में 11-9 से बराबरी कर ली। इसके बाद तमिलनाडु ने 9-11 से बढ़त बनाई, लेकिन महाराष्ट्र ने अगले दो सेट 11-4 और 11-7 से जीतकर मुकाबला अपने नाम किया।

टेबल टेनिस के इन रोमांचक मुकाबलों ने दर्शकों को बेहद उत्साहित किया और खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत व खेल के प्रति जुनून की झलक पेश की।

राष्ट्रीय खेल : कयाकिंग और कैनोइंग मुकाबलों के पहले दिन उत्तराखंड के खिलाड़ियों का जलवा

टिहरी। 38वें राष्ट्रीय खेलों के तहत कयाकिंग और कैनोइंग (स्प्रिंट) मुकाबलों का पहला दिन रोमांचक रहा। उत्तराखंड के टिहरी स्थित वाटर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में देशभर के खिलाड़ियों ने अपनी गति और संतुलन का शानदार प्रदर्शन किया। पहले दिन की प्रमुख स्पर्धाओं में उत्तराखंड, सर्विसेज और मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों ने दमखम दिखाया। के-1 पुरुष 1000 मीटर: उत्तराखंड के प्रभात कुमार ने जीता स्वर्ण के-1 पुरुष 1000 मीटर स्पर्धा में उत्तराखंड के प्रभात कुमार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 03:49.81 मिनट के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। सर्विसेज के एल. नाओचा सिंह 03:50.60 मिनट में रेस पूरी कर रजत पदक हासिल किया, जबकि दिल्ली के दीपक प्रजापति ने 03:51.58 मिनट में रेस पूरी कर कांस्य पदक अपने नाम किया। सी-1 पुरुष 1000 मीटर: सर्विसेज के ज्ञानेश्वर सिंह ने मारी बाजी सी-1 पुरुष 1000 मीटर स्पर्धा में सर्विसेज के पीएच ज्ञानेश्वर सिंह ने 04:05.271 मिनट में रेस पूरी कर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। मध्य प्रदेश के अरविंद वर्मा ने 04:05.968 मिनट में रजत पदक जीता, जबकि हरियाणा के हर्ष ने 04:11.015 मिनट के समय के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। सी-1 महिला 200 मीटर: उत्तराखंड की मीरा दास का स्वर्णिम प्रदर्शन सी-1 महिला 200 मीटर स्पर्धा में उत्तराखंड की मीरा दास ने 50.703 सेकंड में रेस पूरी कर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया।

इस साल आईसीसी ट्रॉफी जीत सकती है दक्षिण अफ्रीका : स्मिथ

जोहानिसबर्ग

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ ने कहा है कि इसी साल उनकी टीम आईसीसी ट्रॉफी जीत सकती है। दक्षिण अफ्रीका ने तक कोई भी आईसीसी टूर्नामेंट नहीं जीता है। स्मिथ ने कहा, 'उम्मीद है कि हम अपनी मेजबानी में साल 2027 में होने वाले विश्वकप से पहले ही कोई आईसीसी ट्रॉफी जीत लेगे। फिर चाहे वह चैम्पियंस ट्रॉफी हो या विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल इस पूर्व कप्तान ने कहा, 'अगले तीन साल में हम स्टेडियमों, पिचों और अपने क्रिकेट ढ़ांचे को बेहतर करने के प्रयास जारी रखेंगे जिससे 2027 एकदिवसीय विश्व कप को जीता जा सके। दक्षिण अफ्रीका चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद डब्ल्यूटीसी फाइनल में भी उतरेगी इसमें उसका सामना ऑस्ट्रेलिया से होगा। ये पहली बार है जब दक्षिण अफ्रीकी टीम डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंची है।

स्मिथ ने उन बातों को अधारहीन बताया है जिसमें कहा गया कि डब्ल्यूटीसी फाइनल का दक्षिण अफ्रीका का सफर आसान रहा है। उन्होंने कहा, 'आजकल क्रिकेट में कोई सफर आसान नहीं होता। शुरू ही से सभी टीमों को पता था कि किसे किससे खेलना है। दक्षिण अफ्रीका ने लगातार सात टेस्ट जीतकर क्वालीफाई किया है। सभी को टेस्ट इकोसिस्टम देखना चाहिए कि वह कैसे काम करता है। वहीं लीग क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता को लेकर स्मिथ ने कहा कि टी20 क्रिकेट का बढ़ना तय है पर सभी सदस्य देशों को मिलकर ऐसा मॉडल बनाना होगा कि बाकी प्रारूप भी सुरक्षित रहें। साथ ही कहा कि, 'मैं चाहता हूं कि टेस्ट क्रिकेट मजबूत रहे और अगर छह सात देशों में भी रह गया तो काफी प्रतिस्पर्धी होगा और मजबूत भी बना रहेगा। दुनिया भर में शुरू हो रही फ्रेंचाइजी आधारित टी20 लीग के बीच टेस्ट क्रिकेट के अस्तित्व को बचाये रखने के सवाल पर उन्होंने कहा, 'टी20 क्रिकेट ने अमेरिका और दूसरे क्षेत्रों में नये दर्शक दिए हैं और अब हम आने वाले समय में इसे ओलंपिक में भी देखेंगे। इसने काफी दर्शक जोड़े हैं। मुझे लगता है कि फ्रेंचाइजी आधारित क्रिकेट में अंत में दुनिया की सर्वश्रेष्ठ तीन चार लीग बचेंगी और शायद एक टू टियर सिस्टम। भविष्य में सभी सदस्य देशों को साथ मिलकर एक दूसरे की लीग को मजबूत बनाना होगा।

उन्होंने कहा कि शेड्यूलिंग भी अहम है इससे राजस्व का प्रवाह बना रहता है। वहीं अगर ऐसा नहीं होता है तो टेस्ट क्रिकेट में दबाव आ जाएगा। उन्होंने कहा, 'अगर इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसे देश एक दूसरे से ही खेलते रहे और अफ्रीकी या दूसरे देशों से नहीं खेलेंगे तो उनके लिए राजस्व हासिल करना कठिन हो जाएगा क्योंकि टेस्ट क्रिकेट पर अभी पहले से ही काफी दबाव है।

विराट ने सुरक्षा घेरा तोड़कर महिला प्रशंसक को गले लगाया

पिछले काफी समय से खराब फार्म के कारण आलोचना झेल रहे भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के प्रति प्रशंसकों की दीवानगी किसी से छिपी नहीं है। विराट की झलक पाने कई बार उनके प्रशंसक मैदान में तक आ जाते हैं। वहीं विराट भी अपने प्रशंसकों की भावनाओं का पूरा ध्यान रखते हैं। अब इसी का एक वीडियो वायरल हुआ है। इसमें विराट किसी महिला प्रशंसक को गले लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं। ये प्रशंसक कौन थी ये हालांकि पता नहीं चला है। यह घटना दूसरे एकदिवसीय के बाद की है जब भारतीय टीम तीसरे एकदिवसीय के लिए अहमदाबाद रवाना होने वाली थी। तभी कोहली को सिक्योरिटी चेक एरिया की ओर जाते देखा गया तभी उन्होंने भीड़ में किसी को देखा। इसके बाद विराट ने इस प्रशंसक को गले लगाने के लिए सुरक्षा घेरा तक तोड़ दिया। वह इस प्रशंसक से बात करते भी दिखे। इसके बाद कोहली के चेहरे पर मुस्कान दिखी। इसके बाद से ही प्रशंसक अंदाजा लगा रहे है कि वो प्रशंसक कौन थी, जिसे विराट ने इतना महत्व दिया। ये एक ऐसा पल था जिसने वहां मौजूद प्रशंसकों के चेहरों पर भी मुस्कान ला दी।

बुमराह, यशस्वी चैम्पियंस ट्रॉफी से बाहर हुए , हर्षित राणा और वरुण शामिल

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम 19 फरवरी से होने वाली आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 में मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बिना ही उतरेगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण बुमराह को अंतिम टीम से बाहर कर दिया है। उनकी जगह युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा को शामिल किया गया है। बुमराह के अलावा यशस्वी जायसवाल को भी टीम में जगह नहीं मिली है। वहीं स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को टीम में शामिल किया गया है। वरुण ने इंग्लैंड के खिलाफ डेब्यू करते हुए अच्छा प्रदर्शन किया था। बुमराह के नहीं खेलने से भारतीय टीम को झटका लगा है पर चयन समिति के पास उन्हें बाहर करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। एक रिपोर्ट के अुनसार बुमराह को लेकर मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर, कोच गौतम गंभीर और कप्तान रोहित शर्मा के बीच लंबी बातचीत हुई। इन तीनों ने ही राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के प्रमुख नितिन पटेल की उस रिपोर्ट पर बात की जिसमें कहा गया कि बुमराह ने अपना रिहैब पूरा कर लिया है और स्कैन रिपोर्ट ठीक लग रही है पर ये अभी नहीं कहा जा सकता है कि वह टूर्नामेंट शुरू होने तक पूरी तरह फिट होकर गेंदबाजी कर पाएंगे या नहीं। ऐसे में चयनकर्ता उनको लेकर कोई खतरा मौल नहीं लेना चाहते थे। बुमराह को पांच सप्ताह के लिए कार्यभार से मुक्त रखने को कहा गया है। एनसीए प्रमुख ने फैसला अगरकर पर छोड़ दिया था क्योंकि कोई भी अनफिट खिलाड़ी को टीम में रखना नहीं चाहेगा। अगर मेडिकल टीम किसी खिलाड़ी की फिटनेस को लेकर हरी झंडी नहीं देती है, तो चयन समिति भी उसे शामिल करने का जोखित नहीं ले सकती। अगरकर, गंभीर और कप्तान रोहित के बीच अहमदाबाद में हुई बैठक के दौरान इस बात पर विचार किया गया कि क्या वे चैंपियंस ट्रॉफी में अनफिट बुमराह को लेंगे या हर्षित को रखेंगे। बुमराह को रखने में एक खतरा ये था कि अगर वह मैच में चोटिल हो जाते तो और भी नुकसान होगा। इससे पहले साल 2022 में टी20 विश्व कप से पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक सीरीज के लिए चेतन शर्मा की समिति ने बुमराह को खेलने का अवसर दिया गया था पर उसका परिणाम नुकसानदेह रहा था।

चैंपियंस ट्रॉफी, 2025 के लिए भारतीय टीम: रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उप-कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, रविंद्र जडेजा, वरुण चक्रवर्ती।

ट्रैवलिंग रिजर्व: मोहम्मद सिराज, शिवम दुबे और यशस्वी जयसवाल।

मौली संवादः खेल करियर और गैर-सर्जिकल उपचार पर विशेषज्ञों की चर्चा

देहरादून

38वें राष्ट्रीय खेलों के अंतर्गत आयोजित मौली संवाद में खेलों में करियर, उद्योग में उपलब्ध अवसरों और चोटों के गैर-सर्जिकल उपचार पर गहन चर्चा हुई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को खेल जगत में नए अवसरों से परिचित कराना और इस क्षेत्र से जुड़ी चुनौतियों को समझाना था।

खेल उद्योग में करियर के अवसर

पहले सत्र का विषय खेल से आगे: शिक्षा, करियर और अवसर था। इस सत्र का संचालन मार्केटिंग प्रोफेशनल और नेशनल एशियन चैंपियन प्रतीक सोनवाने ने किया। उन्होंने खेलों को सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि एक आर्थिक शक्ति बताया। इस सत्र में स्पोर्ट्स इंडिया के प्रमुख नील शाह, की को-फाउंडर और की सीईओ नम्रता पारेख, कार्यक्रम निदेशक अरुण कार्तिक और ब्रॉडकास्टिंग हेड गौरव गाला शामिल हुए। नील शाह ने खेलों में करियर बनाने के लिए मेहनत और

सही ज्ञान को आवश्यक बताया। नम्रता पारेख ने खेल मार्केटिंग को तेजी से बढ़ता क्षेत्र बताते हुए कहा कि अनुभव केवल किताबों से नहीं, बल्कि खुद मेहनत करके मिलता है। अरुण कार्तिक ने अमेरिका और भारत की तुलना करते हुए कहा कि यदि कॉलेज स्तर पर खेलों को बढ़ावा दिया जाए, तो खेल उद्योग में नौकरियों के नए अवसर खुल सकते हैं। वहीं, गौरव गाला ने खेल मीडिया और कंटेंट क्रिएशन के बढ़ते अवसरों पर चर्चा की।

महत्वपूर्ण कौशलों पर जोर

विशेषज्ञों से जब खेल उद्योग में सफलता के लिए आवश्यक कौशलों के बारे में पूछा गया, तो नील शाह ने संचार कौशल, अरुण कार्तिक ने नेटवर्किंग, नम्रता पारेख ने उद्यमिता, और गौरव गाला ने आत्मविश्वास को सबसे महत्वपूर्ण बताया।

इस मौके पर 38वें राष्ट्रीय खेलों के सीईओ अमित सिन्हा भी मंच पर आए और इस पहल की सराहना की। उन्होंने इसे युवाओं के लिए बेहतरीन मंच बताया, जहां वे खेलों में करियर की संभावनाओं को समझ सकते हैं।

खेलों में गैर-सर्जिकल उपचार के नए उपाय

दूसरे सत्र रिकवर स्ट्रॉन्गर: गैर-सर्जिकल समाधान में खेलों के दौरान लगने वाली चोटों और उनके उपचार पर चर्चा हुई।

मुख्य वक्ता खेल चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. मनन वोरा थे। सत्र की शुरुआत नित्यांगन इंस्टिट्यूट ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत नृत्य प्रदर्शन से हुई। डॉ. वोरा ने बताया कि खेल चोटों के उपचार में आधुनिक गैर-सर्जिकल तकनीकें मददगार साबित हो रही हैं।

उन्होंने पुनर्जीवित चिकित्सा, प्रोथेरेपी, स्टेम सेल थेरेपी और प्लेटलेट रिच प्लाज्मा तकनीक जैसी विधियों पर प्रकाश डाला, जिनकी मदद से बिना सर्जरी के भी कई चोटों का इलाज संभव है। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का उदाहरण देते हुए समझाया कि टेनिस एल्बो जैसी चोटें बार-बार एक ही तकनीक अपनाने से होती हैं, जिससे शरीर पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि सही समय पर उचित इलाज और संतुलित आहार से खिलाड़ी तेजी से रिकवरी कर सकते हैं।

पंछी पगले कहां घर तेरा...

भारत-पाक सीमा पर दोनों देशों के पक्षी इन दिनों सर्दियों के मौसम को मिल-जुलकर 'एंज्वॉय' कर रहे हैं। वे नहीं जानते सीमाओं के बंधन। सरहद के माहौल से भी इन्हें सरोकार नहीं। सारा जहां इनका है, क्योंकि ये परिंदे हैं। ये पंखों के मालिक हैं। कभी नील गगन में उन्मुक्त उड़ान भरते हैं, कभी पानी में अठखेलियां करते हैं,तो कभी डाल-डाल और पात-पात फुदकते हैं। कभी धर्म तो कभी धरती के नाम पर बंटने वालों को ये बेजुबान पंछी पढ़ा रहे हैं प्यार की परिभाषा। जरा समझो, इन परिंदों की अमन की भाषा। सर्दियों की शुरुआत हो चुकी है। सरहद पार के प्रवासी पक्षियों को भारत का यह मौसम बड़ा सुहाता है। तभी तो सीमाएं लांघकर प्रवासी पक्षियों के झुंड जम्मू में भारत-पाक सीमा के निकट घराना वेटलैंड, कश्मीर में होकर सर झील और तराई के अन्य इलाकों में आ गए हैं। पाकिस्तान और अन्य देशों से आये प्रवासी पक्षी भारतीय परिंदों के साथ घुल-मिलकर रहने लगे हैं। आम तौर पर आग उगलने वाली जम्मू-कश्मीर की सीमाओं पर अपेक्षाकृत शांति के चलते जम्मू से करीब 34 किमी दूर घराना बर्ड सेंचुरी भी सीमा पार के पक्षियों की शरण स्थली बनी हुई है। इस बार उनकी बढ़ती तादाद को देखकर ऐसा लगता है जैसे उन्होंने सीमा पार बैठे अपने अन्य साथियों को ये संदेश भिजवाये हों- 'अमन ने पांव पसारे हैं, आप भी चले आओ।' एक समय ऐसा था जब घराना बर्ड सेंचुरी का अस्तित्व ही खतरे में माना जा रहा था क्योंकि गोलीबारी इनके अमन में खलल डाल रही थी। अब माहौल कुछ सुधरा है तो प्रवासी पक्षी भी आनंद उठा रहे हैं। यहां अभी तक पहुंचे 8 लाख के करीब पक्षी नया रिकार्ड बना चुके हैं। यहां आने वाले प्रवासी पक्षियों में बड़ी संख्या में ब्राह्मणी बतख, टफड बतख, मिलार्ड, गैरेनरी, रेड क्रास्ड कामन टीट आदि शामिल हैं। ये मेहमान पक्षी रूस, साइबेरिया, मध्य एशिया और अन्य देशों से भी आए हैं।

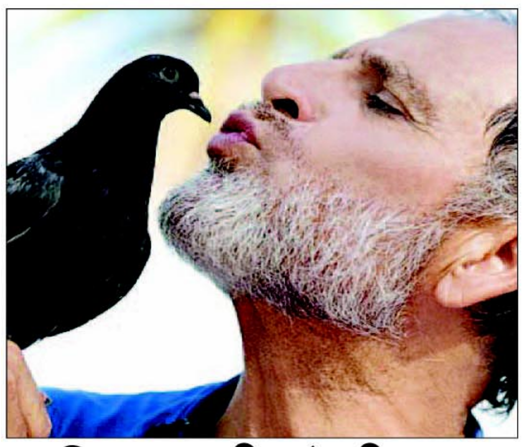

ध्वनि प्रणाली से ही आवाज निकालते हैं पक्षी

मनुष्य जाति और पक्षियों में ध्वनि पैदान करने के लिए बिल्कुल भिन्न अंग होते हैं। लेकिन एक ताजा शोध में पता चला है कि मानव और पक्षी ध्वनि उत्पन्न करने के लिए एक ही शारीरिक प्रणाली का इस्तेमाल करते हैं। मानव जाति आवाज निकालने, बोलने या गाना गाने के लिए मायोइलास्टिक एरोडायनेमिक थ्योरी का उपयोग करते हैं, जिसे एमईएडी क्रियाविधि भी कहा जाता है। साउदर्न डेनमार्क विश्वविद्यालय के शोधविज्ञानी कोएन एलीमेन्स के मुताबिक, पक्षी ध्वनि उच्चारण के लिए मानव के समान ही एमईएडी क्रियाविधि अपनाते हैं। यहां तक कि धरती पर विचरण करने वाले सभी कशेरूकी प्राणी भी एमईएडी तकनीक के सहारे ही अपने कंठ से ध्वनि निकालते हैं। मानव की कंठ नली में फेफड़ों से होकर जाने वाली हवा वोकल कॉर्ड (स्वर तंत्रिका) को छूकर गुजरती है, जिससे स्वर तंत्रिका में कंपन उत्पन्न होता है। प्रत्येक कंपन के साथ गला हवा के प्रवाह को रोकने और शुरू करने के साथ खुलता व बंद होता रहता है, जिससे ध्वनि उत्पन्न होती है। पक्षी कंठ नली (लैरिंक्स) से ध्वनि उत्पन्न नहीं करते हैं, बल्कि वे ध्वनि उत्पन्न करने के लिए सीरिंक्स का उपयोग करते हैं, जो मांसपेशियों की कई परतों के नीचे होता है।

पानी लाने के लिए पुरूष करते हैं शादियां

आमतौर पर इंसान अपनी गृहस्थी चलाने और वंश को आगे बढ़ाने के लिए शादियां करते हैं। लेकिन हमारे देश में एक जबह ऐसी भी है जहां लोग लड़कियों से इसलिए शादी करते हैं ताकि वे उनके लिए पानी ला सकें। यह गांव है महाराष्ट्र का सूखा प्रभावित इलाका विदर्भ। विदर्भ के एक गांव देंगमाल में पिछ्ले कई सालों से पानी लाने के लिए लड़कियों से शादी करने का प्रचलन है। इस पर एक शॉर्ट फिल्म भी बनाई गई है। यू ट्यूब पर अपलोड यह वीडियो वायरल हो रहा है। यहां की पंचायत ने भी इस प्रथा को मान्यता दे रखी है। यहां पानी लाने के लिए महिलाओं को कई किलोमीटर का फासला तय करना पडता है। पानी लाने में महिलाओं को कई घंटे लग जाते हैं। गांव में पीने के पानी की कोई व्यवस्था नहीं है। यहां पर पुरूष कई शादियां कर सकता है लेकिन एक ही महिला को पत्नी का दर्जा मिलता है बाकि पत्नियों को पानी वाली बाई के नाम से जाना जाता है। दूसरी या तीसरी पत्नी वही बनती हैं, जिनके पति की या तो मौत हो चुकी हो या फिर उनके पहले पति ने उन्हें छोड़ दिया हो। यहां जब लड़की पैदा होती है तो काफी ख़ुशियां मनाई जाती हैं।

> ईयरफोन्स के लगातार प्रयोग से सुनने की क्षमता 40 से 50 डेसीबेल तक कम हो जाती है। कान का पर्दा वाइब्रेट होने लगता है। दूर की आवाज सुनने में परेशानी होने लगती है। यहां तक कि इससे बहरापन भी हो सकता है। आज लगभग पचास प्रतिशत युवाओं में कान की समस्या का कारण है ईयरफोन्स का अत्यधिक प्रयोग।

ईयरफोन से बहरेपन की ओर...

आज ऐसे युवा आसानी से दिख जाते हैं जो कानों में लगातार ईयरफोन लगाये रहते हैं। ऐसा लगता है कि वे किसी दूसरी दुनिया में हैं। चाहे मोबाइल फोन के इस्तेमाल की बात हो या आई पॉड पर गाने सुनने की, ऐसे उपकरण आज युवाओं की जरूरत बन गए हैं। अगर आपके पास मोबाइल फोन या आई पॉड है, तो आप बस यात्रा के दौरान, रेल यात्रा के दौरान या जॉगिंग के समय बोर होने से बच सकते हैं। खाली समय में भी रेडियो, एफएम के स्टेशन बदलकर आप अपनी पसंद के गाने सुन सकते हैं, लेकिन क्या आपको पता है कि ईयरफोन्स की कुछ पल की सुविधा और आनंद आपके कानों के लिए कितना नुकसानदायक है! इतना ही नहीं, ईयरफोन के बढ़ते प्रयोग के कारण आज कितनी ही दुर्घटनाएं होने लगी हैं। लोग ड्राइव करते हुए, सड़क पार करते हुए, बाइक चलाते हुए या रोजमर्रा के काम करते हुए भी ईयरफोन्स लगाये रखते हैं और दुर्घटनाएं होती रहती हैं। ईयरफोन्स के अतिरिक्त प्रयोग से कानों में सिर्फ छोटी-मोटी समस्याएं ही नहीं होतीं, बल्कि इससे बहरापन तक हो सकता है। ईयरफोन्स, हेडफोन्स के बढ़ते प्रयोग का एक बड़ा कारण कॉल सेंटर जैसी नौकरियां भी हैं, जहां घंटों हेडफोन्स का प्रयोग आपकी मजबूरी बन जाता है। आप चाह कर भी अपने कानों को आराम नहीं दे सकते। अपने शौक, सुविधा, मनोरंजन या जरूरत के लिए आज हम ईयरफोन्स पर निर्भर होते जा रहे हैं।

कानों का यूं रखें खयाल

एमपी थ्री प्लेयर, आई पॉड, मोबाईल फोन जैसे उपकरण हमारे कानों को बहुत नुकसान पहुंचाते हैं। ईयरफोन के अत्यधिक प्रयोग से 40 से 50 वर्ष में ही सुनने की क्षमता कम होने लगती है और दिन भर में 5 घंटों तक लगातार तेज आवाज में गाने सुनने से ह्रदय की समस्याएं भी हो सकती हैं। वे लोग जिन्हें 8 से 10 घंटे फोन पर बात करनी होती हैं, उनमें कान की समस्याओं का अधिक जोखिम रहता है। ऐसे में अपनी आदतों में थोड़ा बदलाव लाकर और नियमित जांच कराकर आप ऐसी समस्याओं से बच सकते हैं।

यूं दिखते हैं लक्षण

- अक्सर सिरदर्द रहना या सिर भारी होना।
- दूर की आवाज का कम सुनाई देना या प्राकृतिक आवाजों को न सुन पाना।
- कान से पस जैसे तरल पदार्थ का बहना।
- ग्रुप डिस्कशन या ग्रुप में लोगों को सुन पाने में असमर्थ होना।
- कान का बंद हो जाना या कान में घंटी जैसी आवाजें सुनाई देना।
- कानों में लगातार दर्द रहना और व्यवहार में झुंझलाहट होना।

ऐसे करें बचाव

- ईयरफोन का इस्तेमाल कम से कम करने की आदत डालें। अगर आपको घंटों ईयरफोन लगाकर काम करना है, तो हर एक घंटे पर कम से कम 5 मिनट का ब्रेक लें।
- अच्छी क्वालिटी के ही हेडफोन्स या ईयरफोन्स का प्रयोग करें और ईयरबड की बजाय ईयरफोन्स का प्रयोग करें क्योंकि यह बाहरी कान में लगे होते हैं।
- बहुत से लोग ईयरफोन्स लगाए-लगाए सो जाते हैं। ऐसे लोगों को कम आवाज में ही गाने सुनने चाहिए।
- तेज आवाज में गाने सुनना है तो स्पीकर पर सुनें क्योंकि यह सीधा हमारे कान के पर्दे को प्रभावित नहीं करता।
- हेलमेट के साथ ईयरफोन्स का प्रयोग बिलकुल न करें। इससे कान की समस्याएं होने के साथ-साथ दुर्घटना की आशंका भी बढ़ जाती है।

सुनने की क्षमता खोना

नाक, कान, गला रोग विशेषज्ञों के मुतातिबक ईयरफोन्स के लगातार प्रयोग से सुनने की क्षमता 40 से 50 डेसीबेल तक कम हो जाती है। कान का पर्दा वाइब्रेट होने लगता है। दूर की आवाज सुनने में परेशानी होने लगती है। यहां तक कि इससे बहरापन भी हो सकता है। आज लगभग पचास प्रतिशत युवाओं में कान की समस्या का कारण है ईयरफोन्स का अत्यधिक प्रयोग। ईयरफोन्स के अत्यधिक प्रयोग से कान में दर्द, सिर दर्द या नींद न आने जैसी सामान्य समस्याएं हो सकती हैं और लंबे समय तक इनके प्रयोग से वर्टिगो, बहरापन और लैबिरिंथिस जैसी बीमारियां भी हो अपनी गिरफ्त में ले लें तो कोई आश्चर्य नहीं।

साथी पाने के नए ठिकाने...

अनुमान है कि ऑनलाइन मैट्रिमोनी का भारतीय कारोबार करीब 1,500 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। फिर भी सिंगल लोगों के लिए बनी वेबसाइट्स की अपनी खास जगह बनती जा रही है, क्योंकि ये जीवनसाथी चुनने का अलहदा और दिलचस्प विकल्प दे रही हैं, जिसमें परंपरागत तरीकों का थोपा हुआ एहसास नहीं है। दरअसल ये वेबसाइट्स 20 और 30 से ऊपर के सिंगल्स की हमसफर तलाशने की ऑनलाइन खोज को भुनाना चाहती हैं जो नए तरीकों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। आईएएमआई यानी इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के मुताबिक वैवाहिक वेबसाइटों पर अपलोड की गई प्रोफाइलों की संख्या में सालाना 130 फीसदी की बढ़त दर्ज हो रही है। जहां इससे अकेले पुरुषों और महिलाओं की भारी संख्या का पता चलता है, वहीं यह जानकारी भी मिलती है कि वैवाहिक वेबसाइटें ही अब अकेला प्लेमटफॉर्म नहीं।

बीच का रास्ता: इन वैकल्पिक सिंगल वेबसाइटों की नजर उस पीढ़ी पर टिकी है जो अपने माता-पिता की दखलअंदाजी से खुद को आजाद कर वयस्क संबंधों के नए आयाम की खोज में हैं और जो सिर्फ शगल के लिए साथ नहीं चाहते, बल्कि बीच का रास्ता चुनने के इच्छुक हैं। ये वेबसाइट्स आपसी परिचय का माहौल बनाती है जिसके बाद डेटिंग का सिलसिला खुद ही तैयार होने लगता है।

भीड़ में भी अकेले: यह ऐसी पीढ़ी है जो साथ रहने के सवाल को सीधे-सादे ढंग से नहीं बांचती। जीवन का पूर्ण होना सिर्फ शादी से नहीं जुड़ा। ऐसे मेलजोल की जरूरत तब होती है जब शादी या जगह बदलने के कुछ वर्षों बाद दोस्ती मुर्झाने लगती है और आपको नए लोगों से मिलने की जरूरत महसूस होती है। सोशल साइट्स के जरिए कराई जा रही ज्यादातर मुलाकातें दोस्तों या परिवार के माध्यम से होती हैं। इनके जरिए भी तलाश पूरी नहीं होती तो आपके पास कोई और उपाय नहीं होता। मां-बाप को अपने बेटे-बेटियों के शादी से पहले के रिश्तों की जानकारी नहीं होती। गौर करने वाली बात है कि प्रतिभा और धन में जीत का परचम प्रतिभा के हाथ आया और शहरी शादियों में जाति से जुड़ा मसला भी अब खास मायने नहीं रखता।

मेलजोल का जरिया: देखा जाए तो ये खास डेटिंग प्लेटफॉर्म समय की कमी से जूझ रहे युवाओं की सामाजिक जरूरत को पूरा कर रहे हैं। वास्तव में किसी से मुलाकात करने की संभावना बेहिसाब है। फिर भी, जिन पर सोशल मीडिया का जुनून सवार है, उनमें इन साइटों की दीवानगी भी होती है–ये साइट प्रोफाइल की जांच करने के लिए ट्विटर, लिंक्डइन और फेसबुक का ही इस्तेमाल करते हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि इंटरनेट का अधिक इस्तेमाल अकेलेपन को और बढ़ा देता है। फेसबुक जैसी सोशल नेटवर्किंग वेबसाइट आदमी की सामाजिक मेलजोल की बुनियादी जरूरत को पूरा करने का अमूल्य जरिया हैं, लेकिन लोगों की भलाई करने की बजाए फेसबुक का इस्तेमाल उल्टे नतीजे दे रहा है। यह उसे नजरअंदाज कर रहा है। शहरीकरण, प्रवास और एकल परिवार लोगों का अकेलापन बढ़ा रहे हैं। खासकर शहरों में लोगों से मिलना-जुलना और उनसे जुडना एक चुनौती है।

ब्रेकअप पार्टी...गिफ्ट क्या दें...?

नई पीढ़ी प्रयोग पर विश्वास करने वाली है। वह नई बातों की तरफ, नए ट्रेंड की तरफ दौड़ रही है। यही वजह है कि फ्रेंडशिप पार्टी, बेचलर्स पार्टी के बाद अब ब्रेकअप पार्टी का चलन शुरू हो गया है। आज का युवा ब्रेकअप होने पर रोता नहीं। वह इमोशन को मारो गोली कहते हुए ब्रेकअप पार्टी देकर अपना दुःख खत्म करने लगा है। कुछ साल पहले तक ब्रेकअप के बाद युवा तनाव में दिखते थे, लेकिन अब वे इस दुःख को सेलिब्रेट करने लगे हैं। यह पीढ़ी बहुत प्रैक्टिकल है। ब्रेकअप अब एक सामान्य बात हो चली है। ब्रेकअप पार्टी का एक फायदा यह भी है कि दोस्त यह समझ जाते हैं कि अब आप सिंगल हैं। सवाल यह पैदा होता है कि ब्रेकअप पार्टी में क्या गिफ्ट दें? यहां हम आपको कुछ ऐसे गिफ्ट बता रहे हैं जो आप अपने दोस्त को उसकी ब्रेकअप पार्टी में दे सकते हैं।

मसाज क्रिम: आपके दोस्त का अभी ही ब्रेकअप हुआ है, जाहिर है वह थोड़ा असहज अनुभव कर रहा होगा। इसका असर उसकी आंखों पर और शरीर पर न हो, इसलिए आप उसे आईज मसाज क्रिम या हेड मसाज क्रिम गिफ्ट दे सकते हैं।

हेट ब्रेकअप लेटर: गिफ्ट शॉपी में हेट ब्रेकअप लेटर मिल जाते हैं। इस पर यह लिखा होता है कि आप अपने दोस्त को क्यों पसंद नहीं कर रहे या क्यों उसे छोड़ रहे हैं। यह पढ़कर उसे बूस्ट मिलेगा और वह सहजता से ब्रेकअप ले सकेगा।

ब्रेकअप कार्ड: आप अपने दोस्त को ब्रेकअप कार्ड भी दे सकते हैं। इन कार्ड्स पर फोटो के साथ यू डिजर्व बेटर, डोंट वरी बी हैप्पी, ऑलवेज ओपन योर हार्ट जैसे वाक्य लिखे होते हैं।

सैड कविता: किसी रूमाल पर या कैलेंडर पर सैड कविता प्रिंट कराकर भी दी जा सकती है। साथ ही ब्रेकिंग हार्ट, सेवरेट कपल, सैड सॉन्ग सीडी भी विकल्प है।

चीनी कंपनी की ये बाइक्स...

युवाओं की दिलचस्पी उन बाइक्स में अधिक होगी जो कुछ समय बाद भारतीय बाजार में दिखाई देंगी। ऐसे में चीनी के स्वामित्व वाली इतालवी कंपनी बेनेल्ली कुछ नई बाइक्स जल्द लॉन्च करने जा रही है। इनमें लियोनसीनो,टोर्नेडो 302 और टीआरके 502 की चर्चा ज्यादा हो रही है। जानते हैं आखिर इन बाइक्स में क्या खास है।

लियोनसीनो

लियोनसीनो डुकाटी स्क्रम्बलर की तरह दिखाई देती है। कंपनी ने इसको एक क्लासिक डिजाइन के साथ पेश किया है। इसको राउंड हेडलाइट, फ्लैट हैंडल, फ्लैट सीट और ऑफ रोड टायर के साथ पेश किया गया है बेनेल्ली लियोनसीनो 499.6 सीसी पेरलेल दो सिलेंडर, लिक्विड कूल्ड इंजन के साथ 47.6पीएस पावर और 45एनएम टॉर्क जनरेट करने में सक्षम है। यह पारंपरिक चेन ड्राइव और 6-स्पीड ट्रांसमिशन के साथ है। ब्रेकिंग सिस्टम के लिए 4 पिस्टन रेडियल कैलिपरस के साथ डबल 320एमए डिस्क और रियर में एबीएस के साथ सिंगल 2602एमएम डिस्क की सुविधा दी गई है।

टोर्नेडो 302

टोर्नेडो 302 बाइक को भारत को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इस बात की भी चर्चा है कि कंपनी इस बाइक को 2016 तक भारतीय बाजार में उतारेगी। कंपनी का दावा है कि यह 170 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ती 2016 ऑटो एक्सपो के दौरान इस बाइक का फाइनल प्रोडक्शन वर्जन देखने को मिल सकता है। टोर्नेडो 302 इनलाइन ट्विन सिलेंडर 4 स्ट्रोक डबल ओवरहेड कैमशाफ्ट 300 सीसी इंजन 35.5 पीएस पावर और 27 एनएम टॉर्क जनरेट करने में सक्षम है। इसमें हाइड्रोलिक क्लच का इस्तेमाल किया गया है जो 6 स्पीड गियर बॉक्स के साथ है। इसकी सीट ऊंचाई 790एमएम रखी गई है जो औसत कद वालों के लिए पर्याप्त है। बाइक का फ्यूल टैंक 14 लीटर क्षमता वाला है।

टीआरके 502

बेनेल्ली की पहले से ही ऑफ रोड मोटरसाइकिल उपलब्ध है और यह सबसे आकर्षक बाइक है। इस बाइक को भारतीय बाजार में भी उतारा जा सकता है। भारत में भी एडवेंचर बाइक के प्रति दीवानगी देखी जा रही है। टीआरके 502 में हाइड्रोलिक क्लच का इस्तेमाल किया गया है जो 6 स्पीड गियर बॉक्स के साथ है। फ्यूल टैंक 20 लीटर क्षमता वाला है। यह काफी कुछ कावासाकी वर्सेस1000 और ट्रायम्फ टाइगर के मिश्रण की तरह दिखाई देती है। यह 500 सीसी लाइन दो सिलेंडर 4 स्ट्रोक इंजन के साथ है जो 47 पीएस पावर और 45 एनएम टॉर्क जनरेट करने में सक्षम है।

अगले माह होंडा की सीबी हार्नेट 160 आर बाइक

होंडा कंपनी अगले माह अपनी एक और नई बाइक लॉन्च करने जा रही है। होंडा अपनी इस नई बाइक को सीबी होर्नेट 160 आर के नाम से लॉन्च करेगी। गौरतलब है कि होंडा ने हाल ही में अपनी नई बाइक सीबी शाइन एसपी लॉन्च की है। फिलहाल कंपनी ने दिसंबर में लॉन्च होने वाली अपनी बाइक के नाम की अधिकारिक रूप से घोषणा नहीं की है लेकिन खबरों के अनुसार होंडा की अगली बाइक का नाम सीबी होर्नेट 160 आर होगा। इस बाइक को कंपनी दिसंबर माह के पहले सप्ताह में लॉन्च सकती है। होंडा की इस नई बाइक में 162.71 सीसी सिंगल सिलेंडर एयर कूल्ड इंजन लगा होगा। बाइक में 5 स्पीड गियरबॉक्स लगा होगा। साथ ही होंडा अपनी नई बाइक मे इको टेक्नोलॉजी का भी इस्तेमाल कर सकती है जिससे की बाइक का माइलेज बढेगा। होंडा सीबी होर्नेट 160 आर में मोनो हैडलैंप, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट पैनल, एलॉय व्हील जैसे फीचर्स हो सकते हैं। बाइक की अनुमानित कीमत 74,500 रूपये से लेकर 85,000 रुपए तक हो सकती है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**